राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में............

जयशंकर बोले- रूसी सेना में जबरन भारतीयों की भर्ती मंजूर नहीं....... 12

वर्ष : 15 | अंक : 85 | नई दिल्ली, शनिवार, 06 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

सात रोहिंग्या को त्रिपुरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने उत्तरी जिले के चुराईबारी से दो नवजात शिशुओं और तीन महिलाओं समेत सात रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी गिरफ्तार रोहिंग्या रात्रि बस से हैदराबाद जा रहे थे। एक गुप्त सूचना के आधार पर नाइट सुपर बस की ली गई तलाशी के दौरान उन्हें पकड़ा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या आठ पर चुराईबारी थाना के नाका पर नियमित जांच चौकी पर रात्रि बस (एमएल 05टी/ 8382) की तलाशी ली गई। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान दो पुरुषों और तीन महिलाओं को संदिग्ध व्यवहार करते देख उनसे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान यह ज्ञात हुआ कि सभी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार रोहिंग्या शिविर से आए थे। वे सिपाहीजाला जिले के धनपुर से दलालों के सहयोग से अवैध रूप से त्रिपुरा में घुसे थे। वे हैदराबाद स्थित रॉयल कॉलोनी में जा रहे थे। हिरासत में लिये गए व्यक्तियों को शुक्रवार को धर्मनगर जिला न्यायालय में पेश किया गया। इनमें से पांच की पहचान अब्दुल इलाही, अब्दुल सुक्कुर, रूमी बेगम, रोजीना बेगम और चखिना बेगम के रूप में हुई है। रूमी बेगम की दो नवजात बेटियां भी साथ हैं।

संघ के प्रांत प्रचारकों की वार्षिक बैठक 12 जुलाई से रांची में, भागवत होंगे शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी प्रांत प्रचारकों की वार्षिक बैठक अगले सप्ताह झारखंड के रांची में होगी जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत भी भाग लेंगे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 12 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक में प्रांत प्रचारक मई-जून में हुए संघ के प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा करेंगे। आरएसएस की संरचना के अनुसार उसके देशभर में 46 प्रांत हैं। आंबेकर ने कहा कि प्रांत प्रचारक आने वाले साल के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, वर्ष 2024-25 के लिए सरसंघचालक जी (भागवत) के प्रवास की योजना पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। संघ के शताब्दी वर्ष (2025-26) को लेकर भी चर्चा होगी।

पुल-पुलिया गिरने व धंसने मामले में 15 अभियंता नपे

जल संसाधन विभाग के 11 व ग्रामीण कार्य विभाग के 4 अभियंताओं पर गिरी गाज

- क्षतिग्रस्त पुल पुलिया के शीघ्र निर्माण को लेकर सरकर गंभीर : चैतन्य
- बोलें- पुल निर्माण को लेकर राज्य पुल निर्माण निगम को दिया गया निर्देश

प्रात : किरण

पटना। राज्य में पुल-पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की घटना को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह सजग है। क्षतिग्रस्त पुलों का शीघ्र निर्माण को लेकर सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अभियंता व संवदेकों को चिहिन्त कर कारवाई की जा रही है। अब तक इस मामले में 15 अभियंताओं का निलंबन हुआ है। इस संदर्भ में शुक्रवार को राज्य के विकास आयुक्त सह जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद व ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य सचिव दीपकर प्रसाद ने विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिवालय के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता मे जल संसाधन विभाग के सचिव ने बताया कि राज्य के विभिन्न जिला में विगत दिनों कुल 09 पुल-पुलिया ध्वस्त हुए हैं। जिसमें से 6 पुल-पुलिया बहुत पुरानी थी एवं 03 पुल-पुलिया निमाणाधीन थी। सचिव ने बताया कि 03-04 जुलाई को सिवान एवं सारण जिलों में छाड़ी, गंडकी नदी पर अवस्थित 06 पुल पुलिया ध्वस्त हुए हैं। जल संसाधन विभाग के द्वारा गोपालगंज, सिवान एवं सारण जिलों से प्रवाहित होने वाले छाड़ी/गंडकी नदी के प्रवाह को अविरल बनाने के साथ-साथ नदी जोड़ योजना एवं जल-जीवन-हरियाली अभियान के संयुक्त उद्देश्य से गंडक अकाली नाला-गंडकी-माही-गंगा नदी जोड़ योजना का कार्यान्वयन कराया जा रहा है। 69.89 करोड़ की लागत राशि से इस योजना के तहत लगभग 170 किमी की लंबाई में 19 मीटर चौड़ाई तथा औसत गहराई 03 मीटर में गाद निकासी कार्य कराया जाना है। इस योजना को मार्च, 2025 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है। सचिव ने बताया कि गाद निकालने के कारण ही अधिकांश पुल ढहने की संभावना है। सचिव ने आगे बताया कि विभागीय उड़नदस्ता संगठन के द्वारा किये गये जांच में यह पाया गया है कि कार्य के कार्यान्वयन के दौरान संबंधित अभियंताओं के द्वारा इस नदी पर अवस्थित पुल-पुलिया को सुरक्षित रखे जाने हेतु एहतियातन कदम नहीं उठाया गया तथा समुचित तकनीकी पर्यवेक्षण नहीं किया गया। साथ ही कार्यकारी संवेदक के स्तर से भी लापरवाही बरती गयी। इन पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यान्वयन से संबंधित दोषी जल संसाधन विभाग के 11 अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। सचिव ने बताया कि दो कार्यपालक अभियंता, चार सहायक अभियंता व पांच कनीय अभियंता को निलंबित किया गया है।

पुलों के शीघ्र निर्माण को लेकर सरकार गंभीर :

वहीं, सचिव चैतन्य प्रसाद ने बताया कि आवागमन सुनिश्चित करने हेतु नये पुलों के शीघ्र निर्माण एवं उक्त कार्य की स्वीकृति प्रदान किये जाने के लिए अविलम्ब प्राक्कलन उपलब्ध कराने हेतु बिहार राज्य पुल निर्माण निगम को निदेश दिया गया है। क्षतिग्रस्त पुलों के स्थान पर नये पुलों का निर्माण कार्यकारी संवेदक के रिस्क और कॉस्ट पर किया जायेगा।

इन अभियंताओं पर गिरी गाज

ई अमित आनन्द, कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई कुमार ब्रजेश, कार्यपालक अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल, सिवान। ई राजकुमार, सहायक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई चन्द्रमोहन झा, सहायक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई सिमरन आनन्द, सहायक अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल, सिवान। ई नेहा रानी, सहायक अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल, सिवान। मो. माजिद, कनीय अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल, सीवान। ई रवि कुमार रजनीश, कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई रफीउल होदा अंसारी, कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई रतनेश गौतम, कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान। ई प्रभात रंजन, कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, सिवान।

संवेदक के लंबित भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक : दीपक

ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य सचिव दीपक प्रसाद ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग के अतंर्गत तीन पुल क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने बताया कि 18 जून को अररिया में पुलिया क्षतिग्रस्त हुआ है। सचिव ने बताया कि ई निर्मल कुमार, मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, पूर्णिया की अध्यक्षता में 04 सदस्यीय जांच दल का गठन कर क्षतिग्रस्त पुल की जांच कराई गयी है। क्षतिग्रस्त पुल के निर्माण कार्य में कर्तव्यहीनता बरतने के फलस्वरूप ग्रामीण कार्य विभाग के ई अंजनी कुमार, कार्यपालक अभियंता, ई आशुतोष कुमार रंजन, वर्तमान कार्यपालक अभियंता, वीरेन्द्र प्रसाद, कनीय अभियंता, मनीष कुमार, वर्तमान कनीय अभियंता को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निलंबित कर दिया गया है। सचिव ने बताया कि डीपीआर संवेदक को काली सूची में दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। संवेदक को किये गये भुगतान की वसूली एसबीडी के प्रावधानों के आलोक में की जा रही है एवं संवेदक के सभी कार्यों के लंबित भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। संबंधित डीपीआर परामर्शी के विरूद्ध भी कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में किये गये कार्य का भुगतान एवं आगे नया कार्य किये जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। गठित जांच दल से अंतिम जांच प्रतिवेदन एवं जांचफल प्राप्त होने के उपरांत दोषी संवेदक के जाच विरूद्ध बिहार ठेकेदार नियमावली के तहत कार्रवाई की जायेगी। साथ ही दोषी पदाधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई की जायेगी। सचिव ने बताया कि 23 जून को पूर्वी चम्पारण घोड़ासहन प्रखण्ड के पीएमजीएसवाई 3 के अंतर्गत निमाणाधीन पुल क्षतिग्रस्त हुआ हैं। सचिव ने बताया कि क्षेत्रीय पदाधिकारी से प्राप्त सूचना के अनुसार असामाजिक तत्वों द्वारा पुल की सेंट्रिंग के साथ निमाणाधीन पुल को क्षतिग्रस्त किया जाना प्रतिवेदित है, जिसके संदर्भ में घोड़ासाहन पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। स्थानीय पुलिस द्वारा इसमें प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। 15 जून के बाद पुल का कार्य कराये जाने एवं निर्माण कार्य के पर्यवेक्षण में कमी बरतने के कारण संबंधित कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता के विरूद्ध विधि-सम्मत निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। सचिव ने बताया कि 26, जून को मधुबनी में निमाणाधीन पुल का एक गार्डर ध्वस्त हो गया हैं। अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य अंचल, मधुबनी की अध्यक्षता में 04 सदस्यीय जांच दल का गठन कर क्षतिग्रस्त पुल की जांच कराई गयी है। कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमंडल, झंझारपुर एवं सहायक अभियंता कार्य अवर प्रमंडल, मधेपुर द्वारा संवेदक को जून के प्रथम सप्ताह में ही पुल निर्माण कार्य मानसून के उपरांत किये जाने का निदेश दिया गया था। क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा दिये गये निदेशों की अवहेलना एवं स्वेच्छाचारिता बरतने के कारण संवेदक से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। संवेदक द्वारा अपने रिस्क व कॉस्ट के आधार पर क्षतिग्रस्त गर्डर के स्थान पर नया गर्डर का निर्माण किया जायेगा। निर्माण कार्य के पर्यवेक्षण में कमी बरतने के कारण संबंधित कनीय अभियंता, पवन कुमार राम के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। गठित जांच दल से अंतिम जांच प्रतिवेदन एवं जांचफल प्राप्त होने के उपरांत दोषी संवेदक के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगा।

महागठबंधन सरकार का जारी 3600 करोड़ का टेंडर पीएचईडी ने किया रद्द

विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा : मंत्री

प्रात : किरण

- बोलें-महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए टेंडरों में खामियां पाई गईं

पटना। बिहार सरकार ने महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए 3600 करोड़ रुपये के ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों के टेंडर रद्द कर दिए हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि महागठबंधन सरकार के समय जारी हुए टेंडरों में खामियां पाई गईं, जिसके बाद ये फैसला लिया गया। अब विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि विभाग की जांच के बाद ये निर्णय लिया गया है। जांच में पाया गया कि इन टेंडरों को जारी करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और पर्याप्त क्षेत्रों को कवर नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि विभाग ने पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली से संबंधित 3600 करोड़ रुपये के टेंडर रद्द कर दिए हैं। इससे पहले हमने पीएचई विभाग के 826 करोड़ रुपये के 350 टेंडर रद्द किए थे। अब तक विभाग ने पिछली सरकार के दौरान अंतिम रूप दिए गए 4,400 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर रद्द किए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि निविदा प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। पर्याप्त क्षेत्रों को भी कवर नहीं किया गया था। अब विभाग जल्द से जल्द काम के लिए संशोधित निविदाएं जारी करेगा। सिंह ने कहा कि ये निविदाएं ग्रामीण जलापूर्ति कार्यों से संबंधित थीं, जिसमें हैंडपंप और मिनी जलापूर्ति प्रणाली की स्थापना शामिल है। उन्होंने कहा कि मैंने जांच रिपोर्ट मिलने के बाद हाल ही में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। उस बैठक के बाद इन निविदाओं को रद्द करने का आदेश जारी किया गया। पिछली सरकार के दौरान राजद नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे। सिंह ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान पीएचई विभाग के 4600 करोड़ रुपये के कुल 1,160 टेंडर जारी किए गए थे। उन्होंने पाई गई अनियमितताओं के बारे में विवरण देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने अब तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में 1,500 हैंडपंप लगाए हैं। नए क्षेत्रों में तीन हजार और हैंडपंप लगाने की प्रक्रिया जारी है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्य के ग्रामीण इलाकों में ट्रीटमेंट यूनिट के साथ सोलर मिनी पाइप्ड वाटर सप्लाई सिस्टम लगाने का फैसला किया है।

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने ली शपथ

रांची। झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने आज राजभवन स्थित बिरसा मंडप में न्यायमूर्ति डॉ विद्युत रंजन षड़ंगि को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने मुख्य न्यायाधीश को शपथ लेने के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी। इससे पूर्व मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) प्रधान सचिव वंदना दादेल ने न्यायमूर्ति डॉ० विद्युत रंजन षड़ंगि का झारखंड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति संबंधी वारंट को पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी द्वारा मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण आमंत्रित किया गया।

हाथरस भगदड़ कांड के पीड़ितों के साथ खड़ी है कांग्रेस : राहुल

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथरस और अलीगढ़ के पीड़ित परिवारों से मिले

प्रात : किरण

हाथरस/एजेसी। । लोकसभा में नेता विपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को हाथरस भगदड़ कांड के प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने उनसे मिलकर उनका दर्द बांटा और साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन को इस घटना का दोषी करार देते हुए इस मामले को संसद में उठाने का भरोसा दिया। राहुल गांधी ने आगरा रोड विभव नगर नबीपुर खुर्द स्थित ग्रीन पार्क में सत्संग के दौरान भगदड़ में घायल और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। राहुल ने आशा देवी, मुन्नी देवी और ओमवती के परिवारीजनों से मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हाथरस भगदड़ कांड में प्रशासन की कमी तो रही। गलतियां हुई हैं, उनका पता लगाना चाहिए। आर्थिक मदद ज्यादा से ज्यादा मिलनी चाहिए। ये गरीब परिवार थे। मैं यूपी के सीएम से अनुरोध करता हूं कि वो दिल खोलकर आर्थिक मदद दें। पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद राहुल गांधी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व दिल्ली से सड़क मार्ग से राहुल गांधी अलीगढ़ जनपद के अकराबाद के गांव पिलखना पहुंचे। जहां राहुल गांधी ने हाथरस सत्संग के दौरान भगदड़ में मारे गए परिवारों से मुलाकात की। इनमें मंजू पत्नी छोटेलाल, पंकज पुत्र छोटेलाल, प्रेमवती और शांति देवी पत्नी विजय सिंह से मिले और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख दर्द बांटा। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद इमरान मसूद के साथ स्थानीय पार्टी पदाधिकारी व कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि हाथरस के सिकंदराराऊ के फुलरई मुगल गढ़ी में मंगलवार को सूरज पाल उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई है। घटना के बाद सबसे पहले सरकार के तीन मंत्री राहत कार्यों के लिए पहुंचे थे। अगले ही दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस आकर घायलों का हाल जाना था और घटनास्थल का भी दौरा किया था। मुख्यमंत्री के बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा, बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ आर्य, यूपी सरकार के मंत्री धर्मवीर प्रजापति तथा समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है।

रेलकर्मियों को हतोत्साहित करना चाहता है विपक्ष : वैष्णव

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गरीब एवं अल्प आय वर्ग के यात्रियों का ख्याल रखने का वादा करते हुए कहा कि विपक्षी दल सोशल मीडिया में पुराने वीडियो डाल कर रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं लेकिन हम उनका नैरेटिव विफल करेंगे। श्री वैष्णव ने यहां रेल भवन में एक कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप लगाया। सोशल मीडिया में यात्रियों को अमानवीय परिस्थितियों में यात्रा करते हुए दिखाये जाने वाले वीडियो वायरल होने के बारे में पूछे जाने पर रेल मंत्री ने कहा, विपक्षी दल रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों को हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे पुराने वीडियो का उपयोग कर रहे हैं। हां, रेलवे नेटवर्क बहुत बड़ा है, और टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। रेलवे देश की जीवन रेखा है, और हम इस जीवन रेखा को बनाए रखेंगे और विपक्ष की इस नैरेटिव को विफल करेंगे। रेल मंत्री ने गरीब एवं कम आमदनी वाले यात्रियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे ने एक विशेष अभियान के तहत ढाई हजार जनरल कोचों का निर्माण शुरू किया गया है तथा 10 हजार ऐसे ही कोच और बनाये जाएंगे ताकि हर यात्री को किसी भी परिस्थिति में आरामदेह यात्रा की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा, एक विशेष अभियान के तहत 2500 जनरल कोचों का निर्माण किया जा रहा है, इसके अलावा 10 हजार और जनरल एवं स्लीपर कोचों के लिए मंजूरी दी गई है। ताकि जनरल एवं स्लीपर श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को आरामदेह यात्रा करने की सुविधा मिल सके।

नीट-पीजी 2024 के लिए नई तारीख घोषित, 11 अगस्त को दो पालियों में होगी परीक्षा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेसी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-यूजी) 2024 का आयोजन 11 अगस्त को दो पालियों में किया जाएगा। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। पहले यह परीक्षा 23 जून को होनी थी। बोर्ड ने कहा, एनबीईएमएस के 22 जून 2024 के नोटिस के क्रम में नीट-पीजी 2024 परीक्षा का कार्यक्रम अब पुनः निर्धारित किया गया है। अब यह 11 अगस्त को दो पालियों में होगी। नीट-पीजी 2024 में शामिल होने के लिए पात्रता के उद्देश्य से कट-ऑफ तारीख 15 अगस्त, 2024 रहेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 23 जून को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा 22 जून को स्थगित कर दी थी। कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर एहतियातन कदम उठाते हुए यह निर्णय लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि तब से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, एनबीईएमएस, उसके तकनीकी साझेदार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों ने कई बैठक की हैं तथा साइबर प्रकोष्ठ के अधिकारी परीक्षा के लिए व्यवस्था की मजबूती का मूल्यांकन करेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया का आकलन करने का फैसला किया था। एनबीईएमएस चिकित्सा के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए टीसीएस के सहयोग से परीक्षा आयोजित करता है।

भाजपा ने 23 राज्यों में प्रभारी बनाये, विनोद तावड़े बने रहेंगे प्रदेश प्रभारी

- नितिन नवीन समेत बिहार के 3 नेताओं को अहम जिम्मेवारी

प्रात : किरण

पटना। बीजेपी ने शुक्रवार को देश के 23 राज्यों में नये प्रभारी और सह प्रभारी की नियुक्ति की है। पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर नये प्रभारियों की सूची जारी की गयी। वैसे, बिहार में विनोद तावड़े प्रदेश प्रभारी बने रहेंगे। झारखंड के दीपक प्रकाश को बिहार बीजेपी का सह प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश प्रभारियों की सूची में बिहार के तीन नेताओं को अहम जिम्मेवारी दी गयी है। बीजेपी की ओर से जिन राज्यों में प्रभारियों की नियुक्ति की है उनमें बिहार, झारखंड, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य शामिल हैं। बड़े राज्यों में प्रभारी के साथ साथ सह प्रभारी भी बनाये गये हैं। बिहार में पहले से ही बीजेपी के प्रभारी का काम देख रहे विनोद तावड़े को फिर से यही जिम्मेवारी दी गयी है। वहीं, झारखंड बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष दीपक प्रकाश को बिहार बीजेपी का सह प्रभारी बनाया गया है।

बिहार के तीन नेताओं को अहम जिम्मेवारी :

बीजेपी ने बिहार भाजपा के तीन नेताओं को राज्यों का प्रभारी बनाया है। इनमें मंत्री नितिन नवीन और दिलीप जायसवाल के साथ साथ एमएलसी देवेश कुमार का नाम शामिल है। बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन को छत्तीसगढ़ बीजेपी का प्रभारी बनाया गया है। नितिन नवीन पहले छत्तीसगढ बीजेपी के सह प्रभारी हुआ करते थे।

बिहार के एक और मंत्री दिलीप जायसवाल को सिक्किम का प्रभारी बनाया गया है। दिलीप जायसवाल बिहार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री हैं। वहीं, बिहार में बीजेपी के एमएलसी देवेश कुमार को पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश में विधायक अशोक सिंघल को प्रभारी बनाया गया है। अंडमान निकोबार का प्रभारी रघुनाथ कुलकर्णी को बनाया गया है। दादरा एवं नागर हवेली का प्रभारी दुष्यंत पटेल को बनाया गया है। गोवा की जिम्मेदारी आशीष सूद को मिली है। हरियाणा में डॉ। सतीश पूनिया को प्रभारी बनाया गया है। वहीं सुरेंद्र सिंह नागर को सह-प्रभारी के तौर पर जिम्मा मिला है। वह राज्यसभा के सांसद भी हैं। हिमाचल प्रदेश का प्रभारी श्रीकांत शर्मा को बनाया गया है और उनके साथ संजय टंडन सह-प्रभारी के तौर पर रहेंगे। जम्मू-कश्मीर में तरुण चुग प्रभारी होंगे और उनके साथ आशीष सूद सह।

समारोह बिहार के केंद्रीय मंत्रियों का अभिनन्दन समारोह, कार्यकर्ताओं की तालियों से गूंजा सभागार.....

एनडीए ने 2025 मे बिहार मे सरकार बनाने का लिया संकल्प

- नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बनानी है एनडीए की सरकार : सम्राट
- कार्यकर्ताओं को वोट मांगने के लिए सिर झुकाकर नहीं जाना होगा : ललन

प्रात : किरण

पटना। बिहार भाजपा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार बनी सरकार में शामिल बिहार के मंत्रियों का पटना में जोरदार स्वागत और अभिनन्दन किया। इस मौके पर श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित एक समारोह में इन सभी मंत्रियों का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। मंत्रियों को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छा देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सभी केंद्रीय मंत्रियों के साथ संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, ललन सिंह, गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राजभूषण निषाद को सम्मानित और अभिनन्दन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 1952 के बाद पंडित नेहरू लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने थे। इतिहास में यह पहला मौका है तीसरी बार किसी गठबंधन की बहुमत के साथ सरकार बनी है और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बन गयी है अब अगले साल नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए के सभी दल सामंजस्य बनाकर पिछला 206 सीट का रिकॉर्ड तोड़कर नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि अगले साल तक एनडीए सरकार इस कार्यकाल में 12 लाख लोगों को नौकरी दे देगी। उन्होंने कहा कि बिहार को एनडीए ही समृद्ध बना सकता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने अगले विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड तोड़ जीत का आह्वान करते हुए कहा कि एनडीए के कार्यकताओं को वोट मांगने के लिए सिर झुकाकर नहीं जाना होगा। देश मे अगर नरेंद्र मोदी ने अभूतपूर्व काम किये हैं तो बिहार में नीतीश कुमार ने प्रदेश को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इस समारोह का नाम अभिनन्दन समारोह नहीं बल्कि संकल्प समारोह होना चाहिए था। इसी समारोह से हम सभी अगले साल होने वाले चुनाव की जीत का संकल्प लेकर चलें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम में एनडीए 176 विधानसभा सीटों में बढ़त ली है, इससे साफ है कि थोड़ी सी मेहनत से हम विधानसभा चुनाव में 206 के रिकॉर्ड से आगे निकल जाएंगे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार आयी तब से बाबा भीमराव अंबेडकर का नाम फिर से ऊंचाइयों पर जाने लगा। कॉंग्रेस बाबा साहेब को भूलने लगी थी। मोदी जी की मंशा सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास रहा है। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने बिहार के विकास को गति बढ़ाने के लिए लोकसभा चुनाव में यह परिणाम दिया है। बिहार को विकसित करने की जिम्मेदारी हम सभी पर है। बिहार ने साफ संदेश दिया है कि यह प्रदेश जाति की नहीं जमात की राजनीति करती है और जमात की राजनीति नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास किया। उन्होंने सभी केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत और अभिनन्दन किया। इस समारोह में बिहार के मंत्री नितिन नवीन, हरि सहनी, मंगल पांडेय, नीराज कुमार बबलू, रेणु देवी, प्रेम कुमार सहित राधा मोहन सिंह, संजय जायसवाल, संजीव, जनक राम, चौरसिया, अरुण सिन्हा सहित पार्टी के समस्त प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून से मसूरी आ रही कार खाई में गिरी, छह सवार घायल

मसूरी, एजेंसी। देहरादून से मसूरी आ रही कार भट्टा गांव के समीप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार छह लोग घायल हुए है। पुलिस फायर टीम ने घायलों को अस्पताल भिजवाया है। वर्षा के बाद भूस्खलन से जौनसार बावर के आठ मोटर मार्ग मलबा आने से बंद हो गए। मलबा हटाने के लिए जगह-जगह जेसीबी मशीन लगाई गई है। लोनिवि साहिया, लोनिवि चकराता और पीएमजीएसवाइ के मार्ग बंद हैं।

युवक पर धारदार हथियार से हमला, आठ नामजद

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र में टैक्सी कार्यालय के पास बैठे युवक पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। युवकों ने उसे बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आठ आरोपियों के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कन्हैया झा निवासी मिश्र गली ब्रह्मपुरी कोतवाली नगर ने शिकायत दी। बताया कि उसका साथी धर्मेंद्र कश्यप चंडीघाट चौक के पास से नजीबाबाद चलने वाली गाड़ियों की ओम शनि टैक्सी-मैक्सी कैब वेलफेयर एसोशियशन का अध्यक्ष है। वह भी उसी के साथ काम देखता है। इसलिए कुछ लोग धर्मेंद्र व उससे रंजिश रखते हैं। सोमवार शाम को अभिषेक निवासी घासमंडी ज्वालापुर, साजन बजरंगी निवासी कुम्हार घड़ा कनखल, प्रमोद उर्फ अंगद निवासी पहाड़ी बाजार कनखल, गोपाल निवासी बैरागी कैंप कनखल, शिवम बिष्ट निवासी कनखल, बजरंग दल नेता नवीन तेश्वर निवासी सतीघाट कनखल, प्रेम गांधी निवासी नाथ नगर ज्वालापुर कार्यालय के पास पहुंचकर उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि सभी ने अपने अन्य 15-20 साथियों के साथ लाठी डंडो व धारधार हथियार से हमला कर बुरी तरह उसे मारा। अभिषेक ने सिर में धारदार हथियार से प्रेम गांधी ने चाकू, नवीन तेश्वर ने लोहे की रोड से हमला किया। आसपास के लोगों के आने पर सभी जान से मार देने की धमकी देकर भाग गए। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

युवक को मारने वाले चार को सात साल की कैद

रोशनाबाद, एजेंसी। मामूली बात को लेकर एक व्यक्ति के सिर पर हमला कर मारने वाले चार आरोपियों को दोषी पाते हुए तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिरुद्ध भट्ट ने सात साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 17,500 रुपये प्रत्येक पर जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, 16 अक्टूबर 2015 को आरोपी सालीम व उसके भाई रियाजुल, आकिल, उसका भाई कामिल निवासी ग्राम मुंडलाना मंगलौर अपने मकान के बाहर शाम को सड़क पर चारपाई पर बैठकर शराब पी रहे थे। आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। उनके मकान के सामने रहने वाले शहजाद ने गालियां देने से मना किया था, तब चारों लाठी डंडे लेकर उसके घर में घुस गए थे। रियाजुल ने शहजाद को पीछे से पकड़ लिया था और आकिल व कामिल ने लाठी डंडों व सालीम ने लोहे की रोड से सिर पर वार किया था। उसे मंगलौर अस्पताल भेजा गया। हालत गम्भीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान 20 अक्टूबर 2015 को उसकी मौत हो गई थी। अनीश ने कोतवाली मंगलौर में मुकदमा दर्ज कराया था। वादी पक्ष की तरफ से 11 और दो गवाह पेश किए गए। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने ये सजा सुनाई।

अखाड़े की दुकान को अपना बताकर 12.52 लाख की धोखाधड़ी

हरिद्वार, एजेंसी। एक अखाड़े की दुकान को अपना बताकर 12 लाख 52 हजार की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने ज्वालापुर कोतवाली में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रजनी देवी पत्नी रोहित सोनी निवासी शिव मंदिर मोहल्ला देवतान ज्वालापुर ने शिकायत दी। बताया कि एक दुकान 17 मई को नरेंद्र कुमार निवासी ब्रह्मपुरी हरिद्वार से खरीदी थी। यह दुकान वार्ड नंबर-12 निर्मला छावनी में है। दुकान की एवज में 12.52 लाख अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए। उसी दिन हरिद्वार तहसील स्थित उप-निबंधक हरिद्वार प्रथम के यहां रजिस्ट्री करा ली गई।

पहाड़ों में बारिश के बाद घट-बढ़ रहा गंगा का जलस्तर, खतरे के निशान पर यमुना, अलर्ट जारी

ऋषिकेश, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश के कारण स्थानीय प्रशासन की ओर से गंगा घाट और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है।

पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही तेज बारिश के कारण मैदानी भागों में गंगा नदी का जलस्तर घट बढ़ रहा है। हालांकि हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर अभी सामान्य है। सुरक्षा के दृष्टिगत और लगातार हो रही बारिश के कारण स्थानीय प्रशासन की ओर से गंगा घाट और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। प्रशासन गंगा घाट और गंगा तट पर लाउड स्पीकर से मुनादी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दे रहा है।

ऋषिकेश में नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत त्रिवेणीघाट, मायाकुंड, चंद्रेश्वर नगर, पशुलोक बैराज, चंद्रभागा नगर पालिका मुनिकीरेती ढालवाला क्षेत्र में शीशमझाड़ी, पूर्णानंद, शत्रुघ्न घाट, नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक अंतर्गत किरमोला घाट, नावघाट, साधु समाज घाट, वानप्रस्थ, गीताभवन, परमार्थ निकेतन, वेद निकेतन, लक्ष्मणझूला के अलावा श्यामपुर, रायवाला आदि जगहों पर स्थानीय प्रशासन की ओर से लगातार मुनादी की जा रही है। प्रशासन की ओर से गंगा घाट और

तटों पर पर्यटकों को जाने के लिए सतर्क किया जा रहा है।

बृहस्पतिवार को गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा 339.50 मीटर से 337.60 मीटर नीचे बह रही थी। जो चेतावनी रेखा से 1.90 मीटर नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह छह बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक गंगा का जलस्तर 337.97 मीटर रहा। शाम पांच बजे नदी का जलस्तर 337.60 मीटर हो गया, जो फिर शाम को 37 सेमी घट गया।

एसडीएम कुमकुम जोशी ने कहा कि गंगा के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए मुनादी कराई गई है। लोगों को गंगा किनारे न जाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम पुलिस को भी अलर्ट रहने को कहा गया है।

डाकपत्थर में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया। हालांकि, शाम को जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। शाम को यमुना खतरे के निशान से 55 सेंटीमीटर नीचे बहने लगी।

डाकपत्थर में यमुना के जलस्तर का खतरे का निशान 455.37 मीटर पर है। सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर 455.34 मीटर दर्ज किया गया। शाम को चार बजे जलस्तर कुछ घटने के बाद 454.82 मीटर तक पहुंच गया। वहीं, इच्छाड़ी में टौंस का जलस्तर सुबह आठ बजे 642.35 मीटर था। शाम को चार बजे जलस्तर 643.00 मीटर पहुंच गया। नायाब तहसीलदार ग्यारूदत्त जोशी ने कहा कि यमुना के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। बचाव और राहत कार्यों के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

हल्द्वानी से स्कूटी चोरी कर पहुंचा अल्मोड़ा, मंदिर में तोड़ा दानपात्र

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा नगर के पास गंगनाथ मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। मंदिर से चोरी किए सामान और नकदी के साथ पिथौरागढ़ के धारचूला निवासी युवक को गिरफ्तार किया है।

अल्मोड़ा नगर के पास गंगनाथ मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। मंदिर से चोरी किए सामान और नकदी के साथ पिथौरागढ़ के धारचूला निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हल्द्वानी से स्कूटी चोरी की और इससे अल्मोड़ा पहुंचा। इसके बाद यहां दो मंदिरों के ताले तोड़ दिए।

एसएसपी देवेंद्र पींचा ने बताया कि अल्मोड़ा नगर के पास शैली के उल्का मंदिर और एनटीडी के गंगनाथ मंदिर से चोरी हुई थी। गंगनाथ मंदिर से दानपात्र तोड़ उसमें जमा नकदी के साथ ही सिलिंडर सहित अन्य सामान चोरी हुआ था। मंदिर के पुजारी हेमेंद्र मटियानी ने पुलिस को तहरीर दी थी।

बृहस्पतिवार को पुलिस ने आरोपी संतोष धामी (19) निवासी गलाती, धारचूला, पिथौरागढ़ को गिरफ्तार किया। उसके पास से चुराई गई नकदी, सिलिंडर, रेगुलेटर सहित अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने उसके पास मौजूद स्कूटी यूके 04 वाई 7846 के बारे में जानकारी हासिल की तो वह भी चोरी की निकली। पुलिस के मुताबिक आरोपी कुछ दिन पूर्व पिथौरागढ़ से हल्द्वानी पहुंचा। उसने यहां से स्कूटी चुराई और अल्मोड़ा पहुंचकर मंदिरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने पहले शैल के उल्का देवी मंदिर में ताले तोड़े और फिर गंगनाथ मंदिर में दानपात्र तोड़ते हुए चोरी की। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने कुछ दिन पूर्व पिथौरागढ़ पुलिस लाइन में स्थापित मंदिर में भी चोरी की थी। यहां चोरी के बाद वह हल्द्वानी पहुंचा।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पहले शैल के उल्का देवी मंदिर के ताले तोड़े। जब वह भीतर के कक्ष के ताले तोड़ने में सफल नहीं हुआ तो उसने एनटीडी के गंगनाथ मंदिर का रुख किया। उल्का देवी मंदिर में ताले टूटने की सूचना पर जब पुलिस ने यहां लगे सीसीटीवी खंगाले तो आरोपी का पता चला। जब वह पकड़ में आया तो पूछताछ में गंगनाथ मंदिर में हुई चोरी की घटना में उसके शामिल होने का पता चला।

पूर्व विधायक का विवादित बयान, कहा- दुष्कर्म के बढ़ते मामलों के पीछे महिलाओं का पहनावा जिम्मेदार

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। काशीपुर में भाजपा के पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने विवादित बयान दिए हैं। उन्होंने दुष्कर्म की बढ़ रही घटनाओं के पीछे महिलाओं के पहनावे को जिम्मेदार ठहराया है।

काशीपुर में भाजपा के पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने विवादित बयान दिए हैं। उन्होंने दुष्कर्म की बढ़ रही घटनाओं के पीछे महिलाओं के पहनावे को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महिला व छात्राओं के प्रति बढ़ रही घृणित सोच को भारतीय संस्कृति के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के बढ़ने के पीछे कहीं न कहीं महिलाओं द्वारा पश्चिमी सभ्यता का पहनावा जिम्मेदार है। जबकि महिलाओं को हमारे देश की संस्कृति व सभ्यता के अनुरूप वस्त्र धारण करना चाहिए। साथ ही उन्होंने इसके लिए अभिभावकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, कि उन्हें अपने परिवार की महिलाओं व बालिकाओं को भारतीय

संस्कृति के मुताबिक वस्त्र धारण कराना चाहिए।

पूर्व विधायक ने स्कूल प्रबंधकों से अपील की कि वह छात्राओं की पोषाक में भारतीय संस्कृति के अनुरूप परिवर्तन लाएं। साथ ही समाज के सभी वर्गों को इस दिशा में आगे आना चाहिए, तभी इस घृणित कृत्य में कमी आ सकती है।

मिट्टी लेकर आ रहे टिप्पर ने युवक को कुचला, पैदल घर लौट रहा था मोहन; सीसीटीवी की मदद से पकड़ा गया आरोपी

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में रकसिया नाले से मिट्टी लेकर आ रहे टिप्पर ने पैदल जा रहे युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके में मौत हो गई। घटना के बाद चालक टिप्पर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने टिप्पर चालक को सीसीटीवी की मदद से पकड़ लिया।

हल्द्वानी में रकसिया नाले से मिट्टी लेकर आ रहे टिप्पर ने पैदल जा रहे युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके में मौत हो गई। घटना के बाद चालक टिप्पर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने टिप्पर चालक को सीसीटीवी की मदद से पकड़ लिया।

चांदनीचौक घुड़दौड़ा निवासी मोहन राम (37) पुत्र स्व.बहादुर राम पेशे से मजदूर था। वह अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ गांव में रहता था। शाम पांच बजे मोहन राम चावल लेकर आ रहा था। इस बीच रकसिया नाले से मिट्टी लेकर टिप्पर ग्रामीण मार्ग से बहुत तेजी से जा रहा था। हरिपुर जमन सिंह की सड़क पर टिप्पर ने मजदूर को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही एसएसआई महेंद्र प्रसाद, टीपीनगर चौकी इंचार्ज दीपक बिष्ट मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से शव को मोर्चरी भिजवाया।

चौकी इंचार्ज दीपक बिष्ट ने बताया कि सीसीटीवी की मदद से टिप्पर चालक को पकड़ लिया है। टिप्पर सीज कर दिया है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मिट्टी और उपखनिज ढोने वाले वाहन रात 12 बजे तक सड़क पर दौड़ते हैं। कहा कि गांव की सड़क मात्र 10 फुट चौड़ी है। इसी सड़क पर स्कूल भी है। कई बार अवैध उपखनिज ढोने वाले वाहन से बचने के चक्कर में स्कूली बच्चे भी चोटिल हो जाते हैं। शिकायत पर प्रशासन और परिवहन विभाग कार्रवाई नहीं करता है।

राज्य सरकार ने खनन चोरी रोकने का कार्य प्राइवेट कंपनी को सौंपा है। कंपनी कर्मचारी वाहन में लदे उपखनिज की रॉयल्टी की जांच करती है। कंपनी ने गन्ना सेंटर के पास जांच के लिए बैरियर लगाया हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि उपखनिज चोरी करने वाले वाहन स्टोन क्रशर में जाते हैं।

नशे में धुत कार ड्राइवर ने सात लावारिस जानवरों को कुचला, एक की मौत; सीसीटीवी में कैद मंजर

नैनीताल , एजेंसी। हल्द्वानी में एक युवक ने नशे में कार दौड़ाते हुए लावारिस पशुओं को टक्कर मारकर उड़ा दिया। बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में हुए हादसे में एक पशु की मौके पर मौत हो गई और छह पशु घायल हो गए।

हल्द्वानी में एक युवक ने नशे में कार दौड़ाते हुए लावारिस पशुओं को टक्कर मारकर उड़ा दिया। बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में हुए हादसे में एक पशु की मौके पर मौत हो गई और छह पशु घायल हो गए। पुलिस ने पीलीकोठी निवासी आरोपी प्रियांशु वर्मा पर नए आपराधिक कानून उतावलेपन में वाहन चलाने, लोगों की जान को खतरे में डालने और पशु क्रूरता की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पुलिस के अनुसार पीलीकोठी निवासी प्रियांशु वर्मा बुधवार रात अपने दोस्तों के संग होटल में खाना खाने निकला था। सभी दोस्तों ने रात को शराब पी और रात दो बजे पान खाने के लिए रोडवेज बस स्टेशन के पीछे आ गए। प्रियांशु पहले ऑल्टो कार में सवार था। इसके बाद दोस्त से लग्जरी ऑटोमेटिक कार टेस्ट ड्राइव के लिए मांगी। फिर प्रियांशु रेलवे बाजार से क्षत्रिय चौराहे की ओर गया। इसी दौरान उसने सड़क पर बैठे लावारिस जानवरों के झुंड को टक्कर मार दी। कार की गति इतनी तेज थी कि झुंड में बैठे पशु हवा

में उछलकर छिटक गए। घटना में एक पशु की मौके पर मौत हो गई और छह घायल हैं। रात में ही पुलिस ने पशु चिकित्सक को बुलाकर घायल गायों का इलाज कराया। घटना से आक्रोशित जोगेंद्र राणा, दीपांशु पोखरिया, सूजल चौधरी और सुरेश बिष्ट बनभूलपुरा थाना पहुंचे और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। सीओ नितिन लोहनी ने बताया कि बीएनएस की धारा 281, 125 और पशु क्रूरता एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बृहस्पतिवार को गाय को टक्कर मारने का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में कार तेज गति से आते दिख रही है। इसके बाद वह सड़क पर बैठे लावारिस गायों को टक्कर मारते दिख रही है। हादसे में कई पशु टक्कर लगते ही उछलते हुए दिख रहे हैं।

तीन दिन से हो रही बरसात से नदी-नाले उफनाए, पहाड़ों में कई मार्ग बंद; अगले दो दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट

देहरादून, एजेंसी। पहाड़ से मैदान तक लगातार हो रही वर्षा से पूरे प्रदेश में दुश्वारियां बढ़ गई हैं। पहाड़ों में भूस्खलन और बरसाती गदेरों के उफान के कारण कई प्रमुख मार्ग बंद हो गए हैं।

वहीं नदियों के रौद्र रूप धारण करने से आसपास की बस्तियों को खतरा उत्पन्न हो गया है। मैदानी शहरों में भारी वर्षा के कारण चौक-चौराहे, गली-मोहल्ले जलमग्न हो गए हैं। लामबगड़ में बरसाती नाले के उफान के कारण बदरीनाथ मार्ग अवरुद्ध है। वहीं, उत्तरकाशी में गोमुख के पास पैदल पुलिया क्षतिग्रस्त होने से दो कांवड़ यात्री बह गए। अगले दो दिन प्रदेश में मौसम के तेवर तल्ख बने रहने के आसार हैं।

चमोली में मौसम खराब। बारिश हो रही है। बदरीनाथ हाईवे पर भनेरपानी में भूस्खलन से दिक्कत है रही है। पत्थर गिरने से खतरा बना हुआ है। गंगोत्री और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग धरासू के पास सुचारु कर दिया गया है। इस स्थान पर राष्ट्रीय राजमार्ग करीब 7 घंटे अवरुद्ध रहा। जनपद में तीन संपर्क मार्ग भी अवरुद्ध हैं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरासू बैंड के पास भूस्खलन हो रहा है। भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है।

बारिश के चलते गौरीकुंड हाईवे पर संगम के समीप केदारनाथ हाईवे पर सुरंग की पहाड़ी से मलबा आने से सुरंग आवाजाही के लिए बाधित हो गई है। सुरंग के बाहिरी हिस्से पर लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में बीती रात से ही रुक-रुक कर रिमझिम बारिश का दौर जारी है। हालांकि राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य संपर्क मार्गों पर यातायात सुचारू है। बारिश से किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

मानसून की वर्षा ने उत्तराखंड में जोर पकड़ लिया है। ज्यादातर क्षेत्रों में बीते तीन दिन से रुक-रुककर भारी वर्षा का दौर जारी है। जिससे दुश्वारियां बढ़ने लगी हैं।

कुमाऊं में बारिश का कहर जारी, सड़कों पर आया मलबा; आपदा जैसे हालात

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के कुमाऊं में जगह-जगह बारिश का दौर जारी है। कुमाऊं क्षेत्र के जिलों में भारी से भारी बारिश होने के आसार हैं।

उत्तराखंड में आज सुबह से ही बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अगले चार दिन प्रदेश भर में कई दौर की तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं, कुमाऊं क्षेत्र के जिलों में भारी से भारी बारिश होने के आसार हैं।

नैनीताल जिले के हल्द्वानी और उसके आसपास के इलाके में शुक्रवार सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश के कारण जहां आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है, वहीं लगातार हुई बारिश से दोपहर तक शहर की नहर ओवरफ्लो होनी शुरू हो गई। वहीं, जगह-जगह सड़कों पर जलभराव हो गया है। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश होते ही सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेई, उपजिला अधिकारी परितोष वर्मा और तहसीलदार सचिन कुमार मौके के लिए रवाना हो गए। रकसिया नाला, कलसिया नाला, सहित दमवाढूंगा, हाइडल गेट व जल भराव वाले कई इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान लगातार हो रही बारिश की वजह से जगह-जगह पानी ओवरफ्लो होना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अभी अगले 24 घंटे मानसून का रेड अलर्ट है।

प्रशासन की ओर से लगातार नदी और नहर के किनारे रह रहे लोगों को सचेत किया जा रहा है। उधर गौला, नंधौर नदी का भी जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसे प्रशासन की टीम लगातार मॉनीटरिंग कर रही है।

वहीं, चंपावत के एनएच पर स्वांला पर फिर से मलबा आने से यातायात बाधित हो गया है। मलबा आने से करीब 250 यात्री भारी बारिश में फंस गए हैं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर टनकपुर के ककराली गेट पर चंपावत की तरफ जाने वाले वाहनों को रूक दिया है। टनकपुर एसडीएम आकाश जोशी के नेतृत्व में प्रशासन की टीम खाने के पैकेट और पानी की बोतल समेत अन्य जरूरी सामान के साथ मौके पर रवाना हो गए हैं।

पिथौरागढ़ जिले में मूसलाधार बारिश जारी है। मूसलाधार बारिश के कारण मालबा आने से जिले की 20 सड़कें बंद हैं। धारचूला तवाघाट गुंजी सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों के साथ ही कुछ पर्यटक भी फंसे हुए हैं। सड़कें बंद होने से लोगों को पैदल आवागमन करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर पहाड़ी से पत्थर गिरने का खतरा बना हुआ है। लगातार हो रही बारिश के कारण धारचूला में काली नदी का जल स्तर चेतावनी लेवल से ऊपर जा चुका है। गाड़ गधेरे भी उफान पर हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे न जाने की अपील की है। अल्मोड़ा में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिला मुख्यालय के साथ ही जिले के विभिन्न हिस्सों में झमाझम बारिश हुई।

तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार विधान सभा का चुनाव मजबूती से लड़ेंगे : लालू

पार्टी के मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं और नेताओं को हर घर तक जाने की आवश्यकता : तेजस्वी

धूमधाम से मना राजद का 28 वां स्थापना दिवस

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल का 28वाँ स्थापना दिवस पार्टी के प्रदेश कार्यालय के कपूरी सभागार में प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह की अध्यक्षता में 28वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी के विचारों को मजबूती देने में संघर्ष और आन्दोलन के साथियों का बड़ा योगदान है और पार्टी के मजबूती के लिए हमसभी को पार्टी के नीति और सिद्धांतों पर मजबूती से कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन राजद प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने की। बिहार प्रदेश राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि 28वां स्थापना दिवस समारोह का राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर राजद संसदीय दल के नेता अभय कुशवाहा ने चांदी का मुकुट तथा पार्टी का चुनाव चिन्ह लालटेन देकर राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद का स्वागत किया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को चांदी का मुकुट और बुके देकर स्वागत किया। उन्होंने यह भी बताया कि पटना में राज्य कार्यालय में पांच जिला का कार्यक्रम आयोजित किया गया जबकि पूरे राज्यभर में पार्टी के जिला मुख्यालय में स्थापना दिवस समारोहपूर्वक धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर युवा राजद एवं छात्र राजद के कार्यकर्ताओं द्वारा राजद के झंडे को सलामी दी गई। इस अवसर पर स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद ने समस्त राजद कार्यकर्ताओं को पार्टी की स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामना दी। साथ ही पार्टी के स्थापना के संबंध में बताते हुए कहा कि पार्टी का नामाकरण हमने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े के सुझाव पर राष्ट्रीय जनता दल रखा। आगे कहा कि तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार विधान सभा का चुनाव मजबूती से लड़ेंगे साथ ही कार्यकर्ताओं से पिछड़ों, अतिपिछड़ों, दलित, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के बीच जाकर काम करने तथा उनके मान-सम्मान तथा हक और अधिकार के लिए उनके बीच उनके घर तक जाने की आवश्यकता है।

राजद ने अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि 28वाँ स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामना और बधाई देते हुए कहा कि राजद कभी सत्ता में रहा, कभी विपक्ष में लेकिन कभी भी अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया और न ही साम्प्रदायिक शक्तियों को आगे बढ़ने का मौका दिया। हमारे समर्थकों और कार्यकताओं ने पूरे मनोबल के साथ अपनी विचारधारा पर चलकर पार्टी को मजबूती प्रदान की। कार्यकत्रा ही पार्टी की रीढ़ हैं और सभी के मेहनत का प्रतिफल है कि हमलोग आज बेहतर प्रदर्शन किये। जनता दल से अलग होकर कुछ लोग अपने स्वार्थ और सत्ता के लिए साम्प्रदायिक शक्तियों से समझौता किया और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया जबकि लालू प्रसाद जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने हमेशा मजबूती के साथ उन शक्तियों से लोहा लिया। पिछले लोकसभा चुनाव में हमलोग शुन्य पर थे लेकिन आज चार सीट जीते हैं, ये हमारी उपलब्धि है। अगर और मेहनत करते तो हम और बेहतर करते। 2020 के विधान सभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। अगर बेईमानी नहीं हुई होती तो आज स्थिति दूसरी होती। जातिय आधारित गणना हमलोगों का संकल्प था जिसे महागठबंधन सरकार के माध्यम से हमलोगों ने कराया। 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की लेकिन किस तरह की साजिश हुई यह सभी लोग जानते हैं। जबकि इस आरक्षण व्यवस्था को अगर केन्द्र सरकार नौवीं अनुसूची में डाल दी होती तो आज जो स्थिति बनी है वो नहीं हुई होती। तेजस्वी प्रसाद यादव ने आगे कहा कि 17 महीने के कार्यकाल में पांच लाख से उपर नौकरियां हमलोगों ने दी और तीन लाख नौकरियों को जो प्रक्रियाधीन थी उसे छोड़कर आये लेकिन डबल इंजन सरकार नौकरियों के मामले में सुस्त पड़ गई है और बहाली नहीं की जा रही है जबकि हमारी सरकार होती तो अबतक प्रक्रियाधीन नौकरी का नियुक्ति पत्र दे दिये होते। बिहार की जनता समझदार है, होशियार है और वह सब समझते हैं। आने वाले समय में बिहार की जनता उनलोगों को सबक सिखायेगी जो नौकरी और रोजगार के मामले में जुमलाबाजी और भ्रम की राजनीति करते हैं। बिहार की जनता का समर्थन और विश्वास राष्ट्रीय जनता दल के साथ मजबूत हुआ है। लालू जी देश की राजनीति के मजबूत धरोहर हैं और इन्होंने तीन-तीन प्रधानमंत्री बनाया और देशभर में समाजवादी विचारधारा और सामाजिक न्याय की धारा को मजबूती प्रदान की।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर स्थापना दिवस समारोह को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दिकी, बिहार विधान परिषद के पूर्व उप सभापति डॉ रामचन्द्र पूर्वे, राष्ट्रीय महासचिव डॉ कांति सिंह, श्याम रजक, भोला यादव, राजद संसदीय दल के नेता अभय कुशवाहा, सांसद डॉ सुरेन्द्र प्रसाद यादव, संजय यादव, पूर्व सांसद विजय कृष्ण, पूर्व मंत्री शिवचन्द्र राम, रामलखन राम रमण, विधायक सुदय यादव, रीतलाल यादव, रेखा देवी पासवान, पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव, लालदास राय, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, चितरंजन गगन, सारिका पासवान, अरूण कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा, आरजू खान, प्रदेश महासचिव बल्ली यादव, फैयाज आलम कमाल, मदन शर्मा, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, निर्भय कुमार अम्बेदकर, निराला यादव, सहित अन्य गणमान्य नेताओं ने सभा को संबोधित किया।

नवनिर्वाचित विधान पार्षद भगवान सिंह कुशवाहा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने शुक्रवार को श्रीभगवान सिंह कुशवाहा को बिहार विधान परिषद् के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। उच्च सदन में राम बली सिंह का स्थान रिक्त हो जाने के कारण हुए उप चुनाव में निर्विरोध रूप से निर्वाचित किए गए हैं। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राज्य सभा सांसद एवं जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, मुख्य सचेतक सत्तारूढ़ दल संजय कुमार सिंह, सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, विजय कुमार सिंह, पूर्व सांसद अनिल हेगड़े, पूर्व सदस्य सतीश कुमार एवं रामेश्वर महतो उपस्थित थे। शपथ ग्रहण की शुरूआत में बिहार विधान परिषद् के सचिव अखिलेश कुमार झा द्वारा निर्वाचन संबंधी अधिसूचना एवं राज्यपाल महोदय का कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह को शपथ ग्रहण कराने से संबंधित अधिकृत करने से संबंधित अधिसूचना पढ़ी गई।

सामाजिक न्याय की दुहाई देने वाली राजद एक परिवार की पार्टी बन गई : उमेश

- राजद के स्थापना दिवस पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कसा तंज

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राष्ट्रीय जनता दल का 28वां स्थापना दिवस पर तंज कसते हुए कहा कि समाजवाद के सिद्धांतों पर चलने का दावा करने वाली राजद परिवारवाद का पर्याय बन चुकी है। पिछले 28 वर्षों में राजद की पूरी राजनीति लालू परिवार के इर्द-गिर्द सिमटकर रह गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता के लोलुपता में लालू परिवार आज उस कांग्रेस के गोद में बैठी हुई है जिसने आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण को भिन्न-भिन्न यातनाएं देने का काम किया था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजद को अपने स्थापना दिवस पर सबसे पहले उन महापुरुषों से माफी मांगनी चाहिए जिनकी तस्वीरें लगाकर वो बीते कई वर्षों से बिहार की जनता को गुमराह कर रहे हैं। राजद का राजनीतिक चाल-चरित्र जेपी, लोहिया, अंबेदकर, ज्योतिबा फुले और कपूरी ठाकुर की विचारधारा से बिल्कुल विपरीत है क्योंकि राजद ने हमेशा समाज को बांटने की राजनीति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि संभवतः राजद देश की एकलौती ऐसी पार्टी है जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायालय द्वारा दोषी करार दिए गए हो। लालू परिवार के आधा दर्जन सदस्यों पर भ्रष्टाचार के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिनकी सोच परिवारहित तक सीमित हो वे कभी जनहित की चिंता नहीं कर सकते हैं। सत्ता मिलने के बाद लालू परिवार ने सरकारी खजाने को लूटकर बिहार को आर्थिक रूप से खोखला करने का काम किया। वर्ष 1990 से 2005 तक जंगलराज का काला दौर प्रदेश की जनता कभी भूल नहीं सकती है। सत्ता के संरक्षण में पल रहे अपराधियों ने बिहार के व्यापारियों एवं आमजनों को पलायन करने पर मजबूर किया था। राजद को अपने स्थापना दिवस पर जश्न मनाने के बजाए प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। राजद की झूठ एवं फरेब वाली नीति उजागर हो चुकी है, बिहार की जनता अब इनके झांसे में नहीं आएगी।

महिला सशक्तिकरण में नीतीश सरकार के कामों का मुरीद बना पूरा देश : राजीव

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि आजादी के बाद से लंबे समय तक आधी आबादी को उनका हक दिलाने के विषय में कांग्रेस और उनके साथियों ने केवल बातें बनायी, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं की उन उम्मीदों को केवल पूरा किया बल्कि आज उनके नेतृत्व में बिहार महिला सशक्तिकरण के लिए किये गये कार्यों के मामले में पुरे देश के लिए एक मिसाल बन चुका है। इस दिशा में नीतीश सरकार द्वारा किये गये कार्यों का आलम यह है कि देश के कई राज्य आज उसी रास्ते पर चल रहे हैं। नीतीश सरकार के कार्यों का ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जी के मुख्यमंत्री बनने से पहले जिस बिहार के स्कूलों में महज 12 प्रतिशत लड़कियों की उपस्थिति रहती थी वहां अब 98 प्रतिशत से अधिक बच्चियां स्कुल जाने लगी हैं। हर क्लास में लड़के-लडकियों की संख्या आज बराबर हो चुकी है. हकीकत में बिहार देश का पहला राज्य है जिसने महिलाओं को अधिक से अधिक सम्मान देकर आगे बढ़ाया है. मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्राओं को पोशाक, छात्रवृति, साईकिल योजना के तहत साईकिल एवं इंटरमीडिएट पर 25 हजार तथा ग्रेजुएशन करने पर 50 हजार दी जा रही है. हर लड़की को ग्रेजुएशन तक 1 लाख से अधिक रुपए मिलता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह नीतीश सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को समझते हुए उन्हें चुनावों में आरक्षण का अधिकार दिया। 2005 में सरकार में आने के बाद नीतीश जी ने वर्ष 2006 में महिलाओं को पंचायत चुनाव एवं वर्ष 2007 के नगर निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया. इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और आज वह पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर जनसेवा में भाग ले रही हैं।

अक्षमता के शासन की याद दिलाता है राजद का स्थापना दिवस : विजय

- बोलें- तमाम हथकंडे अपनाकर भी अगले चुनाव में हारेगा राजद
- 2025 में 25 से भी कम पर सिमटने वाला है राजद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जिस राजद की नींव ही अपराध और भ्रष्टाचार की अंधेरी रात में रखी गई हो उससे बिहार और बिहार की जनता अपने उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद कतई नहीं कर सकती। इसीलिए जब से राजद अस्तित्व में आया है तब से जितने भी चुनाव हुए हैं, इन्हें कभी जनता ने स्वीकार नहीं किया है। इस लोकसभा चुनाव में भी तमाम विभाजनकारी हथकंडे अपना कर भी 4 सीट पर सिमट कर रह गए। राज्य की जनता ने हर बार की तरह इस बार भी एनडीए के पक्ष में अपना जनादेश देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया। मुझे पूरी उम्मीद है कि आगमी विधानसभा चुनाव में भी प्रदेश की जनता एनडीए को ही गले लगाएगी। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि अपने 27 साल के सफर में राजद ने अपराधी, जालसाज, गुंडा और रंगबाज के ह्यअजगरह्ण को संरक्षित और सुरक्षित करने का काम किया है। इन लोगों ने लोकतंत्र और विकास के सारे मानकों तार-तार करते हुए बिहार को आतंक और अराजकता के मंझधार में पहुंचा दिया था। 2005 से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एनडीए की सरकार न्याय के साथ विकास के अपने संकल्प के साथ राज्य को सुशासन के रास्ते पर ले जाने में जुटी है। श्री सिन्हा ने कहा राजद जब जब अपना स्थापना दिवस मनाता है हर बिहारी को भय, भूख और भ्रष्टाचार का वह शासन याद आता है जिसे अक्षमता का शासन की संज्ञा दी गयी थी। सत्ता-पोषित अपराधियों की दादागिरी याद आती है। जातीय नरसंहार के पीड़ितों की चीख सुनाई देती है। जबरन पलायन का दंश झेलने वालों की बेबसी याद आती है। लोगों को अपना वो अपमान याद आता है, जो उन्होंने इनके शासनकाल में देश के दूसरे हिस्सों में बिहारी होने के नाम पर सहा है। श्री सिन्हा ने कहा चर्चा है कि श्रीमान लालू प्रसाद ने स्थापना दिवस के मौके राजद कार्यकताओं को गुरुमंत्र दिया है। जिस व्यक्ति का पूरा राजनीतिक जीवन हर हथकंडे को अपनाकर अपने परिवार की राजनीतिक जमींदारी को सुरक्षित करना हो वह न तो किसी का गुरु हो सकता है और न ही किसी को लाभकारी सीख दे सकता है। इसीलिए राजद में अच्छे लोग गुलाम समझे जाते हैं और घुटन महसूस करते हैं।

श्री सिन्हा ने कहा कि यदि तेजस्वी यादव भी अपने पिता के नक्शेकदम पर ही आगे बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया के बयानवीर बनकर ये बड़ी-बड़ी बातें तो करते हैं, पर जब मौका मिलता है तो अजगर की उसी फौज को पोषित करने में लग जाते हैं। बिहार की जनता अब इनकी फितरत से भलीभांति परिचित हो चुकी है। इसलिए राजद 2025 में 25 सीट से भी कम सीटों पर सिमटने जा रहा है।

पुल पुलियों के निर्माण-गुणवत्ता की न्यायिक जांच हो : राठौड़

पटना। प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि बिहार में विगत डेढ़ दशक के दौरान जितने भी पुल-पुलिया का निर्माण बिहार सरकार के निर्माण कार्यों में संलग्न विभिन्न विभागों के द्वारा करवाया गया है। उनकी गुणवत्ता की जांच के लिए सरकार को एक न्यायिक जांच आयोग का गठन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ बिहार में बारिश के आरंभ होते ही धड़ाम-धड़ाम करके पुल पुलिया गिर रहे हैं। उससे आम जनता के बीच भय तथा रोष का माहौल व्याप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि विगत डेढ़ दशक से सरकार में व्याप्त अफसरशाही के कारण निर्माण कार्यों में होने वाले अरबों के भ्रष्टाचार की कहानी फाइलों में गुम हो गई है। भ्रष्टाचार की कहानी को जनता के सम्मुख लाने के लिए एक न्यायिक जांच आयोग का गठन बेहद अनिवार्य है। जिससे आम जनता को यह पता चल जाएगा कि डेढ़ दशक के दौरान किस प्रकार निर्माण कार्यों के नाम पर भ्रष्ट अफसरों, सरकार में व्याप्त माफियाओं तथा लूट-खसोट में निपुण संवेदकों के द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई कि लूट किस कदर की गई है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारी से जुड़े बिहार सरकार के सभी विभागों में माफिया गिरी चरम पर है। उन माफियाओं को सत्ता के शीर्ष का सदैव संरक्षण हासिल रहा है।

उपेन्द्र कुशवाहा ने किया रालोमो के दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने पार्टी के दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन किया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के बिहार प्रदेश के प्रभारी अध्यक्ष मदन चौधरी तथा संचालन प्रदेश महासचिव सुभाष चंद्रवंशी ने की। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए उपेन्द्र कुशवाहा ने पार्टी के कार्यकताओं से लोकसभा चुनाव की समीक्षा के बाद प्राप्त अनुभवों का लाभ लेकर भविष्य की योजनाओं पर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान कार्यक्रम निर्धारित करते हुए इस अभियान को यथाशीघ्र शुरू किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना चाहिए। की बैठक में सभी 38 जिलों के जिला अध्यक्षों ने अपने जिले के अंतर्गत आने वाले लोकसभा क्षेत्रों में हुए चुनाव के सम्बंध में जानकारी दी। साथ ही पार्टी के सदस्यता अभियान के सम्बंध में जिला अध्यक्षों ने अनुरोध किया कि उक्त अभियान जुलाई माह के बाद शुरू किया जाए। इसके अतिरिक्त पार्टी के जिला अध्यक्षों ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों के सम्बंध में भी अपनी बात रखी। दो दिवसीय बैठक के अंत में कल प्रदेश कार्यसमिति द्वारा एक लिखित प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने बताया की इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ रणविजय सिंह, शंकर झा आजाद, अनिल सिंह, राष्ट्रीय महासचिव बैजू के इब्राहिम, रेखा गुप्ता, अखिलेश सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक, छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विराट कुशवाहा, झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष संदीप कुमार, बिहार रालोमो के मुख्यालय प्रभारी प्रशांत पंकज, प्रदेश उपाध्यक्ष अंगद कुशवाहा, प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता ब्रजेन्द्र पप्पू, राहुल कुमार, इं हेमंत, नितिन भारती, अभियान समिति अध्यक्ष सुभाष कुशवाहा, चन्दन बागची, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हिमांशु पटेल, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष स्मृति कुमुद, किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनंत गुप्ता समेत सभी जिलों के जिलाध्यक्ष एवं पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष, जिला व प्रखंड अध्यक्ष भी इस बैठक में शामिल हुए।

बिहार ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमण्डल सचिव राकेश शर्मा के नेतृत्व में नगर विकास मंत्री नितिन नवीन से उनके कार्यालय में मिला। एसोसिएशन द्वारा पटना स्थित ट्रांसपोर्ट नगर की बदहाल स्थिति के बारे में उनको अवगत कराया गया तथा समस्या के समाधान हेतु अनुरोध किया गया। मंत्री जी के साथ हुई वार्ता काफी सकारात्मक रही तथा उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर की समस्या का शीघ्र समाधान करने का आश्वाशन दिया। इससे पूर्व प्रतिनिधिमण्डल, पटना नगर निगम के आयुक्त से भी इस संदर्भ में मुलाकात कर चुका है। एम पी जैन ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल में राकेश शर्मा, अमरेश अग्रवाल, नवनीत पाराशर और रतन खीरवाल सम्मिलित थे।

नगर निगम का दावा : 2 घंटे में हो रही है जलनिकासी

पटना। पटना में रूक रूक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति उत्पपन्न हो गई है। इस बीच पटना नगर निगम का दावा है कि पटना के विभिन्न इलाकों में हुई बरसात के बाद भी न्यूनतम समय में जल निकासी कर ली गई है। गौरतलब है कि मानसून के दौरान प्रतिदिन पटना के इलाकों में बरसात हो रही है लेकिन पटना नगर निगम की त्वरित कार्यवाही एवं अलर्ट मोड में पदाधिकारियों के रहने के कारण इलाकों में जलजमाव की समस्या नहीं हो रही है। राजेंद्र नगर, मीठापुर, करबिगहिया, द्वारिकापुरी, बाईपास, दीघा, पाटलिपुत्र कॉलोनी, गाँधी मैदान सहित कई निचले इलाकों में भी एक से दो घंटों के अंतराल में जल निकासी कर दी जा रही है।

4 घण्टे एक्टिव है क्यूआरटी, शिकायत करने पर 2 घन्टे में हो रहा निष्पादन :

बरसात के बाद किसी इलाके में जलजमाव की समस्या होने पर क्यूआरटी द्वारा 2 घंटे में स्थिति को बेहतर बनाया जा रहा है। ऐसे में आम जनों से भी अपील की जा रही है कि अगर उनके इलाके में कोई भी समस्या है तो वह 155304 पर अपनी शिकायत दर्ज करें पटना नगर निगम द्वारा उनकी समस्या को कुछ घंटों में ही दूर किया जाएगा। वाट्सअप चैट हेल्पलाइन एवं क्यूआरटी 24 घंटे एक्टिव है।

संप हाउस पर लगातार रखी जा रही है नजर :

पटना नगर निगम द्वारा शहर के सभी संप हाउस पर तीनों पालियों में कर्मियों की तैनाती की गई है इसके साथ ही सीसीटीवी और वॉकी-टॉकी के माध्यम से लगातार वाटर लेवल के इनलेट एवं आउटलेट की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही पटना नगर निगम के सभी अंचलों में मशीनों द्वारा जलनिकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए भी उपलब्ध करवाई गई है।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./सिंग/2024/14, दानापुर, दिनांक : 03.07.2024

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिंगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते है : 1. कार्य का नाम एवं स्थान : एसएंडटी दानापुर मंडल के अंतर्गत सिग्नल विश्वसनीयता में सुधार के लिए BCM/TTM/FRM/ रेल प्रतिस्थापन GJ/ प्रतिस्थापन आदि के संबंधित कार्य। 2. अनुमानित लागत : ₹1,02,27,937.50, 3. बयाना राशि : ₹2,01,100/–, 4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 24.07.2024 को 15.00 बजे तक। 5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.07.2024 को 15.30 बजे तक। 6. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in. 7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है : वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर।

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता/
पूमरे/दानापुर

पीआर/00636/डीएनआर/एस एण्ड टी/टी/24–25/36

नेपाल के उपराष्ट्रपति से मिले डा अनिल सुलभ

- साहित्य सम्मेलन के शताब्दी-समारोह के लिए किया आमंत्रित

काठमाण्डू। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री और संघीय समाजवादी फोरम के अध्यक्ष उपेंद्र यादव के साथ, शुक्रवार को नेपाल के उपराष्ट्रपति महामहिम राम सहाय यादव से भेंट की और उन्हें अक्टूबर माह में प्रस्तावित साहित्य सम्मेलन के शताब्दी समारोह के लिए आमंत्रित किया। डा सुलभ ने उपराष्ट्रपति को अपनी चार पुस्तकों, हिन्दी के प्रणम्य पुरुष, प्रथम पग, प्रियंवदा तथा मै मरुथल सा चिर प्यासा की प्रतियाँ भी भेंट की। काठमांडू के उपराष्ट्रपति निवास में, लगभग बीस मिनट की इस मुलाकात में, डा सुलभ ने बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के गौरवशाली १०५ वर्षों के अवदान से उपराष्ट्रपति को अवगत कराया और नेपाल में हिन्दी के उन्नयन के संदर्भ में भी चर्चा की। डा सुलभ ने बताया कि यह भेंट भारत और नेपाल के मध्य सांस्कृतिक और साहित्यिक संबंधों के विकास की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ संपन्न हुआ। डा सुलभ के साथ नेपाल हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और नेपाली तथा हिन्दी के वरिष्ठ कवि डा राम दयाल राकेश और पटना से आए समाज-सेवी और संस्कृति-कर्मी शिवम् झा भी भेंट में सम्मिलित थे।

कृषि ऋण पर लगने वाले ब्याज के बोझ को कम करना सरकार का लक्ष्य : मंत्री

1 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना अन्तर्गत कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कृषि मंत्री मंगल पाण्डे एवं विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में कृषि भवन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य सरकार द्वारा कृषि ऋण पर 01 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना अन्तर्गत कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। कृषि विभाग की ओर से कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल, संयुक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) सुशील कुमार तथा नाबार्ड की ओर से उप महाप्रबंधक प्रकाश कुमार मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक जुबेर परिहार एवं सात्विक सत्यकाम देवता के द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह के साथ-साथ कृषि विभाग के वरीय पदाधिकारीगण भी मौजूद थे। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा कृषि ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान के अतिरिक्त राज्य स्कीम मद से 01 प्रतिशत ब्याज अनुदान देय है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों व सहकारी बैंकों से 3 लाख रुपए तक फसल ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड ऋण/ अल्पावधि कृषि उत्पादन ऋण पर 01 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान राज्य योजना मद से देने का प्रावधान किया गया है। योजना का लाभ उन्हीं किसानों को देय होगा, जो निर्धारित अवधि में ऋण का भुगतान करेंगे। कृषि मंत्री ने बताया कि इस योजना का उदेश्य किसानों को कृषि ऋण पर लगने वाले ब्याज के बोझ को कम करना है ताकि किसान उत्साहित होकर अधिक-से-अधिक संस्थागत ऋण प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के फलस्वरूप किसान आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाने के लिए बीज, उर्वरक, कीटनाशी, सिंचाई आदि में निवेश करने में सफल होंगे जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। कृषि ऋण पर 01 प्रतिशत ब्याज अनुदान के लिए 10 करोड़ रुपए स्वीकृत :

सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य सरकार द्वारा कृषि ऋण पर 01 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना के कार्यान्वयन हेतु 10 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है तथा योजना के कार्यान्वयन हेतु नाबार्ड राज्य एजेंसी नामित है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को खेती हेतु कृषि ऋण दिया जाता है।

भवन निर्माण विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना
अति अल्पकालिन ई0–कोटेशन आमंत्रण सूचना
ई0–कोटेशन आमंत्रण सूचना सं०–18/2024–25

क्र0	कार्य का नाम	ईकाई	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	कोटेशन विपत्र का मूल्य (रू0 में)	ई–कोटेशन शुल्क (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	कार्य अनुभव प्रमाण पत्र की वांछित राशि (रू0 में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
01	Proposed prefab office in the campus of special vigilance unit at D.P. Rai Path, Including Civil, Electrical, Water Supply 7 Sanitary Etc. all Complete job as per Direction of E.I. on Turnkey Basis for the year 2024-25.	1 अदद्	As per quoted	2% of quoted rate	10,000.00	As Per Website	30 Days	24.55 लाख+

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना।
2. कोटेशन आमंत्रित करने की तिथि : दिनांक–05.07.2024
3. कोटेशन कागजात प्राप्त (डाउनलोड) करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक–22.07.2024 से दिनांक–07.08.2024 को 15:00 बजे तक
4. कोटेशन जमा (अपलोड) करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक–09.08.2024 को 15:00 बजे तक
5. कोटेशन वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक–12.08.2024 को 15:30 बजे
6. कोटेशन वैधता की अवधि : 180 दिन
7. कोटेशन स्वीकृत करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता : सक्षम् पदाधिकारी

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना

PR. No. 003348 (BCD) 2024-25

लोकसभा आम निर्वाचन 2024– चुनाव का पर्व, देश का गर्व

संक्षिप्त खबरें

बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण लाखों रुपए की हुई नुकसान

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने के कारण लाखों रुपए के समान जलने से नुकसान हो गया। पीड़ित गृहस्वामी राम लाल राय ने बताया कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से स्टोर रूम में आग लगने के कारण पंखा कूलर हीटर एसी अनाज कपड़ा सहित लाखों रुपए के सामान जलकर राख हो गया। वही आग पर काबू ग्रामीणों के प्रयास से निजी पंप के द्वारा पाया गया। वहीं अंचलाधिकारी शशि रंजन कुमार ने बताया कि स्थल कर्मचारियों द्वारा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

दो जगह हुई मारपीट की घटना में चार लोग हुए जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के गोबर सिटा और भट्टी चौक पर हुई मारपीट की घटना में चार लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। सभी जख्मी को ईलाज के लिए पीएचसी कल्याणपुर में भर्ती कराया गया। वहीं जख्मी लोगों में गोबरसिटा गांव के नेहा कुमारी सुबोध यादव छोटू कुमार एवं भट्टी चौक के सागरी देवी जख्मी है। घही सभी जख्मी लोगों के प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सागरी देवी को ईलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने बताया कि जख्मी के परिजन द्वारा आवेदन देने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर रिक्शा सवार महिला से छीना 40 हजार रुपए

समस्तीपुर, नगर थाना क्षेत्र के धरमपुर में बाइक सवार दो बदमाशों के द्वारा बैंक से रुपए निकाल कर रिक्शा से घर वापस जा रही एक महिला से 40 हजार रुपयों से भरा पर्स छिनतई किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर नगर थाना क्षेत्र के धरमपुर चकबूर रोड निवासी मो. तकि इमाम की पत्नी नुरुश सबा के द्वारा शिकायत दर्ज करने को लेकर स्थानीय थाना में आवेदन दिया गया है। थाना में दिए अपने आवेदन में नुरुश सबा ने बताया है कि गुरुवार की दोपहर वह एसबीआई मेन ब्रांच से 40 हजार रुपए निकालकर उसे अपने पर्स में रखकर रिक्शा से वापस जा रही थी। इसी दौरान धरमपुर स्थित एक रेस्टोरेंट के पास बाइक सवार दो बदमाशों के द्वारा झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया गया और दोनों बदमाश पूसा की ओर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि उनके पर्स में रुपयों के अलावा उनका मोबाइल और जरूरी कागजात थे। उन्होंने पुलिस से इस पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ है। मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है, जल्द ही बदमाशों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

एमडीएम के चावल की कालाबाजारी करने का वीडियो हुआ वायरल

चौसा एमडीएम के चावल की कालाबाजारी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामला उत्क्रमित मध्य विद्यालय भिट्ठा टोला से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। बाइक पर चावल का बोरा को लोड कर विद्यालय से कालाबाजारी करने का वीडियो पिछले कई दिनों से वायरल हो रही है। बताया गया कि अरजपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय भिट्ठा टोला से बाइक सवार एक युवक का विद्यालय परिसर से चावल की बोरी को बाइक पर लोड कर कालाबाजारी का वीडियो पिछले कई दिनों से वायरल हो रही है। एमडीएम के चावल की कालाबाजारी का वीडियो वायरल होने से संबंधित जब विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीधर मंडल से जानकारी ली गई तो उन्होंने विद्यालय से एमडीएम के चावल की कालाबाजारी करने से संबंधित कोई भी जानकारी नहीं रहने की बात कही। उधर एमडीएम प्रभारी त्रिपुरारी रजक ने कहा कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय भिट्ठा टोला से एमडीएम के चावल की कालाबाजारी से संबंधित उन्हें कोई जानकारी नहीं है। मामले की जानकारी प्राप्त कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल एग्रीकल्चर में कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति उल्लेखनीय : रामनाथ ठाकुर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय डिजिटल कृषि के क्षेत्र में देश को नई राह दिखा रहा है। हाल ही में इस विश्वविद्यालय नई आईआईआरएफ रैंकिंग में 7वां रैंक हासिल कर अपनी सफलता का परचम लहराया है।ये बातें केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहीं।वे आज विश्वविद्यालय में आयोजित अपने सम्मान समारोह में बोल रहे थे। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने कुलपति डॉ पी एस पांडेय के नेतृत्व में तेजी से प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इसे पिछले डेढ़ साल में बारह पेटेंट और एक जीओ टैग हासिल हुआ है, यह भी एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 150 से अधिक छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा नेट में सफलता पाई है और कई ने अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 2047 तक देश को विकसित बनाने के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए लगातार सक्रिय है। नमो दीदी को भी ड्रोन ट्रेनिंग दी गई है और ड्रोन रिपेयरिंग का भी कोर्स शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में विश्वविद्यालय देश को नई राह दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि वे विश्वविद्यालय और वैज्ञानिकों को हर प्रकार की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे ,जिससे कि वे समर्पित होकर किसानों के लिए कार्य करें। उन्होंने कुलपति से आग्रह किया कि वे किसानों के हित में कार्य करें और नकली खाद बीज को लेकर भी प्रयास करें जिससे कि किसानों को किसी तरह की समस्या न हो। उन्होंने विश्वविद्यालय से फिल्ड डेमोंस्ट्रेशन भी बढ़ाने की आग्रह किया। कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने श्री ठाकुर का स्वागत किया और कहा कि यह हर्ष का विषय है कि इसी जिले के नेता राज्यमंत्री बनाये गये है। इससे यहां के लोगों के विकास में फायदा होगा। उन्होंने मंत्री से विश्वविद्यालय में वेटनरी कालेज और दो एग्रीकल्चर कॉलेज बनाने की मांग की । इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में छात्रावास की समस्या तथा एक बड़ा आडिटोरियम के लिए भी आग्रह किया। निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह ने समारोह में विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी और स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम से पहले श्री रामनाथ ठाकुर ने विश्वविद्यालय के बायो डायवर्सिटी पार्क में पौधारोपण किया । कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में भारत रत्न कपूर्री ठाकुर के नाम पर किसान घर का नाम जननायक कपूर्री ठाकुर के नाम पर रखा जाएगा और उनकी मूर्ति भी लगाई जायेगी । कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एम एस कुंडू ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डा मृत्युंजय कुमार,निदेशक शिक्षा डा उमाकांत बेहरा, निदेशक छात्र कल्याण डॉ रमण त्रिवेदी, डीन पीजीसीए डॉ मयंक राय, डीन बेसिक साइंस डॉ अमरेश चंद्रा डीन फिशरीज डॉ पी पी श्रीवास्तव, डॉ नीलांजय, डॉ महेश कुमार सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न वैज्ञानिक शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

15 वां 'अयोध्या प्रसाद खत्री स्मृति-सम्मान' नवीन जोशी को

ब्रह्मानन्द ठाकुर /प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । इस वर्ष का 15वां अयोध्या प्रसाद खत्री स्मृति-सम्मान नवीन जोशी के नये उपन्यास देवभूमि डेवलपर्स को देने का निर्णय किया गया है।यह उपन्यास विकास के नाम पर जल, जंगल, जमीन पर कॉपोरेट्स द्वारा नेताओं, ठेकेदारों और दलालों से साठ-गाँठ कर उत्तराखंड की भूमि पर कब्जा जमाने की कहानी कहता है, साथ ही उसके प्रतिरोध में उठने वाले जन-आंदोलनों और संगठनों के अंतर्विरोधों को सामने लाता है। यह उपन्यास एक नये राज्य के स्वप्न और उसके यथार्थ के बीच के अंतर्विरोधों को प्रभावशाली ढंग से उजागर करता है। जन-आंदोलनों को चित्रित करने वाले उपन्यासों का शिल्प कैसा हो, उसका भी एक सफल उदाहरण पेश करता है। इस कृति का चयन प्रो. वीर भारत तलवार ने किया है। पत्रकारिता करते हुए नवीन जोशी ने चिपको आन्दोलन के भटकाव पर आधारित अपना पहला उपन्यास ह्यदावानलह्ल लिखा, जब वे पटना में हिन्दुस्तान अखबार के संपादक थे। उनकी अन्य कृतियों में ह्यटिकटशुदा रुक्काह्ल, ह्यबाघैनह्ल, ह्यअपने मोर्चे परह्ल, ह्यराजधानी की शिकार कथाह्ल, ह्ययेचिराग जल रहे हैंह्ल, ह्यलखनऊ का उत्तराखंडह्ल प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के एक गाँव गणाई-गंगोली में 1955 में जन्में नवीन जोशी की शिक्षा लखनऊ में हुई और फिर पूरा जीवन देश के प्रमुख अखबारों में पत्रकारिता करते हुए अपने कलम की धार तेज की। जो बड़ी खबर अखबार की छोटी खबर बन गुम हो जाती रही, वहीं से उनकी कहानी या उपन्यास शुरू होते। उत्तराखंड के पहाड़ उनके भीतर रचा बसा है। इसलिए वहाँ के पहाड़, स्थानीय लोगों के सिकुड़ते अधिकार, आंदोलन, विस्थापन और भुतहा दिखता गाँव उनकी रचनाओं के विषय रहे हैं। नवीन जोशी को यह सम्मान नवंबर माह में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया जायेगा।

एआईडीएसओ ने की एनटीए को समाप्त करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नीट ,यूजी एवं यूजीसी -नेट परीक्षा में धांधली एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ तथा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को तत्काल समाप्त करने की मांग पर एआईडीएसओ द्वारा अखिल भारतीय प्रतिवाद दिवस मनाया गया । इस अवसर पर एल एस कॉलेज गेट पर सभा किया गया।सभा को संबोधित करते हुए एआईडीएसओ मुजफ्फरपुर जिला अध्यक्ष शिव कुमार ने कहा कि पहले नीट, फिर नेट। दो सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और व्यापक भ्रष्टाचार फैला हुआ है, जिसके लिए लाखों छात्र और अभ्यर्थी अपने युवावस्था के महीनों, यहां तक कि कई साल खर्च करते हैं। सबसे ऊपर, एनटीए की पूरी तरह से गैर जिम्मेदाराना रवैया, अक्षमता, और पारदर्शिता की कमी लाखों शोध और शिक्षण अभ्यर्थियों की उम्मीदों और भविष्य को खतरे में डालती है, जो बदले में पूरे शिक्षा और शोध प्रणाली को अत्यधिक अनिश्चितता के कगार पर धकेल देती है। वर्तमान माहौल में जहां व्यवसायीकरण, अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, एनटीए द्वारा तैयार की गई केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली भ्रष्टाचार के समाधान के बजाय इसके एकाधिकार की ओर ले जाती है। न केवल नीट और नेट, बल्कि एनटीए द्वारा सीयूईटी यूजी, पीजी परीक्षा का संचालन भी अत्यधिक अव्यवस्थित रहा है और कई सामान्य छात्रों को इस कुप्रबंधन के कारण पीड़ा उठानी पड़ी है। लगातार असफलताएं स्पष्ट रूप से इंगित करती हैं कि यदि हम आपदा को बढ़ने से रोकना चाहते हैं, तो छात्रों के संकट से लाभ कमाने और निरंकुश केंद्रीकृत नियंत्रण की नीति को समाप्त करना आवश्यक है। इसका पहला कदम एनटीए को समाप्त करना और विभिन्न परीक्षाओं के संचालन की जिम्मेदारी संबंधित सरकारी निकायों को वापस सौंपना होगा। इसके अलावा, नीट और नेट घोटालों की निष्पक्ष और ठोस जांच युद्ध स्तर पर करना और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार पूरी मशीनरी को खत्म करना अनिवार्य है। हमें उल्लेख करना चाहिए कि पर्याप्त शिक्षकों और बुनियादी ढांचे के साथ सरकारी शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करना, और शक्तिशाली कोचिंग उद्योगों और उनके संभावित सत्ता के गलियारों के साथ संबंधों को नियंत्रित करना ही समस्या को रोकने का एकमात्र तरीका है। हम मानते हैं कि नीट योग्य छात्रों की काउंसलिंग तब तक रोक दी जानी चाहिए जब तक कि सभी आरोपों की जांच पूरी नहीं हो जाती। सभा को जिला कमिटी सदस्य संतोष कुमार, दीपमाला, मोहम्मद साहिल, चंदन कुमार, सौरभ सावर्ण,नितेश कुमार आदि ने सम्बोधित किया।

एनडीए सरकार मे सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर हो रहा क्षेत्र में विकास कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी विधायक अरुण शंकर प्रसाद के द्वारा जयनगर शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर दो में पीसीसी सड़क और देवधा दक्षिणी में सामुदायिक भवन एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय इनरवा में चार दिवारी का किया गया उद्घाटन। विधायक के द्वारा जयनगर क्षेत्र में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत खजौली विधान सभा क्षेत्र के स्थानीय विधायक अरुण शंकर प्रसाद के द्वारा दो पीसीसी सड़को का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत जयनगर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड दो में ओम प्रकाश नायक के घर से विजय नायक के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का विधायक अरुण शंकर प्रसाद एवं मुख्य अतिथि मुख्यपार्षद कैलाश पासवान समेत अन्य अतिथियों समेत भाजपा कार्यकताओं के द्वारा संयुक्त से फीता काटकर सड़क का उद्घाटन किया गया। वही प्रखण्ड क्षेत्र के देवधा दक्षिणी पंचायत के वार्ड नंबर आठ इनरवा मुरहदी सामुदायिक भवन का जिर्णोद्धार किया गया। जयनगर प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय इनरवा में चार दिवारी का उद्घाटन विधायक अरुण शंकर प्रसाद समेत पंचायत के अन्य अतिथियों और गणमान्य लोग सहित भाजपा कार्यकताओं ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक एवं जनप्रतिनिधियों संग गणमान्य लोंगो और भाजपा कार्यकताओं को पाग दोपट्टा फूल माला पहनाकर स्वगात कर सम्मानित किया गया। विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि खजौली विधान सभा क्षेत्र में अभियान के तहत लगातार विकास कार्यों को किया जा रहा हैं । इसी विकास कार्य के क्रम मे यह भी सड़के शामिल है जिसका आज उद्घाटन किया गया हैं। क्षेत्र में कई अन्य सड़क निर्माण कार्य और अन्य विकास कार्यों को किया जा रहा हैं जो आगे भी निरन्तर जारी रहेगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि उद्धव कुंवर, भाजपा नगर अध्यक्ष सुरज गुप्ता, भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष राज कुमार साह, विधायक प्रतिनिधि हरिश्चंद्र शर्मा, मनोज पासवान, गोपाल सिंह,, पंकज राठौड़, धर्मेन्द्र भारद्धाज उर्फ बौआ झा, सोनी चौधरी, रमेश चंद्र झा, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अनिल महतो, वार्ड पार्षद हनुमान मोर , ओम प्रकाश नायक ,अरूण पासवान समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य लोग समेत कई जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शराब पीने के आरोप में उत्पाद विभाग के कार्रवाई से नाराज लोगों ने किया सड़क जाम

● लोगों के ऊपर लाठियां भांजने और गाली-गलौज करने का आरोप

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मोहनपुर रोड नक्कू स्थान के पास गुरुवार की देर शाम उत्पाद विभाग की कार्रवाई के विरोध में स्थानीय लोगों ने समस्तीपुर-मुसरीघरारी मुख्य पथ को जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने इस दौरान सड़क के दोनों लेन पर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। लोको का कहना था कि उत्पाद विभाग की टीम ने शिव मंदिर के पास एक चाय दुकान पर बैठे साइकिल दुकानदार को शराब पीने के आरोप में पकड़ लिया। वही इस दौरान स्थानीय लोगों के द्वारा पूछने पर उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा लाठी चटकाए जाने और गाली-गलौज करने का भी आरोप है। बताया गया कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रहने वाले एक साइकिल दुकानदार मोहनपुर रोड स्थित अपनी साइकिल दुकान को बंद कर चाय दुकान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान पहुंची उत्पाद विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने जब इसका कारण पूछा और विरोध किया तो उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा वहां पर लोगों के साथ गाली-गलौज करते हुए उनके ऊपर लाठी भांजी गई। स्थानीय लोगों के अनुसार इसमें कई लोग चोटिल हो गए। इससे आक्रोशित होकर लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वहीं सूचना पर दलबल के साथ पहुंची मुफ्फसिल थानाध्यक्ष के द्वारा आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया जा रहा था। वहीं इस संबंध में मद्य निषेध एवं उत्पाद अधीक्षक शैलेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा शराब पीने के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि उत्पाद विभाग की टीम पर लोगों के साथ गाली-गलौज व मारपीट करने का आरोप निराधार है।

जिलाधिकारी ने परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कक्ष में जिले भर से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए सबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादन का निदेश दिया है।बताते चलें कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 110 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे।इसी क्रम में अरेर प्रखंड के निवासी भारती झा ने मौजा बीरेंद्र झा के सभी भाइयों के सहमति के बिना मुआवजा देने पर रोक लगाने से संबंधित शिकायत की ।रहिका प्रखंड के सुमन झा द्वारा वार्ड न 10 की रास्ता को अनावश्यक क्रियाकलापों के द्वारा बाधित रास्ता को अतिक्रमण मुक्त करने से संबंधित शिकायत की गयी । रहिका निवासी मोहम्मद अफजाल अहमद ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण के नाम पर निजी जमीन की अधिग्रहण रोकने से संबंधित शिकायत की गयी । राज नगर के निवासी राम साहू ने अपने दोनों भाई गुलशन साहू और मोहन साहू द्वारा प्रतिदिन जमीन और मकान के लिए मारपीट करने की शिकायत किया है। प्रखंड खजौली निवासी कामिनी सिन्हा राशन कार्ड रद्द हो जाने के कारण और खाने पीने की सुविधा को लेकर शिकायत की है।

डीएम, एसएसपी ने किया कांवरिया पथ का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने श्रावणी मेला के अवसर पर भीड़ प्रबंधन, टैजफिक व्यवस्था, ठहराव स्थल पर गुणवतापूर्ण सुविधा उपलब्ध कराने तथा विधि-व्यवस्था संधारण हेतु वैशाली मुजफ्फरपुर सीमा के फकुली चैक से बाबा गरीबनाथ मंदिर तक कांवरिया पथ का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालु भक्तों की सुविधा हेतु सभी आवश्यक एवं गुणवतापूर्ण व्यवस्था ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने फकुली मोड़, भूप नारायण सिंह सिया निरंजन इंटर महाविद्यालय चन्द्रहट्टी कमतौल, अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय नरसिंहनगर तुर्की, सकरी मोड़, रामदयालु सिंह महाविद्यालय, हरिसभा चैक, जिला स्कूल, द्वारका नाथ हाई स्कूल तथा बाबा गरीब नाथ मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया तथा कांवरिया पथ पर श्रद्धालु भक्तों के निर्वाध मुवमेंट बनाये रखने तथा भीड़ प्रबंधन हेतु आवश्यकतानुसार ट्रॉली, ड्रॉप गेट, बैरिकेडिंग लगाने, नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, सी.सी. टीवी अधिष्ठापित करने के अतिरिक्त मेडिकल कैम्प लगाने, ठहराव स्थल पर पानी, बिजली, शौचालय की गुणवतापूर्ण व्यवस्था करने आदि का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ठहराव स्थल पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए तथा शौचालय का प्रतिदिन नियमित रूप से साफ-सफाई किया जाए। उन्होंने कहा कि पानी के लिए न केबल नल की व्यवस्था हो बल्कि नल से निरंतर जल आपूर्ति रखने तथा जल की गुणवता भी कायम रहे। साथ ही ठहराव स्थल पर निर्वाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा विद्युत पोल एवं तार की अद्यतन भौतिक स्थिति का निरीक्षण करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता विद्युत को दिया। जिलाधिकारी ने कांवरिया पथ पर जगह-जगह मेडिकल कैम्प स्थापित करने तथा उसमें डॉक्टर एवं आवश्यक दवा के साथ पारा मेडिकल स्टॉफ की तैनाती कर सिविल सर्जन को नियमित रूप से निरीक्षण एवं निगरानी कर डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुढ़नी सहित अन्य पी.एच.सी. को खुले रखने तथा डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विदित हो कि 22 जुलाई से श्रावणी मेला प्रारंभ होगा, जिसका विधिवत उद्घाटन स्थानीय द्वारका नाथ हाई स्कूल के प्रांगण में 21 जुलाई को किया जाएगा।

जल्द मिलेगी महुआ शहर को जाम से मुक्ति : डॉ.मुकेश रौशन

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। महुआ विधायक डा मुकेश रौशन ने महुआ शहर के बाहर से गुजरने वाले निमार्णाधीन महुआ बाइपास का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। महुआ विधायक डॉ मुकेश रौशन ने निरीक्षण के दौरान अधिकारीयों को बाइपास के निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने बाइपास में पड़ने वाले पुलिया का भी निरक्षण कर इस बायपास का निर्माण यथाशीघ्र संपन्न करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि इस बाइपास के निर्माण के लिए सदन में मैने आवाज उठाई तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाधान यात्रा में शामिल तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी के समक्ष मैंने आग्रह किया तत्पश्चात तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के निर्देश पर 60 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क के निर्माण कि स्वीकृति कारवाई।लगातार मेरे प्रयास के बाद अब बाइपास का निर्माण प्रगति पर है। यह बाइपास के निर्माण के बाद महुआ शहर को जाम से मुक्ति मिलेगी। अनावश्यक शहर में गाड़ी की भीड़ घटेगी तथा गाड़ी बाइपास का प्रयोग कर आराम से कम समय से अपने गंतव्य की ओर जा सकेगी। उन्होंने इसके बाद महुआ विधानसभा क्षेत्र में चल रही अन्य विकास कार्यों की समीक्षा भी किया तथा कार्यो को समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया।इस दौरान संजय पासवान रमाशंकर यादव श्रीकांत यादव सुबोध कुशवाहा संजय राय मोहम्मद सरफराज एजाज रण विजय कुमार विशाल गौरव अनिल कुमार बबलू राय चंदन कुमार मुकेश यादव प्रमोद कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतबंध लेखन में बहुविषयक व बहुभाषिक प्रवृत्ति अपनायें : प्रो चन्द्रभानु

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मैथिली विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. दमन कुमार झा की अध्यक्षता में मतबंध निर्माण प्रक्रिया पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि हिन्दी के वरीय प्राचार्य सह- मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो चन्द्रभानु प्रसाद सिंह ने चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र- छात्राओं एवं शोधर्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतबंध एवं शोध-प्रबन्ध की बारीकियों को समझना शोध की पहली कसौटी है , क्योंकि दोनों की संरचना अलग अलग है। मतबंध लघु शोध है वहीं शोध प्रबंध अपनी संरचना और कलेवर में शोध की विस्तृत परिधि को समेटता है। शोध अतीत और वर्तमान के मध्य निरंतर संवाद है, मतबंध में सर्जनात्मक ज्ञान का विकास होता है। भाषा एवं साहित्य के छात्रों का मतबंध विषय कृति विषेयक होना चाहिए। रचनाओं के चयन में शोध के मापदंडों के साथ- साथ साहित्य और समाज के अंतरसंबंध को समझते हुए विषय का समाजशास्त्रीय अध्ययन दृष्टि से अध्ययन व लेखन कार्य संपादित करना चाहिए। आवश्यकता है कि छात्र बहुविषयक एवं बहुभाषिक प्रवृत्ति को अपनाकर पाठ अथवा कृति को व्यापक संदर्भ में देखें, तभी सही मायने में उसे शोध के रूप में मान्यता मिलेगी। अध्यक्षीय सम्बोधन में विभागाध्यक्ष प्रो. झा ने कार्यशाला को अपने स्वरूप और उदेश्य में अनूठा बताते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं में शोध के महत्व और शोध दृष्टि के विकास हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मैथिली विभाग के वरीय शिक्षक प्रो अशोक कुमार मेहता ने विषय पर विचार करते हुए कहा कि पहले की तुलना में आजकल मतबंध लिखने की परिपाटी और संरचना में काफी बदलाव हुआ जो आवश्यक भी है और बदलते समय की मांग भी। भाषा अध्ययन में शोध की प्रवृत्ति व दृष्टि की नवीनता शोध की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए जरूरी है। ध्यातव्य हो, कार्यशाला के दूसरे दिन मतबंध निर्माण की तकनीकि पक्ष पर चर्चा होगी। शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला के पहले दिन प्रो भीमनाथ झा की पुस्तक नाममात्र प्रो चंद्रभानु प्रसाद सिंह को सम्मान स्वरूप भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुरेश पासवान व धन्यवाद ज्ञापन डॉ अभिलाषा कुमारी ने किया। कार्यशाला में डॉ सुनीता कुमारी, भाग्यनारायण झा, निरेन्द्र कुमार, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का प्रतीक हैं राजद स्थापना दिवस : राकेश नायक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।राजद के 28वें स्थापना दिवस राजद के जिला अध्यक्ष उदय शंकर यादव की अध्यक्षता में नगरभवन दरभंगा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महानगर युवा राजद के जिलाध्यक्ष राकेश नायक ने संविधान लोकतंत्र लोहिया कपूर्री लालू के विचारों के प्रतीक का दिन बताया हैं।श्री नायक ने स्थापना दिवस पर शहर एवं सभी राजद कार्यकताओं को बधाई देते हुए भाजपा सरकार के जनविरोधी फैसलों जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु संकल्प करने की अपील किया। नायक ने कहा कि नायडू नीतीश की वैशाखी पर टिकी यह सरकार कुछ महीने की मेहमान हैं। यह तय हो चुका हैं कि केंद्र की सरकार पांच साल नहीं चलेगी। नीतीश कुमार 2024 में या 2025 में विधानसभा चुनाव करायें , सूबे में आरजेडी ही सरकार बनाएगी। आगामी 15 अगस्त के बाद सबों के चहेते नेता तेजस्वी यादव पूरे बिहार की यात्रा पर निकलेंगे। हर विधानसभा में जाकर समीक्षा करेंगे। हम राजद के सिपाही अपने नेता तेजस्वी यादव के युवा प्रखर सोंच को जन जन तक पहुंचाने की तैयारी में जुट गए हैं। कार्यक्रम में शत्रुघ्न प्रसाद यादव ऊर्फ नारद जी सहित राजद के दर्जनों नेता ने सम्बोधित किया व स्थापना दिवस का केक काटा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 06 जुलाई, 2024

संक्षिप्त खबरें

गृह रक्षक 19-23 जूलाई तक काला बिल्ला लगाकर करेंगे ड्यूटी, 10 जूलाई को होगी बैठकः जिला सचिव

जमुई [झाझा] मूलभूत 21 सूत्री मांगों को लेकर जल्द बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ की ओर से आगामी 10 जुलाई को जमुई मुख्यालय स्थित श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम में एक बैठक आयोजित किया जाएगा। उक्त बात की जानकारी संघ के जमुई जिला सचिव सुरेंद्र कुमार यादव ने देते हुए बताया कि मूलभूत 21 सूत्री समस्याओं के निदान हेतु संघ के राष्ट्रीय महासंघ के आह्वान पर गृह रक्षकों की विभिन्न मांग शामिल है। जिसमें सेवानिवृत की राशि में बढ़ोतरी कर पांच लाख करने, प्रत्येक वर्ष वर्दी भत्ता देने, समान काम का समान वेतन देने की मांग आदि शामिल है। बैठक में गृह रक्षकों के सभी समस्याओं पर विचार विमर्श कर आगे की रणनीति बनाया जाएगा। जिला सचिव ने आगे बताया कि समस्याओं के निदान हेतु बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ आगामी 19-23 जूलाई तक काला बिल्ला लगाकर अपने कार्य करेंगे ताकि हमलोगों की जो भी मांग है उसे पूरा किया जाए।

बाइक सवार बदमाशों ने कार सवार पर अंधाधुन गोलियां चलाई, बाल बाल बचे कार सवार

गोलीकांड की घटना में एक आरोपी को कुमारखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

- गोलीकांड की फॉरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंचकर की जांच

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना क्षेत्र के इसराइन कला पंचायत स्थित जोराबर गंज मरिया नदी मोड़ के समीप दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने चलते हुए कार पर लोहे की रड से वार कर आगे का शीशा को क्षतिग्रस्त कर अंधाधुन पांच राउंड गोली चलाई । इस घटना में चालक सह वाहन मालिक बाल बाल बचे। कार चालक कार के दूसरे गेट खोलकर जान बचाकर हल्ला करते हुए गांव की ओर भाग निकले। जिससे कार चालक सह मालिक की जान बच पाई। तत्काल घटना की सूचना कुमारखंड थाना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष संजीव कुमार पुलिस फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर घटना स्थल से तीन खोखा बरामद कर क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर थाना लाया। जोराबरगंज निवासी कार चालक सह मालिक सुमन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को देर रात इसराइन कला स्थित भोला चौक पर निजी काम से गए हुए थे। घर वापस लौटने के दौरान जैसे ही मरिया नदी मोड़ के समीप पहुंचा कि दो बाइक पर सवार चार बदमाश पहले से घात लगाए वहां पर मौजूद थे। उनके कार लेकर वहां पहुंचते ही उन बदमाशों ने एकाएक लोहे की रड से शीशा पर वार कर कार को क्षतिग्रस्त कर अंधाधुन गोली चलाने लगा। उन्होंने बताया कि कार का दूसरा गेट खोलकर जान बचाकर गांव की ओर हल्ला करते हुए भागे। तब जाकर किसी तरह उनकी जान बच सकी। पीड़ित सुमन कुमार ने बताया कि पूर्व से जमीनी विवाद दियाद से चल रहा है। वे सामाजिक कार्य से जुड़े हुए हैं। उधर, घटना की जांच ले लिए शुक्रवार को फोरेंसिक टीम के वैज्ञानिक पवन प्रजापति और कुमारखंड थानाध्यक्ष संजीव कुमार पुलिस फोर्स के साथ कार पर लगे गोली की और घटना स्थल पर पहुंच कर बारीकी से जांच की। फॉरेंसिक जांच टीम ने पीड़ित सुमन कुमार से पूछताछ किया। फॉरेंसिक टीम के वैज्ञानिक पवन प्रजापति ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंच कर जांच की गई है। जांच रिपोर्ट जिले के वरीय पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मामले में पीड़ित के आवेदन पर केस दर्ज कर एक आरोपी नागो यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और अन्य आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की अनिश्चितकालीन जांच नहीं चलेगी, अब 90 दिनों में पूरी करनी होगी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। 1 जुलाई से लागू हुए नए आपराधिक कानून से प्रकरणों के शीघ्र निराकरण में अब अधिक तेजी आएगी। पहले जहां पुलिस के लिए अग्रिम विवेचना के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं थी। अब यदि किसी मामले में पुलिस चालान पेश कर देती है और अग्रिम विवेचना करना चाहती है तो उसे न्यायालय से अनुमति लेकर अधिकतम 90 दिन के भीतर जांच पूरी करनी होगी। यदि इसमें भी जांच पूरी नहीं हो पाती तो फिर से न्यायालय से अनुमति लेनी होगी पहले की व्यवस्था में जांच पूरी करने की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई थी। नई व्यवस्था में पुलिस जब किसी केस में आरोप पत्र पेश करेगी तो मजिस्ट्रेट कोर्ट 90 दिन के भीतर चालान कमिट करना होगा,ताकि सेशन कोर्ट में ट्रायल शुरू हो सके। पहले चालान समिट करने की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। नई व्यवस्था में चेन स्नेचिंग के अपराध को भारतीय न्याय संहिता की धारा 304 में परिभाषित किया गया है। इसमें अधिकतम 3 साल तक की सजा का प्रावधान है। जघन्य प्रकरण जैसे संगठित अपराध, आतंकवाद, पोक्सो से जुड़े मामले में आरोपियों को न्यायालय में हथकड़ी लगाकर कोर्ट में पेश किया जा सकेगा। पहले कटघरे में हथकड़ी लगाकर खड़े करने का प्रावधान नहीं था। नए बदलाव में फरार आरोपी के खिलाफ भी ट्रायल चल सकेगी। उसकी अनुपस्थिति में विधिक सेवा से वकील पैरवी करेगा। यदि कोर्ट उसे दोषी ठहराता है तो उसे आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए उसे अनिवार्य रूप से सरेंडर (समर्पण) करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वह सजा को चुनौती नहीं दे पाएगा।

मगही को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए मगध मिशन चलाएगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई /गिद्धौर मगही भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए मगध मिशन के संस्थापक जमुई निवासी मिथलेश यदुवंशी के नेतृत्व में बिहार एवं झारखण्ड सरकार व केंद्र सरकार को लिखित आवेदन भेजकर इस भाषा को शामिल करने की मांग करेंगे । मगही भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर बिहार और झारखण्ड प्रदेश मे मगध मिशन के तहत एक मुहिम चलाया जायेगा और इस मुहिम के तहत मगही भाषा को बोलने वाले लोगों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जायेगा ताकि इस भाषा को शामिल कराने को लेकर चलाये जाने वाले मुहिम को ताकत मिले.मगध मिशन के संस्थापक मिथलेश यदुवंशी ने बताया कि मगही भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर सरकार से भाषाओ से संबंधित अपना मांग करेंगे, मिथलेश यदुवंशी ने कहा कि मगही भाषा भारत के मध्य पूर्व में बोली जाने वाली एक प्रमुख भाषा है मगही भाषा से ही,भोजपुरी ,मैथिली ,अंगिका, वज्जिका ,खोरठा , भाषा को निकाला गया है, क्योंकि मगही भाषा दुनियां की सबसे मीठी और मधुर भाषा है, देश दुनिया में इस मगही भाषा को लगभग 30 मिलियन से अधिक लोग बोलते हैं मगही भाषा को मान्यता मिल जाने से बिहार एवं झारखंड प्रदेश के मगही भाषी गायक कलाकारों को काफी फायदा होगा और यहां के होनहार प्रतिभाओं को निखरने का अवसर प्राप्त होगा. बताते चलें मिथलेश यदुवंशी ने ये भी बताया कि मगध मिशन के तहत जल्द ही देश के तमाम मगही भाषी गायक व कलाकारों को एकत्रित कर मजबूती के साथ सरकार से अपनी मांग रखेंगे. अब तक आठवीं अनुसूचि मे कुल 22 भाषाएँ शामिल है जिसमे असमिया, बांगला,गुजराती, हिंदी, कन्नड़,कश्मीरी, कोंकनी,मलयालम, मनीपुरी, मराठी,नेपाली, उड़िया, पंजाबी,संस्कृत, तमिल,सिंधी,तेलगु, उर्दू, बोडो,संथाली, मैथिलि और डोगरी भाषा शामिल है। मगही भाषा को लेकर मगध मिशन के सदस्य गीतकार अमन अलबेला, सुनील कुमार, मुरारी कुमार, गौरी, सचिन, आदित्य शशि, धर्मेंद्र,मिथिलेश यादव, दिलीप, मनोज कुमार, रंजन कुमार,छोटू, व अन्य मगध भाषियों ने इस भाषा को आठवीं अनुसूची मे शामिल कराने के लिए इक्षा जाहिर किया।

पुरानी रंजिश में एक युवक के साथ कि गई मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] पुरानी रंजिश को लेकर थानाक्षेत्र के खैरन गांव में घर से राशन लाने के लिए दुकान जा रहे एक युवक के साथ गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा रास्ता रोकते हुए मारपीट किया गया। घायल युवक को उसके परिजनों के द्वारा इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा घायल युवक का इलाज किया गया। घायल युवक की पहचान राहुल कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक ने बताया कि राशन लेने के लिए दुकान जा रहा था कि चंद्रदेव यादव का बेटा एवं अन्य दो-तीन लोग आया और रास्ता रोकर मेरे साथ मारपीट करने लगा जिसके बाद मै किसी तरह उनलोगों के चंगुल से बचकर भाग निकला। घायल युवक ने बताया कि कुछ दिन दूसरे की लड़ाई में पुलिस उसके घर पर पहुंचा था और घर पर लगी बाइक के बारे में पूछा जिसपर बाइक मालिक का नाम बता दिया तो इसी बात की रंजिश रखते हुए मेरे साथ मारपीट किया गया।

गिद्धौर दुर्गा मंदिर के सामने पुल पर बारिश से पानी भरा, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में भले ही सड़क का निर्माण हुआ हो लेकिन गिद्धौर में प्रवेश करने से पहले गड्ढों व उखड़े पुल से राहगीरों को सामना करना होगा। इस जर्जर पुल की मरम्मत के नाम पर भले ही खानापूर्ति जिम्मेदार विभाग द्वारा की गई हो। लेकिन वर्तमान में पुल की जो स्थिति है,उससे कभी भी बड़ी सड़क दुर्घटना हो सकती है ।दो दिन से हो रही बारिश से पुल पर पानी भर गया। बीती रात हुई बारिश से पुल पर पानी भर हुआ है। इसका प्रमुख कारण पुल पर बनाए गए छोटे-छोटे छेद कीचड़ व मिट्टी से बंद हो गए हैं, जिसके कारण पानी भर गया है। वहीं जिम्मेदार विभाग व प्रशासन के आला अधिकारी के अलावे जनप्रतिनिधि भी इस मार्ग से होकर गुजरते हैं लेकिन उन्हें पुल की यह दुर्दशा दिखाई नहीं देती और न ही कोई इस पुल की मरम्मत कराने पर ध्यान दे रहा है ।अधिकारियों की लापरवाही के कारण ही पुल की स्थिति बेहाल है ।अगर पुल की नए सिरे से पूरी मरम्मत करवा दी जाए तो राहगीरों को भी काफी राहत मिलेगी। साथ है जिस प्रकार से बिहार में लगातार पुल गिरने की घटना सामने आ रही है इसका मुख्य कारण पुल का सही रखरखाव भी है। सरकार के द्वारा सही रखरखाव नहीं होने के कारण पानी के जमाव से पुल धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होते चली जाती है। विभाग को है घटना का इंतजार वहीं जिम्मेदार विभाग को इस पुल पर किसी बड़ी घटना का इंतजार है, जिसके बाद ही इस पुल की मरम्मती की जाएगी। पुल की मरम्मती करने में आखिर क्यों शासन व प्रशासन ढिलाई बरत रही हैं,यह समझ से परे है ।वही पुल पे जगह-जगह गड्ढे किसी खतरे से कम नहीं। इस पुल पर कांक्रीट उखडने.से पुल पर कुछ-कुछ जगहों पर गड्ढे भी हो चुके हैं ।अब तो राहगीर भी कह रहे हैं कि इस पुल की मरम्मती एक बार कराएं लेकिन अच्छे से कराएं। पुल टिकाऊ और लोगों को आने-जाने में परेशानी सामना नहीं करनी पड़े।

बीडीओ बच्चों के बीच बन गए गुरूजी बच्चों के सवालों का भी दिया जबाब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शुक्रवार को क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था की जांच को लेकर बीडीओ उच्च माध्यमिक विद्यालय चितोचक पहुंचकर विद्यालय की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान बीडीओ बच्चों के बीच गुरूजी बनकर बच्चों को शिक्षा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी दिया। बीडीओ ने स्कूली बच्चों को बताया कि एक समय था जब पूर्ण रूप से संसाधन उपलब्ध नही रहने के कारण लोग शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए पूरी ईमानदारी पूर्वक शिक्षा ग्रहण कर उपलब्धियां अपने नाम किया। परंतु आज के समय में सरकार स्कूली बच्चों को पूर्ण शिक्षा हासिल हो सके इसके लिए संसाधन के साथ कई योजना भी लागू किया गया है।इस दौरान स्कूली बच्चों ने अपने बेहतर कैरियर को लेकर बीडीओ से कई तरह के सवाल भी किया जिसका जबाब बीडीओं के द्वारा जबाब दिया गया। बीडीओ ने स्कूली बच्चों को ज्ञान से जुड़ी कई तरह की जानकारी देते हुए कहा कि यदि सच्ची लगन के साथ पूरे जोश एवं जुनून के साथ आप अपनी शिक्षा ग्रहण करते है तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको सफलता हासिल करने से नही रोक सकती है। वही बीडीओ से निरीक्षण के संदर्भ में पूछे जाने पर उन्होने बताया कि जिलाधिकारी राकेश कुमार के दिशा निर्देश पर विद्यालय का निरीक्षण किया गया है। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक के बच्चों के लिए विद्यालय में मात्र एक कमरा उपलब्ध होने पर शिक्षकों से जानकारी ली गई। आगे बीडीओ ने बताया कि कक्षा 1-8 के लिए 10 शिक्षक- शिक्षिकाए, कक्षा 9-12 के लिए 10 शिक्षक- शिक्षिका डयूटीपर उपलब्ध था। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित नही मिले तथा उपस्थिति पंजी एवं मध्याहन भोजन पंजी प्रभारी के आलमीरा में बंद थी जिसके कारण उसकी जांच नही हो सकी।

दशकों से बंद पड़ा बरनार बांध का निर्माण कराने मंत्री चिराग की बाट जोह रहे जमुई वासी

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : दशकों पुर्व से बंद पड़ा बरनार जलाशय योजना का निर्माण कार्य चालू होने की दर्जनों गांव के लोग बाट जोह रहे हैं । क्योंकि बंद पड़े इस बरनार जलाशय योजना का निर्माण हो जाने से हजारों हेक्टेयर बंजर भूमि पर हरियाली आ जायेगी और किसान खुशहाल हो जायेंगे । बिहार सरकार के द्वारा तकरीबन 1235 एकड़ भूमि वन विभाग को हस्तांतरित किया जाना है जिसमें अब तक आधी से अधिक भुमि हस्तांतरित किया जा चुका है , शेष भुमि हस्तांतरित किये जाने के बाद वन विभाग के द्वारा हरी झंडी दी जाएगी ओर विभाग द्वारा प्राप्त एनओसी के बाद डीपीआर तैयार किया जाएगा । ज्ञानियों का मानना है कि इस बरनार जलाशय योजना का कार्य पूरा हो जाने पर लगातार खिसकती जा रही भूजलस्तर में काफी सुधार हो जायेगी और जल स्तर उपर आ जायेगा । जिससे किसानों के खेतों में सिंचाई का पानी ओर आमजनों को पैयजल की समस्या समाप्त हो जायेगी । इसके अलावा बरनार जलाशय योजना का कार्य पूरा हो जाने पर जमुई जिले में खपत होने वाली बिजली का उत्पादन भी इस परियोजना से संभव हो जायेगा और जमुई जिले के लोग बिजली के छेत्र में आत्म निर्भर हो जायेंगे । बताते चलें कि दो चोटियों के बीच भारी भरकम जल संग्रह करने वाले इस बरनार बांध के समीप मनोरम दृश्य देखने को मिलेगा ओर पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करने में अहम योगदान निभायेगी । ज्ञात हो कि बरनार बांध के दोनों ओर से दो कैनाल का निर्माण कराया जाना हे जिसके किनारे लगने वाले बड़ी संख्या में पेड़ पौधों से लोगों को कमि होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति भी हो सकती है । लेकिन बिते वर्ष सन 2000 ईस्वी में बिहार सरकार के मंत्रीमंडलीय फैसले के बाद बरनार जलाशय योजना का कार्य पूरी तरह से बंद हो गया साथ ही अधिक्षण अभियंता बटिया कार्यालय को स्थांतरित कर अन्यत्र ले जाया गया । ज्ञात हो कि बरनार जलाशय योजना का निर्माण कार्य की जिम्मेदारी पिछले वर्ष 1990 के दशक में गैमन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई थी लेकिन सरकार द्वारा समय पर आवंटन प्राप्त नहीं होने के कारण कार्य रुक गया और कंपनी अपना सारा सामान समेटकर वापस लोट गए । गौर करने वाली बात यह है कि जब जब चुनाव आती है तब तब बरनार जलाशय योजना को लेकर सुगबूगाहटें तेज हो जाती है लेकिन चुनाव की समाप्ति के बाद फीर पुनः सभी नेता ओर मंत्री गद्दी पर बैठ आराम फरमाते हैं । पिछले दस वर्षों पुर्व से लगातार जमुई लोकसभा से सांसद रहे चिराग पासवान की पार्टी पुनः तीसरी बार जमुई से सीट जीत गए हें साथ ही चिराग पासवान कैबिनेट में मंत्री का पद संभाल चुके हैं लिहाजा बरनार जलाशय योजना का निर्माण कार्य अतिशीघ्र चालु कराने को लेकर जमुई की जनता चिराग पासवान पर उम्मीद ओर भरोसा जताये हुए हैं ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान की मनाई गई जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शुक्रवार को शहर के पुरानी बाजार स्थित बरनवाल धर्मशाला में लोजपा रामविलास नगर व प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों के अलावे एनडीए के लोगों ने संयुक्त रूप से एकजुट होकर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के नगर अध्यक्ष प्रमोद राम के द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित मंच संचालन कर रहे प्रखंड अध्यक्ष परमेश्वर यादव, श्यामसुंदर पासवान, अरबिंद पासवान, भाजपा नगर अध्यक्ष सूरज सिंह, जदयू से बलवंत सिंह, ज्योतिष पंडा, नफीस अंसारी, उदय पासवान,श्याम पासवान, रवि बरनवाल आदि लोगों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हे याद किया। मौके पर वक्ताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे गरीबों के नेता थे। दलित, वंचित, शोषित समाज के उत्थान के लिए हमेशा हक और अधिकार के लिए लड़ते रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री के राजनीतिक सफर और सामाजिक योगदान उन्हे भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाता है। वही एनडीए की ओर से आगामी 7 जूलाई को जमुई लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरूण भारती के आगमन नपर हार्दिक अभिनंदन समारोह कार्यक्रम को लेकर भी बैठक करते हुए कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए तैयारी की रूपरेखा तैयार किया गया।

हेमंत सोरेन तिसरी बार बने झारखंड के मुख्यमंत्री झामुमो नेता ने दिया बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : झारखंड राज्य के 13 वें मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन को झामुमो नेता व झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह सोनो प्रखंड क्षेत्र के बटिया बाजार निवासी ओंकारनाथ बरनवाल ने उन्हें दिल से बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस राजभवन से पिछले 156 दिन पुर्व गिरफ्तार हुए थे उसी राजभवन में वे मुख्यमंत्री पद की शपथ ली । शपथ लेते ही हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड प्रदेश के मुख्यमंत्री की कमान संभाली हैं । झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को आज राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस प्रकार श्री सोरेन का मुख्यमंत्री के रूप में 13 वां कार्यकाल है । इसके एक दिन पहले चंपई सोरेन के द्वारा अपने सीएम पद का इस्तीफा राज्यपाल को सोंप दिया गया । श्री बरनवाल ने बताया कि शपथ ग्रहण के पुर्व हेमंत सोरेन गठबंधन में शामिल सभी लोगों के अलावा कॉग्रेसी नेताओं के साथ वे राजभवन पहुंचे और राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की थी । श्री बरनवाल ने आगे बताया कि हेमंत सोरेन जेल से निकलने के बाद छठवें दिन ही वे झारखंड की कमान एक बार फिर अपने हाथ में ले लिये हैं । हेमंत सोरेन की इस शपथ को खास बताते हुए श्री बरनवाल ने बताया कि 31 जनवरी को जिस राजभवन से उनकी गिरफ्तारी हुई थी 156 दिनों बाद दोबारा फिर से उन्होंने उसी राजभवन में शपथ ली । जिस कारण हेमंत सोरेन की जीत और भाजपा के षड्यंत्र की हार हुई है । बताते चलें कि झारखंड प्रदेश के 24 वर्ष के कार्यकाल में अब तक कुल 13 मुख्यमंत्री बने , जिसमें शिबु सोरेन तीन बार , अर्जुन मुंडा तीन बार , हेमंत सोरेन तीन बार , बाबूलाल मरांडी एक बार , मधु कोड़ा एक बार , चंपई सोरेन एक बार एवं रघुवर दास एक बार मुख्यमंत्री बने । लेकिन सभी मुख्यमंत्रियों में एकमात्र रघुवर दास ने अपने पांच वर्षों का कार्यकाल पुरा किये थे । ज्ञात हो कि हेमंत सोरेन के साथ कैबिनेट के किसी भी मंत्री ने शपथ नहीं ली हैं । श्री बरनवाल ने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर खुशियां जाहिर करते हुए कहा कि एक तरफ जहां हेमंत सोरेन को ईडी के द्वारा बिना किसी सबुत के गिरफ्तार किये जाने पर झामुमो के लोगों को दुख पहुंचा है वहीं दूसरी तरफ पुनः हेमंत सोरेन को झारखंड की बागडोर सोंपे जाने पर जनता ने विकास की जो सपने देखें हैं वह अवश्य ही पुरे होंगे एवं तेजी के साथ विकास होगा । क्योंकि झामुमो के सभी लोग एक परिवार की तरह मिलकर सरकार चलाते हैं और जनता के हित में कार्य करते हैं । ओंकारनाथ बरनवाल ने तिसरी बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन के साथ साथ हाईकोर्ट को भी धन्यवाद ओर बधाई देते हूए कहा कि झामुमो को न्यायालय पर पुर्ण भरोसा था और न्यायालय ने दुध और पानी का फैसला लेते हुए जमानत की अर्जी स्वीकार कर ली ।

बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी में जुटे अधिकारी- फुलौत में डीएम का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) बाढ़ को लेकर जिला पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने गुरुवार को फुलौत का दौरा किया। फुलौत के उच्च माध्यमिक विद्यालय (संकुल फुलौत) फुलौत पश्चिमी पंचायत के हाहाधार में बने बाढ़ आश्रय सहित एनएच 106 पुल निर्माण कार्य का जायजा लिया। वहीं उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर के अंदर विधि व्यवस्था को देखते हुए पूरे विद्यालय का निरक्षण किया, भ्रमण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी एस जेड हसन एवं चौसा के प्रखंड विकास पदाधिकारी ब्रजेश कुमार दीपक को एवं अंचलाधिकारी शशिकांत यादव को बाढ़ से होने वाले समस्या से अवगत कराते हुए निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर के अंदर शुद्ध पानी एवं बिजली एवं खान-पान के साथ तमाम चीजों पर विशेष तौर पर ध्यान देते हुए जो कमी है उसे पूरी करें क्योंकि बाढ़ आने को है, चुकी फुलौत बाढ़ग्रस्त इलाका है यहां के निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थान मिलना जरूरी है, ऐसे में बाढ़ आने से पहले सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें जिन चीजों की कमी है वह फौरन हमें बताएं उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। बता दें कि पिछले वर्ष बाढ़ के कारण बहुत से लोग अस्त व्यस्त थे, जिसको लेकर इसी विद्यालय में बहुत से लोगों के रहने की ठहराव की गई थी। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा की काफिला एनएच 106 बड़ोखर धार के पास बन रही पुल के पास पहुची। संवेदकों को निर्देश देते हुए कहा गया कि, इस पुल को जल्द से जल्द निर्माण पूरा किया जाए, कार्य में किसी भी प्रकार की अनिमियता नहीं हो, अगर ऐसा जानकारी मिलता है तो कार्यवाही की जाएगी। वही संवेदकों ने भी कार्य जल्द ही पूरा होने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा क्योंकि आगे का कार्य ईसी पुल के जरिए किया जाएगा जिससे काम करने वाले लोगों को सहुलियत होगी। इस मौके पर एसपी संदीप सिंह , एडीएम अरुण कुमार सिंह, एसडीएम एसजेड हसन, सिविल सर्जन मिथिलेश ठाकुर, सहित जिला भर के कई विभागों के अधिकारी के अलावे चौसा प्रखंड के बीडीओ बृजेश कुमार दीपक, सीओ शशिकांत यादव, जिला परिषद अनिकेत कुमार मेहता, चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर ज्ञान रंजन, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष आलोक कुमार, जीविका के डीपीएम नील कमल चौधरी सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मकतब में अज्ञात लोगों के द्वारा तोड़ फोड़ कर सरकारी सम्पत्ति का किया चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः-चंद्रदीप थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मकतब में अज्ञात बदमाशों ने स्कूल की रसोई घर की लोहे की दरवाजे को उखाड़ ले भागा ।जिसको लेकर प्रभारी प्रधानाध्यापक के द्वारा थाने सहित शिक्षा विभाग को आवेदन दिया गया। वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय मकतब के प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद तैयब हुसैन ने जानकरी देते हुए बताया की बीते 28 जून शुक्रवार की रात्रि में कुछ अज्ञात अपराधियों ने मकतब का पुराना रसोई घर का लोहे के दरवाजा उखाड़ कर लेकर फरार हो गया। जिसकी कीमत लगभग दस हजार है ।वहीं अज्ञात लोगों के द्वारा स्कूल के शौचालय का टंकी सहित पाईप को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया जिससे परेशानी हो रही है ।अज्ञात लोगों के द्वारा लगभग पंद्रह हजार का सामान का क्षति पहुंचाया गया है ।वहीं कुछ गांव के ही लड़के जो स्कूल में नहीं पढ़ते हैं वो लोग स्कूल के समय में छत के ऊपर चढ़ कर अठ्ठाबाजी करते है है और पढ़ाई में बाधा डालते है,कई बार मना करने पर भी नहीं मानते है ।,इसी को लेकर थाने सहित शिक्षा विभाग को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है ।वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया की घटना की सूचना लेट से मिली है घटना के आलोक में आवेदन दिया गया है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है,जो भी इस घटना में शामिल होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

रेफरल अस्पताल से कर्मी रहते है गायब मरीज व परिजनों को होती है समस्या

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] स्वास्थ्य विभाग लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार करने को लेकर कई तरह के कदम उठा रही है लेकिन इसके बावजूद भी झाझा के रेफरल अस्पताल में छोटे से बड़े कर्मचारी समय से उपस्थित नही हो रहे है जिसके कारण मरीज अपनी समस्या अस्पताल के वरीय पदाधिकारी तक नही पहुंचा पा रहे है। शुक्रवार को जब अस्पताल में मीडिया ने अस्पताल के वर्तमान स्थिति का जायजा लेने 9बजकर 42 मिनट पर पहुंचा तो पाया कि डॉक्टर बीके राय अपनी डयूटी पर तैनात है लेकिन अस्पताल के अन्य कई कर्मी गायब है। वही 10:30 बजे तक अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी भी उपस्थित नही थे। वही नागी डैम प्रकाश नगर के रहने वाले नीतीश कुमार ने लेखापाल की अनुपस्थिति रहने पर अपनी नाराजगी जताया और बताया कि डिलीवरी का रूपए के लिए बीते दो वर्ष से अस्पताल का चक्कर लगा रहे लेकिन लेखापाल हमेशा गायब मिल रहा है। शुक्रवार को भी अस्पताल आया लेकिन लेखापाल गायब मिला। जिसके बाद शिकायत करने के लिए जब अस्पताल के प्रबंधक नवनीत कुमार और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अरूण कुमार सिंह से मिलना चाहा तो दोनो पदाधिकारी भी अनुपस्थित पाए गए। बताते चले कि अस्पताल में बायोमेट्रिक से अस्पताल के छोटे एवं बड़े कर्मियों की उपस्थिति बनती है तो अस्पताल में सही समय पर लोग क्यो नही पहुंच पा रहे है। जबकि स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाषचंद्र, पंजीकरण काउंटर, एक्स- रे कक्ष, दवा काउंटर पर कर्मी अपनी डयूटी पर ससमय उपस्थित थे।

सम्पादकीय

संसद में आक्रामकता

संसद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो चुका है। राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव दोनों सदनों में पारित किया जा चुका है, लेकिन जो देश के मानस को निरंतर मथता रहेगा, वह संसदीय अराजकता है। यह बिल्कुल भी अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। संसद में अब नियमों का उल्लंघन किया जाता रहेगा। राज्यसभा में उपराष्ट्रपति एवं सभापति और लोकसभा में स्पीकर मयार्दा और गरिमा की बार-बार दुहाई देना छोड़ दें, क्योंकि अब संसद में हिट एंड रन की राजनीति खेली जाएगी। अब संसद में भी प्रधानमंत्री एवं लोकसभा सदन के नेता का भाषण बाधित किया जाता रहेगा। यह मोदी-विरोधी रवैया और रणनीति है। आखिर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसदीय अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में अंतिम जवाब कौन देगा? राष्ट्रपति ने किसे प्रधानमंत्री बनाया है? अधिकांश जनादेश किसके पक्ष में है?

विपक्ष के मुताबिक, सत्ता पक्ष के एक-तिहाई जनादेश के मायने क्या हैं? विपक्ष को इन सवालों के जवाब कौन समझाएगा? हमने लोकसभा में यह पहली बार देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया और उतनी ही देर तक विपक्ष के सांसद ह्वेलह्ल में और अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। कमाल की क्षमता है भई! नारों का शोर इतना कानफाड़ू था कि प्रधानमंत्री के भाषण के तथ्य और भाषा बाधित हो रहे थे। अंततः प्रधानमंत्री को हैडफोन लगाना पड़ा, ताकि उन्हें शोर कम सुनाई दे और वह अपनी बात आराम से कह सकें। प्रधानमंत्री उस माहौल में भी बोलते रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री रहते हुए और 2019 के प्रधानमंत्री काल में वह ऐसे शोर और विरोध को झेलते रहे हैं। सांसदों को नेता प्रतिपक्ष ने ह्वेलह्ल में जाने को उकसाया और बाध्य किया, लिहाजा स्पीकर ओम बिरला को उन्हें चेतावनी देनी पड़ी। क्या नेता प्रतिपक्ष की यह भूमिका भी होती है? जब नेता विपक्ष सदन में बोल रहे थे, तब प्रधानमंत्री समेत कुछ मंत्रियों ने उनके कथन पर आपत्ति जरूर की थी। सत्ता पक्ष ने शोर मचा कर, नारेबाजी करते हुए बाधित नहीं किया था। स्पीकर ने नियमों और संसदीय अनुशासन के बार-बार पाठ पढ़ाए, लेकिन विपक्षी सांसद आमादा थे कि प्रधानमंत्री के भाषण में रोड़े जरूर अटकाने हैं। यही उनकी राजनीतिक रणनीति थी, एजेंडा था। राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद की चर्चा के जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी करीब एक घंटा 50 मिनट तक बोले। विपक्ष उच्च सदन में भी नारेबाजी कर हंगामा मचाता रहा। चूंकि वहां विपक्ष की संख्या कम है और सांसद भी कम थे, लिहाजा विपक्ष ने संविधान के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने के मुद्दे पर बहिर्गमन की रणनीति अख्तियार की। सभी ने वॉकआउट किया। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने टिप्पणी की कि देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों में सत्य सुनने की ताकत नहीं है। उन्होंने जो सवाल उठाए, उनके जवाब सुनने की हिम्मत नहीं थी, लिहाजा मैदान छोड़ कर बाहर चले गए। बेशक संसद में अवरोध पैदा किए जाते रहे हैं, विपक्ष ने नारेबाजी-पोस्टरबाजी समेत हंगामे भी किए हैं

योजनाओं का हो सोशल ऑडिट

रजनीश कपूर

हर तरफ से तबाही के विचलित करने वाले दृश्यों को देख मन में यही सवाल उठा की इस साल मानसून की पहली बारिश से जो हाल हुआ है क्या उसै वास्तव में प्राकृतिक आपदा मानी जाए? क्या इस तबाही के पीछे इंसान का कोई हाथ नहीं? क्या भ्रष्ट सरकारी योजनाओं के चलते ऐसा नहीं हुआ? कब तक हम ऐसी तबाही को कुदरत का कहर मानेंगे?

कई दशकों पहले देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से यह बात स्वीकार की थी कि जनता के विकास के लिए आवंटित धनराशि का जो प्रत्येक 100 रूपया दिल्ली से जाता है, वह जमीन तक पहुँचते-पहुँचते मात्र 14 रुपए रह जाता है। 86 रुपए रास्ते में भ्रष्टाचार की बलि चढ़ जाते हैं। सारा विकास केवल कागजों पर ही होता है। परंतु बीते दशकों में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बावजूद नागरिकों को कुछ सुविधाएँ अवश्य मिली हैं। लेकिन बीते वर्षों में जिस तरह के विकास का जो प्रचार हुआ है उसने एक बार फिर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की कही बात याद दिला दी है।

इंद्र देव के कहर के कारण देश के कई भागों से काफी दर्दनाक दृश्य सामने आए। हर तरफ से तबाही के विचलित करने वाले दृश्यों को देख मन में यही सवाल उठा की इस साल मानसून की पहली बारिश से जो हाल हुआ है क्या उसै वास्तव में प्राकृतिक आपदा मानी जाए? क्या इस तबाही के पीछे इंसान का कोई हाथ नहीं? क्या भ्रष्ट सरकारी योजनाओं के चलते ऐसा नहीं हुआ? कब तक हम ऐसी तबाही को कुदरत का कहर मानेंगे? सरकार चाहे किसी भी दल या राज्य की क्यों न हो जनता के वोट पाने के लिए विकास के कार्यों की अनेक जनोपयोगी व क्रांतिकारी योजनाओं की घोषणाएँ की जाती हैं। ऐसी घोषणाओं को सुन कर हर कोई मानता है कि नेता जी ने एक बड़ा सपना देखा है और ये सारी योजनाएँ उसी सपने को पूरा करने की तरफ एक-एक कदम है।

बीते कुछ वर्षों में घोषित की गई योजनाओं में से कुछ योजनाओं का निश्चित रूप से लाभ आम आदमी को मिला है। वहीं दूसरी ओर घोषित की गई कई योजनाएँ केवल कागजों पर ही दिखाई दी। यदि कोई प्रधान मंत्री या किसी भी राज्य के मुख्य मंत्री जनता के कल्याण हेतु दकियानूसी परंपराओं को तोड़कर क्रांतिकारी योजनाएँ लाते हैं, तो यह भी जरूरी है कि समय-समय पर वे इस बात का जायजा भी लेते रहें कि उनके द्वारा घोषित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कितने फीसदी हो रहा है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी जी हों या किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री ही क्यों न हों, उन्हें जमीनी सच्चाई जानने के लिए गैर-पारंपरिक साधनों का प्रयोग करना पड़ेगा। ऐसे में मौजूदा सरकारी खुफि या एजेंसियाँ या सूचना तंत्र उनकी सीमित मदद ही कर पाएँगे। प्रशासनिक ढांचे का अंग होने के कारण इनकी अपनी सीमाएँ होती हैं। इसलिए देश या सूबे के मुखिया को गैर-पारंपरिक फीड-बैक मैकेनिज्म का सहारा लेना पड़ेगा, जैसा आज से हजारों साल पहले भारत के पहले सबसे बड़े मगध साम्राज्य के शासक सम्राट अशोक किया करते थे। जो जादूगरों और बाजीगरों के वेश में अपने विश्वासपात्र लोगों को पूरे साम्राज्य में भेजकर जमीनी हकीकत का पता लगवाते थे और उसके आधार पर अपने प्रशासनिक निर्णय लेते थे।

आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में यह काम बहुत आसानी से किया जा सकता है। यदि मोदीजी या देश के अन्य मुख्यमंत्री ऐसा कुछ करते हैं, तो उन्हें इसका बहुत बड़ा लाभ होगा। यदि वे ऐसा करते हैं तो उन्हें उपलब्धियों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर आँकड़े प्रस्तुत करने वाली अफसरशाही और खुफिया तंत्र गुमराह नहीं कर पाएँगे। क्योंकि उनके पास समानान्तर स्रोत से सूचना पहले से ही उपलब्ध होगी। ऐसी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने का यही तरीका है कि अफसरशाही के अलावा जमीनी लोगों से भी हकीकत जानने की गंभीर कोशिश की जाए। यह पहल प्रशासनिक मुखिया को ही करनी होगी, फिर वो चाहे देश के प्रधानमंत्री हों या किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री।

मिसाल के तौर पर इस साल की पहली बारिश के चलते देश के कई एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, ट्रेनों, सड़कों, पुलों आदि पर हुए नुकसान को गंभीरता से लेना चाहिए। विपक्ष चाहे जैसे भी हमले करे पर केंद्र व राज्य सरकार को इन दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए संबंधित राज्य सरकारों, मंत्रालयों, विभागों और अफसरशाही से समय बाधित रिपोर्ट लेनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। इतना ही नहीं, घोषित की गई विकास की योजनाओं का सोशल ऑडिट भी बहुत जरूरी है। इसके लिए देश के मुखिया या राज्य के मुख्य मंत्रियों को अपने विश्वसनीय सेवानिवृत अधिकारियों, पार्टी के समर्पित कार्यकताओं और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों की एक संयुक्त टीम बनानी चाहिए जो वस्तु स्थिति का मूल्यांकन करें और उन तक निष्पक्ष रिपोर्ट भेजे। यदि वे ऐसा करते हैं तो वे विपक्ष के हमले का कड़ा उत्तर दे पायेंगे।

सोशल ऑडिट करने का यह तरीका किसी भी लोकतंत्र के लिए बहुत ही फायदे का सौदा होता है। इसलिए जो भी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री ईमानदार होगा, पारदर्शिता में जिसका विश्वास होगा और जो वास्तव में अपने लोगों की भलाई और तरक्की देखना चाहेगा, वो सरकारी तंत्र के दायरे के बाहर इस तरह का सोशल ऑडिट करवाना अपनी प्राथमिकता में रखेगा। चूंकि चुनावी सभा में हर दल के नेता बार-बार जवाबदेही व पारदर्शिता पर जोर देते हैं, इसलिए निर्वाचित होने के बाद उन्हें यह सुझाव अवश्य ही पसंद आएगा।

आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में देश के कोने-कोने से जागरूक नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री व राज्यों के मुख्य मंत्रियों को इस तरह का सोशल ऑडिट करवाने के लिए आह्वान किया जाएगा। इससे देश में नई चेतना और राष्ट्रवाद का संचार होगा और बरसों से चली आ रही भ्रष्टाचार पर लगाम भी कसेगी। नेताओं द्वारा जनहित की योजनाओं की घोषणाएँ भी केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर सफल होती नजर आएँगी।

सत्संग स्थल किसकी लापरवाही से बना श्मशान घाट?

ये सवाल भी वहां मुंह खोले खड़ा हुआ है। भगदड़ में मरने वालों की तितर-बितर फैली लाशें, कराहते घायल श्रद्धालुओं की चीखें देखकर परिजनों की हिम्मत जवाब देती दिखी। राहत-बचाव में जुटे कर्मियों के कलेजे भी कंपकपा रहे थे। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में संभावित या आपातकाल की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक इंतजाम अगर थोड़े से भी होते तो इतनी दर्दनाक घटना नहीं घटती। हैरानी की बात ये है कि हजारों सत्संगियों की रक्षा में मात्र 73 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिनमें दो दर्जन तो होमगार्ड ही थे। घटना का शोर जब तेजी से मचने लगा तो सबसे सुरक्षाकर्मी ही भाग खड़े हुए। दूसरों को बचाने से बेहतर खुद की जान जान बचानी जरूरी समझी। प्रशासन और आयोजक दोनों गहरी नींद में सोए हुए थे। सत्संग स्थल पर एक भी एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी। न ही कोई फायरब्रिगेड की गाड़ी वहां तैनात थी और न ही कोई विशेष अन्य व्यवस्थाएं की गईं थीं। इसलिए हाथरस भगदड़ को स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि जिस सत्संग स्थल पर बाबा भोले के प्रवचन का आयोजन था उसमें मात्र पांच हजार लोगों की बैठने-उठने की व्यवस्था थी। लेकिन लापरवाही देखिए 50 हजार से अधिक लोग सत्संग में पहुंचे हुए थे। इसलिए सत्संग स्थल कैसे बना श्मशान घाट? उसकी असल सच्चाई सबके सामने है। सत्संग स्थलों पर यह न पहला हादसा है और न ही अंतिम? इससे पूर्व भी कई दर्दनाक हादसे हुए। लेकिन घटना हो जाने पर शासन से लेकर प्रशासन तक खलबली मच जाती है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

हाथरस के सत्संग स्थल को किसने श्मशान घाट में तब्दील किया? ये सवाल घटना घट जाने के बाद हादसा स्थल के चारों ओर गूंज रहा है। जवाब कौन देगा और कौन है हादसे का जिम्मेदार?

ये सवाल भी वहां मुंह खोले खड़ा हुआ है। भगदड़ में मरने वालों की तितर-बितर फैली लाशें, कराहते घायल श्रद्धालुओं की चीखें देखकर परिजनों की हिम्मत जवाब देती दिखी। राहत-बचाव में जुटे कर्मियों के कलेजे भी कंपकपा रहे थे। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में संभावित या आपातकाल की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक इंतजाम अगर थोड़े से भी होते तो इतनी दर्दनाक घटना नहीं घटती। हैरानी की बात ये है कि हजारों सत्संगियों की रक्षा में मात्र 73 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिनमें दो दर्जन तो होमगार्ड ही थे। घटना का शोर जब तेजी से मचने लगा तो सबसे सुरक्षाकर्मी ही भाग खड़े हुए। दूसरों को बचाने से बेहतर खुद की जान जान बचानी जरूरी समझी।

प्रशासन और आयोजक दोनों गहरी नींद में सोए हुए थे। सत्संग स्थल पर एक भी एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी। न ही कोई फायरब्रिगेड की गाड़ी वहां तैनात थी और न ही कोई विशेष अन्य व्यवस्थाएं की गईं थीं। इसलिए हाथरस भगदड़ को स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि जिस सत्संग स्थल पर बाबा भोले के प्रवचन का आयोजन था उसमें मात्र पांच हजार लोगों की बैठने-उठने की व्यवस्था थी। लेकिन लापरवाही देखिए 50 हजार से अधिक लोग सत्संग में पहुंचे हुए थे। इसलिए सत्संग स्थल कैसे बना श्मशान घाट? उसकी असल सच्चाई सबके सामने है। सत्संग स्थलों पर यह न पहला हादसा है और न ही अंतिम? इससे पूर्व भी कई दर्दनाक हादसे हुए। लेकिन घटना हो जाने पर शासन से लेकर प्रशासन तक खलबली मच जाती है। पर, जैसे ही मामले की तपिश कुछ शांत होती है, प्रशासन दूसरे हादसे का इंतजार करने लगता है

हाथरस का लोकल प्रशासन अगर वास्तव में थोड़ा सा भी अलर्ट होता। इतने श्रद्धालुओं को सत्संग में पहुंचने की इजाजत नहीं देता, तो सैकड़ों लोग बेमौत मरने से बच सकते थे। उन्हें अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। हादसे होते ही प्रवचन सुनाने वाला बाबा पतली गली देखकर फरार हो गया। बाबा की हकीकत जानें तो वह कोई जन्मजात साधु, पंडा या प्रवचनकर्ता नहीं है और न ही लंबे समय से इस क्षेत्र में है। आधी उम्र बीतने के बाद उसे प्रवचन सुनाने का शौक चढ़ा। करीब 26 वर्ष तक इंटेलिजेंट ब्यूरो में सामान्य कर्मचारी के तौर पर नौकरी की, नौकरी छोड़ने के बाद उसके अपना नाम बदला और ह्यविश्व हरि भोलेह्ल रख लिया। फिर कूद पड़ा धर्म क्षेत्र में, बीते कुछ वर्षों में उन्होंने हिंदी पट्टी के राज्यों में लाखों की संख्या में अपने अनुयायी बनाए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व बिहार में उनके भक्तों की संख्या बहुतायत है।

यह बाबा भी पूर्व के बाबाओं की तरह दुख-दर्द, हारी-बीमारी दूर करने का वादा करता है। ग्रामीण महिलाएं इनकी भक्त ज्यादा है। जाहिर सी बात महिलाएं जब कहीं जाती हैं तो अपने साथ छोटे बच्चों को जरूर ले जाती हैं। मंगलवार को भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हुआ। सत्संग में भारी संख्या में महिला पहुंचीं। बच्चे भी थे उनके साथ। इसलिए हादसे में मरने वालों में नौनिहालों की भी संख्या काफी बताई जाती है। हादसे की जितनी निंदा की जाए कम है। सवाल उठता है सरकार-प्रशासन इस हादसे से कुछ सबक लेगा या फिर मुआवजा और सहानुभूति देकर मात्र मामला शांत करेगा। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और पक्ष-विपक्ष के नेता भी दुख प्रकट कर रहे हैं। करना भी चाहिए, घटना ही ऐसी, जो सुन रहा है उसके रोंगेटे खड़े हो रहे हैं। घटना का दोषी समूचा स्थानीय प्रशासन है, उसकी लापरवाही से ही ये घटना घटी। संतसग में अधिक भीड़ इसलिए पहुंची , क्योंकि मंगलवार को सत्संग का समापन दिन था जिसमें अनुमानित पांच हजार से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचे हुए थे।

घटना कैसे घटी ये जानना जरूरी है। प्रवचन सुनाने वाले बाबा की जब एंट्री हुई तो उसे करीब से देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उनके काफिले पर टूट पड़ी। अगर वहां दो-चार दर्जन सुरक्षाकर्मी तैनात होते तो ऐसी घटना शायद न घटती। वो भीड़ को नियंत्रित कर सकते थे। पर, यहां सवाल एक ये भी उठता है कि आयोजकों ने पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए? भीड़ अगर ज्यादा थी तो प्रशासन से अपील करनी चाहिए थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर घटना के कुछ घंटों बाद ही सामने आ गई। सैकड़ों घायल श्रद्धालु विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। ईश्वर उनकी रक्षा करे, उन्हें जल्द स्वस्थ करे। लेकिन सत्संग स्थल कैसे समाधि स्थल बना इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हादसे की खबर से समूचे देश की आंखें नम हैं। घटना हाथरस जिले के कस्बा रतिभानपुर इलाके की है। प्रदेश सरकार ने पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता देने का ऐलान कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। लेकिन यह मुआवजा वह जख्म कभी नहीं भर सकता, जो इस हादसे ने दिया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, दोषी चाहे फिर आयोजक हों या प्रशासनिक अधिकारी।

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुबार्नी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है।

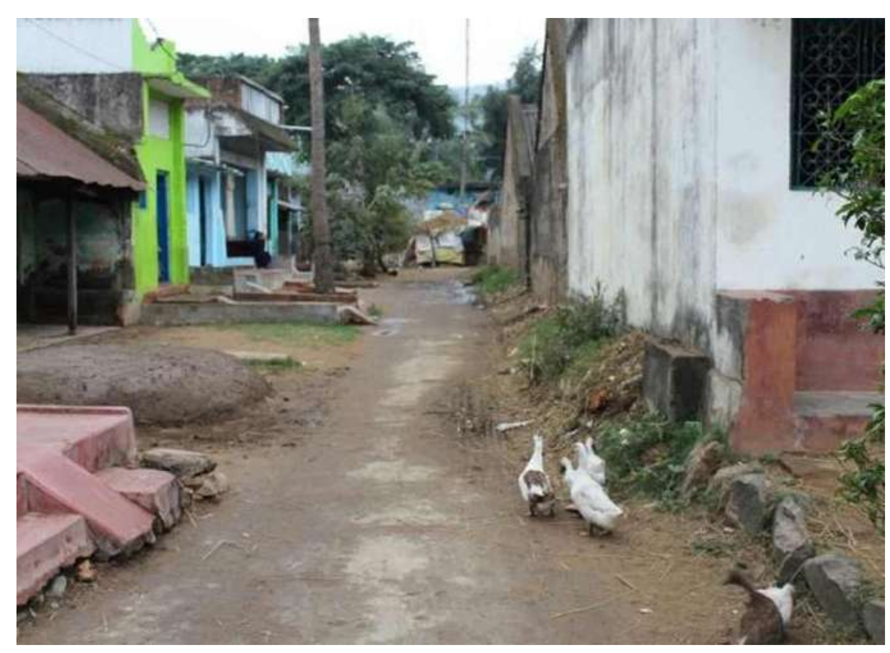

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुबार्नी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी।

कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक-दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा।

पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं।

शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हजार्ना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए। गांवों के कस्बें, कस्बों के शहर और शहरों के महानगर में बदलने की होड, एक ऐसी मृग मरीचिका में लगी है, जिसकी असलियत कुछ देर से खुलती है लेकिन जब खुलती है

सार्थक संवाद की दृष्टि से निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

प्रो. संजय द्विवेदी

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डॉ.राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, फिरोज गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना।

राष्ट्रप्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गई। राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल रहा। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे, तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष की गलतबयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें ह्यसक्रिय नेता प्रतिपक्षह्ल घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें ह्यमैन ऑफ द मैचह्ल घोषित कर दिया। जाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए। लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मयार्दाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नई सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छह माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं,विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, शनिवार, 06 जुलाई, 2024

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि विस्तारित

छपरा सदर।. जयप्रकाश विश्व विद्यालय स्नातक सेमेस्टर-1 सीबीसीएस परीक्षा 2023 (सत्र 2023-27) के परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि को विस्तारित किया गया है. कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई द्वारा छात्रहित में यह निर्देश जारी किया गया है. माननीय कुलपति महोदय के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक डा. दिलीप कुमार द्वारा परीक्षा फार्म भरने की तिथि विस्तारित करने संबंधी पत्र निर्गत कर दिया गया है. निर्गत किए गए पत्र के अनुसार परीक्षार्थी अब निर्धारित विलंब शुल्क के साथ छह जुलाई तक परीक्षा प्रपत्र भर सकते हैं. इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक द्वारा छपरा,सिवान एवं गोपालगंज के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य को पत्र भेज दिया गया है. प्राचार्य को भेजे गए पत्र के माध्यम से कहा गया है कि विलंब शुल्क के साथ परीक्षा प्रपत्र 6 जुलाई 2024 तक भरा जाएगा. परीक्षार्थी विश्वविद्यालय के आनलाइन प्रपत्र भरकर इसकी प्रिंट कापी निकाल कर संबंधित कागजात के साथ महाविद्यालय में सत्यापित कर जमा करेंगे.

बलात्कार कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

छपरा ' जिले के मशरक थाना अंतर्गत ग्राम हनुमानगंज के काली स्थान के पास अपने सहयोगियों की मदद से बलात्कार कांड का अंजाम दिया है ' एसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर सारण पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है' इस मामले में मशरक थाना कांड संख्या 412 /24 दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है ' इस कांड का मुख्य आरोपी जितेंद्र कुमार यादव, पिता उदेस प्रसाद यादव,ग्राम हनुमानगंज,थाना मशरक के रूप में पहचान की गई है'इस मामले में घटना स्थल पर एफ एस एल टीम द्वारा निरीक्षण भी किया गया है' इन अपराधियों की गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष मशरक एवं अन्य कर्मी शामिल थे '

12 जुलाई को होगा नियोजन कैम्प का आयोजन

छपरा कार्यालय।नियोजन पदाधिकारी, अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा ने बताया कि श्रम संसाधन विभाग के तत्वाधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा (पता- बाजार समिति, साढ़ा, प्रेमनगर, काजरिया टाईल्स के सामने, रेडियेन्ट आई०टी०आई के बगल में) द्वारा कार्यालय परिसर में दिनांक 12.07.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक नियोजन कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नियोजक ल्फश्र क्ठङ्कअ ढश्ळ. छळऊ वढ के द्वारा बिहार और झारखंड हेतु रिक्तियों के विरूद्ध चयन किया जायेगा। बताया गया कि इस कैंप में प्रोडक्शन, ऑपरेटर, हेल्पर के रिक्त 40 पदों पर चयन किया जाएगा ।प्रोडक्शन, ऑपरेटर, हेल्पर के लिए शैक्षणिक योग्यता 10ईं पास, आई. टी.आई., डिप्लोमा होना चाहिए। उम्र सीमा 18 से 30 वर्ष एवं वेतन 12378 से 15252 रुपये निर्धारित हैबताया गया कि नियोजन कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंधन नियोजनालय में हो। नियोजनालय में निबंधन की प्रक्रिया ऑनलाईन कर दी गयी है। जो कि भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से होता है। कोई भी अभ्यर्थी घर बैठे अपना निबंधन इस पोर्टल के माध्यम से कर सकता है। साथ ही अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा कार्यालय में भी ऑनलाईन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है। अतः अभ्यर्थी अपना नियोजनालय निबंधन इस पोर्टल पर आवश्यक रूप से करा लेंगे। नियोजन कैम्प में भी ऑनलाईन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी।

बिहार के इकलौते मानसिक अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे अपर मुख्य सचिव

आरा। बिहार के इकलौते मानसिक आरोग्यशाला बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य एवं सहबद्ध संस्थान कोईलवर में निरीक्षण करने विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत दलबल के साथ पहुंचे। साथ में बीएमएसआईसीएल के एमडी धर्मेंद्र कुमार भी थे। निरीक्षण के लिए पहुंचे अधिकारियों ने अगले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के संभावित दौरे को लेकर मानसिक आरोग्यशाला के निदेशक जयेश रंजन के साथ बैठक कर संस्थान की बेहतरी के आलोक में घंटो मंथन किया। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के आगमन की संभावित तैयारियों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान अधिकारियों ने मानसिक आरोग्यशाला का भवन बनाने वाली कंपनी पीएसके को फटकार लगाते हुए कहा कि नए बिल्डिंग बनाने के बाद से अभी तक एक भी रिपेयरिंग क्यों नहीं करवाई गई। कैंपस में घूमते हुए उनकी नजर संस्थान के छत पर लगी टूटी बोर्ड पर पड़ी। जिसके बाद उन्होंने इसे अविलंब बदलकर लगाने का आदेश दिया। साथ ही उन्होंने 34 बेड वाले पीजी होस्टल को जल्द से जल्द हैंड ओवर करने की बात कही। निरीक्षण के क्रम मे उन्होने कहा कि अस्पताल के कुछ पुराने बिल्डिंग को तोड़कर उसकी जगह पार्क और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जायेगा।

छपरा शहर में जलजमाव की समस्या के निदान हेतु जल निकासी की स्थायी व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधि गण एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक

प्राप्त सुझावों के आधार पर एक सप्ताह के अंदर स्पष्ट एवं समेकित कार्य योजना तैयार करने का नगर आयुक्त को निदेश

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा शहर में जलजमाव की समस्या के स्थाई निदान को लेकर जल निकासी की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधि गण एवं नगर निगम, विभिन्न संबंधित विभाग तथा रेलवे के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई।

नगर निगम एवं आस पास के पंचायतों को मिलाकर जल निकासी की व्यवस्था हेतु समेकित कार्ययोजना तैयार कर इसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि गण से उनके अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किये गये। इस संदर्भ में विधायक जितेंद्र कुमार राय, पूर्व मंत्री उदित कुमार राय, महापौर नगर निगम छपरा, छपरा सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र सिंह एवं सीमावर्ती विभिन्न पंचायतों के मुखिया गण ने अपने अपने पूर्व के अनुभवों एवं वर्तमान स्थिति के आलोक में महत्वपूर्ण सुझाव दिया।

सुझावों में मुख्य रूप से जल निकासी हेतु एंड टू एंड व्यवस्था के क्रियान्वयन पर बल दिया गया। इसके किये कई पुराने अतिक्रमित नालों/नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराने, कई जगहों पर नये कलवर्ट/पुलिया/मिसिंग लिंक नाले के निर्माण कराने, नालों/नालियों की उड़ाही कराने आदि महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। नमामि गंगे परियोजना के तहत जारी कार्यों को तेजी से पूरा कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। रेलवे के स्वामित्व वाले नालों एवं वेंट की निरंतर सफाई की प्रभावी व्यवस्था की भी आवश्यकता बताई गई।

बैठक में प्राप्त सभी सुझावों के आधार पर एंड टू एंड प्रणाली के दृष्टिगत शहर के विभिन्न दिशाओं में जल निकासी हेतु समेकित कार्य योजना एक सप्ताह में तैयार करने का निदेश नगर आयुक्त को दिया गया। इसके तहत आवश्यक नये स्ट्रक्चर के निर्माण के आवश्यकता को भी शामिल किया जायेगा। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत के कार्यों को नगर निगम के माध्यम से तथा सीमावर्ती पंचायतों के कार्यों को जिला परिषद के माध्यम से क्रियान्वित कराया जायेगा।

सभी नालों की मैपिंग कराकर अतिक्रमित नालों को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु एक सप्ताह के अंतर्गत कार्ययोजना तैयार करने का निदेश अनुमंडल पदाधिकारी सदर को दिया गया। प्राथमिकता के अनुरूप चरणबद्ध ढंग से नालों से अतिक्रमण हटाया जायेगा।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रेलवे के वरीय मंडल अभियंता तथा उपस्थित रेलवे के स्थानीय पदाधिकारियों को भी इसमें आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। रेलवे के स्वामित्व वाले नालों एवं वेंट की साफ सफाई रेलवे प्रशासन एवं नगर निगम के आपसी समन्वय एवं दोनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सुनिश्चित कराया जायेगा। रेलवे प्रशासन के अनुरोध पर उनके स्वामित्व के परिसम्पत्तियों के लिए नगर निगम को देय वार्षिक शुल्क के निर्धारण हेतु एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। रेलवे के स्वामित्व के नालों एवं वेंट की सफाई हेतु स्थाई कार्ययोजना के तहत नगर निगम को एक समयबद्ध एसओपी तैयार करने को कहा गया।

पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को अपने स्वामित्व की सड़कों में आवश्यकतानुसार नये नालों/ वेंट के निर्माण हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया। बैठक में प्राप्त सुझाव के तहत सांढा ढाला से बाजार समिति के आगे तक नये नाले का निर्माण कर आगे पूर्व निर्मित नाले में जोड़ने हेतु कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बुडको के अभियंता को नवनिर्मित मेन सीवर लाइन संरचनाओं के साथ पूर्व के नालों को जोड़ने हेतु त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया। 8 आउट पंप सिस्टम में से अद्यतन 5 तैयार है, अन्य को भी तैयार करने हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया।

बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के बीच समन्वय हेतु एक अलग से व्हाट्सएप ग्रुप बनाने को कहा गया।

बैठक में विधायक श्री जितेंद्र कुमार राय, महापौर, जिला परिषद अध्यक्षा, पूर्व मंत्री श्री उदित कुमार राय,नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा सांसद प्रतिनिधि श्री सतेंद्र सिंह, विभिन्न सीमावर्ती पंचायतों के मुखिया गण, प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी सदर, नगर निगम के अन्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग/बुडको सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गर्व का पल! कानून मंत्री ने सीबीआई अधिकारी को प्रदान किया पुलिस पदक

छपरा। सीबीआई में डीएसपी के पद पर कार्यरत मुन्ना कुमार सिंह को राष्ट्रपति के तरफ से पुलिस पदक प्रदान किया गया है जो कि भारत के कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा एक भव्य समारोह के दौरान दिया गया। देश की सर्वोच्च जाँच एजेंसी सीबीआई में मुन्ना कुमार सिंह उत्कृष्ट व अतुलनीय उद्भेदन के लिए विख्यात हैं। इस सम्मानित पदक की घोषणा पिछले वर्ष गणतंत्र दिवस पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया गया था। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष 2024 जून माह में इन्हें गोल्ड मेडल देने की घोषणा की गई है। ज्ञात हो कि सारण जिले के तरैया प्रखंड के नवरत्नपुर गाँव निवासी प्रभुनाथ सिंह व माता चिन्तामणि देवी के ज्येष्ठ पुत्र मुन्ना कुमार सिंह गाँव मे हीं पले-बढ़े हैं। वे बचपन से ही मेधावी रहे हैं। अमनौर उच्च विद्यालय से मैट्रिक पास कर जगदम कॉलेज छपरा से स्नातक और आईआईएम, बंगलोर से वित्त प्रबंधन किया है तथा साथ मे एलएलबी भी किए हैं। पुलिस मेडल मिलने पर उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर की है। छोटे भाई पंकज उर्फ रविकांत ने बताया कि देश की सर्वोच्च जाँच एजेंसी से उनके भाई को पुलिस मेडल मिलने से सभी गौरवान्वित हैं।

जनसंख्या स्थिरीकरण जागरूकता के लिए माइकिंग के साथ सारथी रथ रवाना

- जिले में 1350 महिला बंध्याकरण व 90 पुरुष नसबन्दी करने का लक्ष्य
- परिवार नियोजन हेतु प्रचार-प्रसार कर लोगों को किया जाएगा जागरूक
- बंध्याकरण या नसबंदी कराने पर खाते में भेजी जाती है प्रोत्साहन राशि

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला स्वास्थ्य समिति बेतिया के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा, डीपीएम अमित अचल, डीसीएम राजेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर माइकिंग के साथ सारथी रथ रवाना किया। डॉ रमेश चंद्रा ने बताया किजिले के 18 प्रखंडों के सभी पीएचसी में 75 महिला बंध्याकरण एवं 5 पुरुष नसबन्दी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह कुल 1350 महिला बंध्याकरण एवं 90 पुरुष नसबन्दी विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में कराया जाएगा। जिले के आशा समन्वयक राजेश कुमार ने कहा कि सभी प्रखंडों के प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सारथी रथ से माइकिंग व सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा ताकि जिले की बढ़ती आबादी पर रोक लग सके। उन्होंने बताया कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत महिलाओं को कॉपर टी और प्रसव उपरांत कॉपर टी लगाया जाएगा। इस दौरान अंतरा, गर्भनिरोधक गोलियां, माला एन, कंडोम के बारे में आशा, एएनएम द्वारा जागरूक करते हुए समझाकर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 31 जुलाई तक परिवार कल्याण पखवाड़ा चलाया जाएगा।

परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है: डीपीएम

डीपीएम अमित अचल ने बताया कि परिवार नियोजन के विषय में महिलाओं को व पुरुष नसबन्दी के बारे में पुरुषों को जागरूक करना बेहद आवश्यक है। परिवार नियोजन हेतु स्थायी व अस्थायी तौर पर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क अनेक साधन उपलब्ध हैं, इनमें से कोई एक साधन चुन सकते हैं। डीपीएम अमित अचल ने बताया कि सरकारी अस्पताल में निःशुल्क सुरक्षित प्रसव कराया जाता है। साथ ही आर्थिक सहायता भी दी जाती है। जिसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। पुरुष नसबन्दी से उनकी कार्य क्षमता पर कोई असर नहीं होता है। इस मौके पर डॉ आलोक कुमार, डॉ आर एस मुन्ना, अमित कुमार, पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि राकेश कुमार, अमित कोशियारी, पिरामल के राजेश कुमार, अमित कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

अनाथ छात्रा ज्योति को मिलेगी निशुल्क शिक्षा

गड़खा। सारण जिला के गड़खा प्रखण्ड में स्थापित आदर्श मध्य विद्यालय सह उच्च माध्यमिक विद्यालय मिठेपुर कदना की बाल संसद ने एक बड़ी नजीर पेश की है। विद्यालय के बाल संसद की प्रधानमंत्री राजनंदनी सिंह के नेतृत्व में पुस्तकालय मंत्री शाइस्ता प्रवीण, खेल मंत्री अंजली कुमारी, स्वास्थ मंत्री रेशमा कुमारी और शिक्षामंत्री आयशा कुमारी ने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक भूषण कुमार सिंह को बाल संसद के माध्यम से एक आवेदन देते हुए अपनी सहपाठी छात्रा के शुल्क को माफ करने की मांग की जिसके बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक ने उनकी मांग पर तत्काल प्रभाव से आदेश देते हुए सभी शुल्क माफ करने का आदेश भी पारित कर दिया। छात्राओं से इस बाबत जब सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि उनके साथ नौंवी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ज्योति कुमारी के माता पिता के देहांत के बाद उसकी पढ़ाई आर्थिक कारणों से बाधित हो रही थी जिसकी जानकारी मिलने के बाद उनलोगों ने बाल संसद के माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापक को आवेदन दिया जिसपर उन्होंने स्कूल में देय सभी शुल्क माफ कर दिया है जिससे अब ज्योति की आगे की पढ़ाई में आर्थिक कारणों से कोई बाधा नही आयेगी। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक भूषण कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें आवेदन मिला तो तत्काल इसकी जाँच की गई जिसमे सभी बातें सही साबित हुई जिसके बाद अपने माता पिता को खो चुकी छात्रा के साथ पूरा विद्यालय परिवार की तरह खड़ा है और शुल्क की माफी के साथ साथ उसे नौंवी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा निःशुल्क करते हुए उसे पाठ्यक्रम में शामिल पुस्तके भी निजी कोष से खरीद कर दिया जाएगा। आर्थिक कारणों से कोई शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाये ऐसा हरगिज ना होने दिया जायेगा। विद्यालय प्रशासन के इस निर्णय पर छात्र छात्राओं में खुशी का माहौल है और अब ज्योति की आंखों में बेबसी के नही खुशी के आँसू हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के द्वारा एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना के अंतर्गत प्रखंड के परसा गांव में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया केंद्र के भरिए वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया की निक्रा यानी जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार केंद्र संपोषित परियोजना है। इसमें संबंधित गावों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कृषि से संबंधित कार्य कराए जाते हैं। यह कम बारिश वाले या बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व गांव हो सकते हैं चुकी पश्चिमी चंपारण जिले में बाढ़ प्रभावित गांवों के रूप में दो गांव को चुना गया है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य संबंधित गावों के लोगों की वहां उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग से जीविकोपार्जन में वृद्धि करना है। बागवानी विशेषज्ञ डॉक्टर धीरू तिवारी ने बताया कि धान रोपाई करने का यह सही समय है चुकी क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा हुई है जिससे किसानों को अच्छा लाभ हो सकता है। केंद्र के पौधा संरक्षण विशेषज्ञ डॉ सौरभ दुबे ने किसान की आम के बाग मे रोग की समस्या का समाधान उनके बाग पर जाकर बताया इस कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों की टीम क्षेत्र में बाढ़ ग्रसित खेतों का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ धीरू तिवारी, डॉ सौरभ दुबे, डॉ जगपाल, एवं शिवम प्रताप सिंह एवं प्रगतिशील किसान अमरेंद्र सिंह,प्रमोद सिंह, जय प्रकाश सिंह, रंभू दस आदि दर्जनों किसान उपस्थित थे ।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मनाया वन महोत्सव, पर्यावरण बचाओ - धरती को सजाओ का संदेश भी दिया

बेतिया(मोहन सिंह)। समाजिक संस्था मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्टह्व के द्वारा वन महोत्सव सप्ताह (1 से 7 जुलाई) के अन्तर्गत विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर जनमानस में पर्यावरण का अलख जगाया एवं धरती को हरा-भरा रखने का संदेश दिया। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पश्चिम चंपारण ज़िला मे जैसे बैरिया, बेतिया,नरकटियागंज में वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिद्धता जताई तो वहीं दूसरी ओर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, कोलाज मेकिंग, कविता लेखन आदि विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाया। इसी कड़ी में मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा शुक्रवार को बड़े उत्साह से प्लास्टिक बैग फ्री डे मनाया और प्लास्टिक से बने थैलों की बजाय पेपर बैग अथवा कपड़ों के बैग को अपनाने की पुरजोर अपील की। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे पर जनमानस को जागरूक करते हुए रिड्यूस, रीयूज एवं रिसाइकिल की अवधारणा पर जोर दिया।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एक ऐसी समाजिक संस्था है जो शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों में पर्यावरण बचाओ - धरती को सजाओ का संदेश देता आ रहा है।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट समाज के सभी तपको के माध्यम से समस्त बेतिया सहित पश्चिम चंपारण ज़िला को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित कर रहा है।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक संस्थान के निदेशक व समाजिक कार्यकर्ता शहीन सबा ने आगे कहा कि सामाजिक जागरूकता के प्रयासों में मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सदैव ही अग्रणी रहा है एवं समाजिक कार्य व समाजिक समस्या पर सर्वोच्च कीर्तिमान बनाने के साथ ही साथ सामाजिक जागरूकता की भी एक अलग पहचान बनाया है जिसमे समाजिक लोगों का भरपूर सहयोग भी मिलता रहा है है।

नीतू हत्या कांड को लेकर एसडीएम के समक्ष 10 जून को एआईवाईएफ का एक दिवसीय धरना

प्रात : किरण, संवाददाता

रोहतास जिले के डेहरी प्रखंड अंतर्गत भलुआड़ी पंचायत के मीठोपुर निवासी कमलेश कुशवाहा की 19 वर्षीय पुत्री नीतू की हत्या कर अज्ञात अपराधियों द्वारा नहर में फेंक दिया गया जिसकी शव दो दिन बाद अगरेर थाना क्षेत्र के मोकर नहर से बरामद किया गया। घटना की सुचना मिलते ही रोहतास जिला वासी आक्रोशित होकर पुलिस के विरुद्ध उग्र हो गए और जिला प्रशासन से नीतू के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार कर परिजनों को न्याय दिलाने के लिए 72 घंटे का अल्टिमेटम दिया था। बहुत ही दुःख की बात है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित परिजन से मिलने एआईवाईएफ के अनुमंडल अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता सोमवार की संध्या मीठोपुर पहुंचे और नीतू के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी करने के लिए जिला प्रशासन से मांग करते हुए उचित कार्रवाई कराने का भरोसा परिजन को दिलाया।इस संबंध में वृहस्पतिवार को स्वरूपा कंपलेक्स एवं मैरेज हॉल धरहरा में ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन अनुमंडल कमिटी डिहरी के अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सैकड़ों कार्यकर्ता की उपस्थिति में अहम बैठक आयोजित किया गया। बैठक में उपस्थित उपाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, उजाला कुमार, सचिव ददन सोनी, सहायक सचिव धनोज कुमार सिंह, सनोज कुमार सिंह, धर्मेन्द्र यादव,गुप्तेश्वर सिंह, सुशील कुमार सिंह, अरूण कुमार वर्मा, छोटेलाल शर्मा,अजय कुमार, मंटु सिंह, कमलेश सिंह, अंबुज अमृत, राकेश कुमार उर्फ गुड्डू जी, सुभाष जी,संजीत कुमार, नवीन कुमार, वीरेंद्र सोनी, हरिनारायण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता ने बारी बारी से अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 10 जून बुधवार को 11:00 बजे दिन अनुमंडल पदाधिकारी डिहरी के समक्ष एक दिवसीय विशाल धरना किया जाएगा।

तुतला भवानी वाटरफॉल का दिखा रौद्र रूप

- पहाड़ पर हुई मूसलाधार बारिश के कारण तुतला भवानी वॉटरफॉल में आया उफान
- रोहतास के तिलौथू में है तुतला वाटरफॉल

प्रात : किरण, संवाददाता

रोहतास जिले के तिलौथू के तुतला भवानी वॉटरफॉल का रौद्र रूप देखने को मिला है। पहाड़ी क्षेत्रों में हुए मूसलाधार बारिश का यह प्रभाव है कि पहाड़ से गिरने वाली झरना का विहंगम दृश्य देखने को मिला है। लगभग 200 फीट के ऊपर से झरना का पानी तुतला भवानी मंदिर के पास गिरती है। यह दृश्य अद्भुत नजारा प्रस्तुत करती है। चुकी पहाड़ पर हुई मूसलाधार बारिश के बाद झरना का रौद्र रूप सामने आया। ऐसे में झरना के आस-पास स्नान करने एवं पूजा पाठ करने गए लोग झरना के स्वरूप को देखकर भाग खड़े हुए। यह अद्भुत नजारा रोहतास के तुतला भवानी वॉटरफॉल की है। मानसून में यहां दूर-दूर से लोग पर्यटन के लिए आते हैं। बिहार झारखंड उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से यहां पर्यटक बरसात के दिनों में घूमने और वॉटरफॉल में स्नान करने के लिए आते हैं। हालांकि तुतला भवानी कुंड में स्नान करने के दौरान प्रत्येक वर्ष कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है चुकी तुतला भवानी वाटरफॉल के कुंड में अत्यधिक गहराई होने के कारण स्नान करने के दौरान कई घटनाएं घटित हो जाती है इसलिए तुतलब भवानी मंदिर कमेटी एवं जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को जागरूक और आगाह किया जाता है ताकि बीच कुंड तक कोई भी पर्यटक स्नान करने के लिए ना जाए। बताते चले की पहाड़ के ऊपरी हिस्से में जब भी लगातार बारिश होती है तो पहाड़ी नदियों के माध्यम से झरना का रूप लेकर मां तुतला भवानी वॉटरफॉल में धारा प्रवाह पानी का प्रवाह होता है जिसके कारण झरने का रौद्र रूप देखने को मिलता है। झरने से अत्यधिक पानी गिरने के कारण कुछ देर के लिए बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिससे कई लोग पहाड़ी नदी और झरनों के बीच फंस जाते हैं जिन्हें स्थानीय लोगों के द्वारा रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई जाती है। वही स्नान करने के दौरान कई युवाओं के द्वारा लापरवाही बढ़ती जाती है जिसके कारण प्रत्येक वर्ष कई लोग अपनी जान गवा बैठते है।

बाइक सवार अपराधियों ने हमला कर चैन छीन हुआ फरार

छपरा। दिघवारा थाना अंतर्गत शीतलपुर फोरलेन पर उनाचक गांव के पास एक मोटरसाइकिल सवार दो अपराधियों द्वारा बंदूक के बट से सर पर वार कर चैन लूट लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है ' पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित व्यक्ति को दिघवारा थाना द्वारा दरियापुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है ' इस मामले में प्राथमिक की दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है ' घायल व्यक्ति मनोज कुमार राय, पिता रामेश्वर राय, ग्राम हरपुर दरियापुर सारण का निवासी बताया गया है '

सदर अस्पताल परिसर हुआ जलमग्न, 2 घंटे की बारिश में पूरा अस्पताल परिषद तालाब में हुआ तब्दील

प्रत्येक वर्ष इसी तरह से अमूमन बनी रहती है अस्पताल परिसर की दयनीय स्थिति

- मरिज,चिकित्सा एवं एंबुलेंस तक को आवागमन में होती है परेशानी।

प्रात : किरण, संवाददाता

रोहतास जिले के सासाराम में आज हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर को पानी पानी कर दिया। ऐसे में सासाराम के सदर अस्पताल में भी पानी जमा हो गया है। मरिज तथा आम लोग पानी में उतरकर आ जा रहे हैं। यहां तक की एंबुलेंस को भी दिक्कत हो रही है। एक घंटे की बारिश ने यह हाल बना दिया है। बता दे कि प्रत्येक वर्ष सासाराम के सदर अस्पताल परिसर कुछ इसी तरह से पानी पानी हो जाता है। लेकिन कोई भी मुकम्मल व्यवस्था नहीं की जाती है। आप देख सकते हैं कि यह नजारा पूरी झील की तरह दिख रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में सिर्फ नए-नए भवन बनाए जा रहे हैं। जबकि पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जा रही है। प्रत्येक वर्ष बरसात में अमूमन यही स्थिति बनी रहती है। जबकि अनगिनतो बार स्थानीय लोगों और मरीजों के द्वारा अस्पताल प्रबंधन सहित नगर निगम और जिलाधिकारी से इसका अस्थाई समाधान निकलने को लेकर गुहार लगाया गया है लेकिन आज तक जस की तस स्थिति बनी हुई है। सदर अस्पताल परिसर को अत्याधुनिक तरीके से लैस किया गया है स्वास्थ्य से संबंधित सारी सुविधाओं को मुहैया कराया जा रहा है लेकिन प्रत्येक वर्ष होने वाले इस जल जमाव से लोगों को निजात दिलाने में अस्पताल प्रबंधन पूरी तरह से विफल है। अस्पताल में आने वाले मरीज चिकित्सक को सहित उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक महज 1 से 2 घंटे की बारिश में पूरा सदर अस्पताल परिसर तालाब में तब्दील हो जाता है चुकी जल निकासी के लिए कोई अस्थाई कम नहीं उठाया जा रहा है लिहाजा हल्की बारिश में भी अस्पताल परिसर में जल जमाव की स्थिति बन जाती है। कभी-कभी तो अस्पताल के वार्ड में भी तेज बारिश होने के कारण जल जमाव हो जाता है जिससे अस्पताल में एडमिट मरीज और उनके परिजनों को भी काफी परेशानी होती है। जब अस्पताल परिसर में जल जमाव की स्थिति बनी रहती है तो ऐसे में मरीज के स्वास्थ्य का ख्याल रखने का दवा फेल होता दिख रहा है क्योंकि जल जमाव के कारण गंदगी उत्पन्न होता है। जिससे कई तरह की बीमारियां उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है।

अब तो बरसात के शुरूआती दिन में ही अस्पताल परिसर की स्थिति दयनीय बनी हुई है आने वाले समय में से भी भयावा स्थिति होने की संभावना है। यही कारण है की बरसात के दो-तीन महीने मरिज,स्वास्थ्यकर्मी, चिकित्सक कुछ इसी तरह परेशान रहते हैं।

नारद बाबा के आश्रम पर श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ की तैयारी पूरी, कलशयात्रा आज

- 06 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित है नव दिवसीय श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ

प्रात : किरण, संवाददाता

तरैया, (सारण)। प्रखण्ड के अरदेवा-जिमदहा गांव के समीप नारायणी तट स्थित नारद बाबा के आश्रम पर 06 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित नव दिवसीय श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी यज्ञ समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष हरि शंकर सिंह व सचिव धनवीर कुमार सिंह विक्कू ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रसिद्ध संत श्री श्री १०८ श्री नारद बाबाजी महाराज के आश्रम नारायणी तट पर 06 जुलाई शनिवार से 15 जुलाई सोमवार तक नव दिवसीय श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ का आयोजन किया गया हैं। यज्ञ में देश के प्रसिद्ध कथा वाचक डॉ [illegible] द्वारा प्रतिदिन संध्या 06 बजे से रात्रि

09 बजे तक श्री माँ भगवती देवी कथा का प्रवचन होगा एवं उसके बाद रात्रि में वृन्दावन के कलाकारों द्वारा रामलीला व दिन में 11:30 बजे से रासलीला का कार्यक्रम होगा। यज्ञ में दूर-दराज से साधु-संतों के आनेे काफी संख्या में श्रद्धालु-भक्तों का आगमन हो रहा है। जिनके लिए अतिथिशाला एवं भण्डारे का आयोजन किया गया है। वहीं उक्त स्थल पर नवनिर्मित मंदिर में माँ भगवती भवानी की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर आयोजित यज्ञ के लिए 06 जुलाई शनिवार की सुबह 07 बजे से कलशयात्रा सह शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो कि नारद बाबा के आश्रम स्थित नारायणी नदी से पवित्र जलभरी कर अरदेवा, जिमदहा, गांव का भ्रमण कर यज्ञ स्थल पर पहुंचेगी और उसके बाद यज्ञाचार्य बुद्धि सागर मिश्र जी बनारस (काशी) एवं अन्य आचार्य के द्वारा विधिवत श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ प्रारंभ होगी। यज्ञ में मुख्य रूप से प्रत्यूष प्रकाश उर्फ राहुल सिंह, धनंजय कुमार सिंह भीम, पंकज कुमार सिंह इनई, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह, विकास सिंह, कपूर सिंह, उपेंद्र सिंह, नीरज सिंह, आशीष कुमार छोटू, मनीष कुमार, गोलू सिंह, मिथिलेश सिंह, अशोक राय, अमलेश सिंह, उमाशंकर सिंह, दिनेश सिंह, मनोज सिंह, डीपन सिंह, रौशन सिंह, देव कुमार सिंह, सुनील तिवारी, संजीव चौबे, समेत सभी कमिटी के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य काफी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

मूलभूत जन सवालों को लेकर एस यू सी आई कम्युनिस्ट ने जुलूस निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। अवैध बिजली बिल, झूठा मुकदमा में फंसाने , सर्वे में धांधली, प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने, अंचल कार्यालय में बिचौलियों का बोलबाला, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन बंदोबस्त करने, कृषि कार्य आरंभ होने से पूर्व खाद बीज कीटनाशक दवा की कालाबाजारी पर रोक, पेयजल की समस्याओं जैसी मूलभूत जन सवालों को लेकर शुक्रवार को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के तत्वाधान में सैकड़ो किसान-मजदूर, महिलाओं ने भारी तादाद में विरोध प्रदर्शन किया, जुलूस थाना चौक से निकलकर बाजार के सभी प्रमुख मार्गो से होते हुए संग्रामपुर प्रखंड कार्यालय पहुंचा। जुलूस में कार्यकर्ता हाथों में लाल पताके लिए नारे लगा रहे थे। प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाना नहीं चलेगा, सर्वे में हो रहे लुट बंद करो, बिजली बिल के बहाने झूठा मुकदमा करना बंद करो, अंचल कार्यालय को बिचौलियों से मुक्त करो, आदि गगन भेदी नारों से पूरा बाजार गूंजायमान हो गया। जुलूस का नेतृत्व प्रखंड सचिव रणजीत राम व सुधीर यादव कर रहे थे। बाद में पांच सदस्य शिष्य मंडल प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलकर अपने 12 सूत्री मांगों का ज्ञापन सोपा। प्रखंड विकास पदाधिकारी त्वरित पहल करने का आश्वासन दिया। जुलूस वही सभा में तब्दील हो गई। मौके पर मौजूद एसयूसीआई कम्युनिस्ट के जिला सचिव सह ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के बिहार राज्य सचिव कृष्णदेव शाह सभा में उपस्थित किसान-मजदूर नौजवानों, महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा आज पूरा देश 18वीं लोकसभा चुनाव से बाहर आकर खुले में सांस ले रहा है, चुनाव के दौरान पूंजीपति वर्ग की दो भरोसेमंद पार्टी भाजपा व कांग्रेस ने लोक लुभावने नारों की झड़ी लगा दी। किसान मजदूर की बदहाली, युवाओं के रोजगार, महंगाई जैसे मुद्दों पर किसी ने कुछ ठोस नहीं कहा। केंद्र एवं राज्य सरकार अपने जन-विरोधी नीतियों को लगातार गरीब जनता के माथे मढकर उनके दर्द को और बढ़ा रही है। उन्होंने कहा आज पूरे देश में सांप्रदायिक जहर फैला कर गरीब जनता को मूलभूत समस्याओं से भटकाने की कोशिश की जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर बिजली बिल वसूली के बहाने गरीब जनता को झूठे चोरी केस में फसाया जा रहा है, दलित-महादलित परिवार को पर्चा देने के बहाने मोटी रकम वसूली जाती है। उन्होंने कहा समय रहते इन तमाम समस्याओं का समाधान न होने पर पार्टी के कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन चलाने पर मजबूर होंगे। राज्य की नीतीश सरकार मजदूरों के पलायन को रोक पाने में अक्षम साबित हुए दिन-प्रतिदिन हजारों की तादाद में लोग रोजी-रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। श्री शाह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा चुनाव के रास्ते हम व्यक्ति बदलते हैं सिस्टम वहीं रह जाता है अब जरूरत सिस्टम पर चोट करने की है। युवा साथियों को आगे आकर आंदोलन की ताकत को मजबूत करते हुए सर्वहारा के महान नेता कामरेड शिवदास घोष के विचारों पर चलकर क्रांति की तैयारी करनी होगी तभी भगत सिंह, सुभाष बोस, चंद्रशेखर आजाद के सपनों का भारत बन सकता है। सभा में उपस्थित उत्तम दास, किसान नेता भारत मंडल, नारायण यादव, सुशीला देवी, गंगा मंडल, संतोष दास, वाल्मीकि मांझी, सच्चिदानंद मंडल, विनोद मंडल, मनोज यादव आदि थे ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की 78 वीं जयंती पार्टी कार्यालय तारापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर 5 जुलाई)। दलितों शोषितों अल्पसंख्यकों के मसीहा लोजपा आर के संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान की 78 वीं जयंती समारोह पूर्वक पार्टी कार्यालय रामाशीष भवन तारापुर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया। गौरतलब है कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री पासवान के तैल चित्र पर पार्टी के लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा निवेदित किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि देशभर में यह पहले नेता दलितों का थे, जिन्होंने भारत के संसद में विभिन्न मंत्रालय में बतौर केंद्रीयमंत्री रहकर अपने राजनीति जीवन काल में इन्हें 6 प्रधानमंत्री के साथ बेहतर तरीके से काम करने का मौका मिला और इनके ऊपर किसी तरह का दाग नहीं लग सका। आगे कहा कि पिता के ही बताए रास्ते पर चलकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने लोकसभा चुनाव में हाजीपुर से शानदार जीत हासिल कर भारत सरकार में प्रधानमंत्री के हनुमान को केंद्रीय मंत्री बनाया गया। आज पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय श्री पासवान जहां भी होंगे अपने पुत्र की मेहनत और तपस्या से जो पार्टी के लोकसभा चुनाव में पांच सांसद की जीत से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री पासवान आत्मा प्रभावित होंगे। वहीं दूसरी ओर पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान ने कहा कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव मैं एक जूठता के साथ पार्टी के लिए जो काम किया है उसे आगामी विधानसभा के चुनाव में दूहराती है तो आने वाले समय में दर्जन भर से अधिक पार्टी के विधायक देखने को मिलेगा। जिला परिषद सदस्य दुर्गेश सिंह संजय कुमार सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री पासवान के जीवन वृत्त पर चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी के संस्थापक ने अपने जीवन काल में जाति नहीं जमात की राजनीति करने को लेकर सदैव चर्चित रहे। आज उसका फलाफल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बल पर अपनी मेहनत से साबित कर पूरे देश को दिखाया है। इस मौके पर शशि शेखर राणा डॉक्टर सर्वेश कुमार चंद्रशेखर चौधरी रोहित कुमार सिंह जयराम मंडल जीवन सिंह विनोद कुमार सिंह इत्यादि मुख्य रूप से मौजूद थे ।

आदित्य हत्याकांड के लिए पुलिस जिम्मेवार : डॉ संजय रघुवर

प्रात: किरण संवाददाता

गया। मगधांचल समग्र विकास समिति के कार्यालय सचिव संतोष विश्वकर्मा ने प्रदेश विज्ञप्ति जारी कर बताया, कि रोहतास जिला अंतर्गत नासरीगंज में जिम संचालक स्वर्गीय आदित्य श्रीवास्तव के आवास ग्राम अमियावर में उनके परिजनों से बिहार के वरिष्ठ समाजवादी कार्यकर्ता एवं मगधांचल समग्र विकास समिति बिहार के अध्यक्ष डॉ संजय रघुवर आज दिनांक 5 जुलाई 2024 को भेंट किया।

डॉ संजय रघुवर को मृतक आदित्य श्रीवास्तव के छोटा भाई प्रिंस श्रीवास्तव ने बताया कि बालू माफिया गांधी चौधरी ने सोन नदी से बालू निकालने एवं संग्रहण करने के लिए उनकी निजी जमीन कब्जा करने के लिए विगत दिसंबर 2023 को इन पर जानलेवा हमला किया था, जिसकी सूचना नासरीगंज थाना को दी गई थी पर नसरीगंज थाना में कोई कार्यवाही नहीं की विगत 2024 लोकसभा चुनाव में गांधी चौधरी की पत्नी प्रियंका चौधरी काराकाट लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार थी ,जिसने आदित्य श्रीवास्तव को धमकी दी थी, कि चुनाव के बाद तुम्हें गोली से छलनी कर देंगे इस धमकी के बाद भी पुलिस स्वर्गीय आदित्य श्रीवास्तव को सुरक्षा प्रदान नहीं की फलस्वरूप हत्या हुई है। इस हत्या के बाद नासरीगंज अमियावर के हजारों नागरिकों ने 3 जुलाई 2024 को शाम में कैंडल मार्च निकालकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग तथा 4 जुलाई 2024 को सी.पी.आई. एम.एल विधायक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में सी.पी.आई.एम.एल के एक प्रतिरोध मार्च निकाला इसके बाद डॉक्टर संजय रघुवर ने प्रातः मोबाइल पर विधायक अरुण कुमार सिंह को बधाई दिया है। डॉक्टर संजय रघुवर ने बताया कि सांसद कामरेड राजा राम सिंह से मोबाइल पर उनकी बात हुई ,और सांसद कामरेड राजाराम सिंह विधायक कामरेड अरूण कुमार सिंह इस मामले में गंभीर हैं,।

ओजस्विनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनी ठुकराल ने गया के पावन मंदिरों एवं सीता कुंड का किया दर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

गया। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद की महिला शाखा ओजस्विनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनी ठुकराल के दो-दिवसीय गया प्रवास के अंतिम दिन ओजस्विनी एवं राष्ट्रीय महिला परिषद की बहनों के साथ सुश्री रजनी ठुकराल के साथ माँ मंगलागौरी शक्तिपीठ, सीता कुंड, विष्णुपद मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया है। ओजस्विनी की गया जिलाध्यक्ष डॉ रश्मि प्रियदर्शनी एवं जिला महामंत्री अमीषा भारती के नेतृत्व में ओजस्विनी राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनी ठुकराल ने अन्य अहिप कार्यकर्ताओं के साथ सीता कुंड परिसर एवं फल्गु तट का भ्रमण किया तथा इसे भारतवर्ष के गौरवशाली स्थानों में से एक बताया। सुश्री ठुकराल ने सीता कुंड परिसर के भ्रमण के दरम्यान कहा कि कभी वह गया जी से जुड़ी माता सीता द्वारा उनके श्वसुर दशरथ जी को पिंडदान दिये जाने की कथा पुस्तकों में पढ़ती थीं, आज उन्हें उस स्थान पर आने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने अपने प्रथम बार के गया प्रवास को एक परम सौभाग्यपूर्ण अवसर ठहराया तथा अहिप, गया के सभी भाई-बहनों से प्राप्त स्नेह और सम्मान को अपनी अविस्मरणीय उपलब्धि ठहराया है। रजनी ठुकराल ने राष्ट्रीय महिला परिषद की अध्यक्ष मधु शर्मा, नीलम मिश्रा, वीणा गिरी, सरिता त्रिपाठी, रजनी त्यागी, सविता अग्रवाल सहित सभी बहनों एवं महिलाओं को सांगठनिक एकता, प्रेम, सद्भाव, सामन्जस्य बनाये रखने का निर्देश दिया है। ओजस्विनी एवं राष्ट्रीय महिला परिषद की बहनों, राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत महामंत्री शशिकांत मिश्र, कार्याध्यक्ष मुक्तामणि, विभाग महामंत्री राम बारिक, समाजसेवी मणिलाल बारिक, विश्वजीत चक्रवर्ती, मुकेश कुमार, विक्की कुमार, रतन गायब, अश्विनी कुमार, सौरभ सिंह, विकास कुमार आदि ने ओजस्विनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनी ठुकराल के.दो-दिवसीय गया प्रवास के समापन के उपरांत कृतज्ञता सहित विदाई दी और पुनः किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य के साथ गया पधारने की आशा भी जतायी।

शांति निकेतन एकेडमी में फ्रूट सैलेड एक्टिविटी मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया। शांति निकेतन एकेडमी शहर की ए.पी. कॉलोनी, कटारी हिल रोड व चाकंद के रौना स्थित शांति निकेतन एकेडमी के सभी शाखाओं में फ्रूट-वेजिटेबल सैलेड आर्ट एक्टिविटी करायी गयी। इसमे जूनियर छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। शिक्षिकाओं ने छात्राओं के द्वारा फूट वेजिटेबल जैसे आम, लीची. अंगूर, अनारस, खीरा, चेरी, गाजर, टमाटर, पत्ता गोभी, बिन, सेब, केला, किवी व अन्य फ्रूट-वेजिटेबल से सैलेड आर्ट एक्टिविटी कराते हुये बताया कि कैसे हर साधारण चीज को खूबसूरती से प्रस्तुत किया जा सकता है एवं स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। हर एक वस्तु में कला छिपी है। जरूरत है तो इसकी प्रस्तुतीकरण की शिक्षिकाओं ने फ्रूट वेजिटेबल की विशेषता छात्रो को बताया। शिक्षिकों ने कहा की हमें सारी सब्जियां फल और सलाद का प्रतिदिन सेवन करना चाहिए। यह हमारे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है। फुतीर्ला, मजबूत और स्वस्थ बनाती है। विद्यालय के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने बताया कि इस एक्टिविटी के माध्यम से वे बच्चे जो फल एवं सब्जियों से दूर भागते है और वह बाहरी जंक फूड ,फास्ट फूड में रूचि रखते है। उन्हें फ्रूट वेजिटेबल खाने के लिए प्रेरित करना है। फल एवं हरी सब्जियों प्रतिदिन खाने की आदत सभी लोगों में होनी चाहिए। इसलिए आज शांति निकेतन एकेडमी में फ्रूट सलाद ऐक्टिविटी छात्र-छात्राओं के बीच कराया गया है। बच्चों को सीधा फल खाने में रूचि नहीं होती है लेकिन उसी फलों को मिक्स करके आकर्षक तरीके से सलाद बनाकर बच्चों को स्वादिष्ट लगता है। जो उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यत ही लाभकारी है। इसलिए बच्चों में शुरू से ही फल एवं हरे सब्जी युक्त सलाद खाने की आदत डालनी चाहिए ताकि वे जंक फूड,फास्ट फूड से बच सके। जब स्वस्थ आहार लेंगे तब ही बच्चों का स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क होगा। जिससे वे ऊजार्वान एवं बुद्धिमान बनेंगे।

टिकारी युवक हत्या कांड का खुलासा एक अपराधी को गिरफ्तार- एस एस पी

गया। पुलिस ने बड़ी कारवाई करते हुए युवक हत्या कांड का खुलासा करते हुए हत्या मे सामिल एक अपराधी को गिरफ्तार किया मोबाइल भी बरामद किया है बिहार के गया जिले मे गया पुलिस ने हत्या कांड का खुलासा करते हुए एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। दो मोबाइल भी बरामद किया है ये उक्त बाते एसएसपी आशीष भारती ने प्रेस कांफ्रेस कर दी जानकारी शुक्रवार को इस संदर्भ मे गया के एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि 28/6/2024 को गया जिले के टिकारी राज्य इंटर स्कुल मे एक युवक का पेड़ मे लटका हुआ एक युवक का शव बरामद किया था।पुलिस ने इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए एक स्पेशल टीम गठित कर उचित कारवाई करते हुए हत्या करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। युवक का नाम शाहवीर कुमार है। और ये टिकारी थाना क्षेत्र के छावनी का रहने वाला है आगे यह भी बताया कि आरोपी शाहवीर मृतक युवक के घर उसकी छोटी बहन को पढ़ाने के लिए जाता था ! और ट्यूशन फीस को लेकर मृतक के बड़ी से आरोपी शाहवीर से मोबाइल पर बातचीत हुआ करता था उसी दौरान दोनों मे धनिष्ठा बढ़ गई जब इस बात को मृतक युवक को जानकारी मिली तो मृतक युवक ने आरोपी को धमकी देने लगा और फिर घात लगाकर आरोपी शाहवीर कुमार युवक को हत्या कर राज इंटर कालेज परिसर मे पेड़ मे शव फंदे से लटका दिया था । पुलिस ने इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए हत्या करने वाले शाहवीर कुमार को गिरफ्तार किया है।

प्रदेश युवा महासचिव ने पौधारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करने के संकल्प लिए

प्रात: किरण संवाददाता

गया। राष्ट्रीय जनता दल के 28 वहां स्थापना दिवस गया के अंतरराष्ट्रीय स्थल प्रेतशिला एवं मिलिट्री कैंट में पौधारोपण करके राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश युवा महासचिव विश्वनाथ यादव ने कार्यकताओं के साथ मनाया गया है।राष्ट्रीय जनता दल का झंडा हम सभी बिहार में हरियाली चाहते हैं इसलिए 28वां में स्थापना दिवस पौधारोपण करके एवं पौधा पेड़ बन जाए इसकी रक्षा हेतु संकल्प लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के निर्देश पर पूरे बिहार में स्थापना दिवस पौधारोपण कर मनाया जा रहा है। प्रदेश युवा महासचिव ने कहा कि जिस तरह से आज पूरे देश दुनिया मौसम प्रतिकूल हो चुका है 50 डिग्री से ऊपर तापमान चला गया बरसात पूरा नहीं होता है पूरा देश दुनिया आक्रांत है इसलिए इस देश के एक-एक लोगों का कर्तव्य है की एक-एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को संतुलित करें। पेड़ जीवन के लिए जरूरी है और पौधारोपण करके राष्ट्रीय जनता दल पूरे देश में या संदेश देना चाहती है की राष्ट्रीय जनता दल पर्यावरण के प्रति गंभीर है और एक-एक कार्यकर्ता आज पूरे बिहार में पौधारोपण करके पर्यावरण को संतुलित कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व विधायक शिवबचन यादव, युवा राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वनाथ यादव, वीरेंद्र गोप युवा राष्ट्रीय जनता दल के जिला के प्रधान महासचिव पवन कुमार वर्मा, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा,मुखदेव यादव, पंकज यादव, मुकेश चंद्रवंशी, अवधेश यादव, सत्येन्द्र पांडे, रविन्द्र कुमार यादव, दिव्यांश यादव, पप्पू कुशवाहा, गांगुली कुमार, कपिल कुशवाहा,चंदन कुशवाहा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित हुए हैं।

युवकों ने की थी चाकूबाजी, दोषी करार

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे तीन सुनील कुमार सिंह ने दाउदनगर थाना कांड -337/22 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए तीन अभियुक्त को हत्या के जुर्म में दोषी ठहराया है। एपीपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त आदिल अंसारी अंजान शहीद दाउदनगर, विकास कुमार नालबंद टोला दाउदनगर, रियाज हजाम माली टोला दाउदनगर को भादंवि धारा 302/34 में दोषी करार दिया है सजा के बिन्दु पर सुनवाई के तिथि 09 जुलाई 24 निर्धारित किया गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक दिनेश यादव नालबंद टोला दाउदनगर ने 20 जून 22 को थाना में अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि अभियुक्त विकास कुमार रात्रि 08 बजे फोन कर मेरे किशोर पुत्र अक्षय कुमार को घर से बाहर बुलाता है और शान्ति भवन ले जाकर अन्य अभियुक्तों के साथ मिलकर चाकू से गोद कर बुरी तरह घायल कर देता है। हल्ला सुनकर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंचे तो

सभी अभियुक्तों को भागते हुए देखा, अक्षय कुमार का पेट छाती कनपटी से खून बह रहा था अनुमंडलीय अस्पताल दाउदनगर ने मृत घोषित कर दिया था। पोस्टमार्टम कराने के पश्चात प्राथमिकी दर्ज कराई। इस वाद की सुनवाई दो साल में ही पुरी कर ली गई है। अभियुक्तों को मंगलवार को सजा सुनाई जाएगी।

ज़िला के चार बार रक्तदान किए रक्तदाताओं एवं रक्तवीरंगनाओं को किया गया सम्मानित

गया। गया जिला के वित्तीय वर्ष 2023- 24 के रक्तदान किए रक्तदाताओं एवं रक्तदात्रियों को गया जिलाधिकारी डॉक्ट्ठ त्यागराजन एसएम के द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के उद्घाटन में जिलाधिकारी डॉक्ट्ठ त्यागराजन एसएम ने कहा कि ये पूरे मगध क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है कि आपलोग इंसानियत के लिए किसी असहाय को रक्तदान कर रहे हैं और ये सबसे बड़ा धर्म है। वहीं अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के रक्त अधिकोष केंद्र के प्रभारी डॉक्ट्ठ दिलीप कुमार पांडेय आइसीएमओ ने रक्तदाताओं हौसला अफजाई करते हुए उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की है। और उन्होंने कहा कि गया जिला में शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड, शहीद भगत सिंह यूथ परिवार , संत निरंकारी संस्था , ह्यूमन हुड फाउंडेशन , दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार एक ऐसी संस्था है जो गया जिला में रक्त की कमी को कभी महसूस नहीं होने दी है और युवाओं को नियमित रक्तदान को लेकर प्रेरित करते आई है। इस सम्मान समारोह में अमरनाथ , पूनम कुमारी, अभिषेक कुमार , सुदीप कुमारी, सुधीर कुमार, आयुष कुमार वर्मा, अरविंद कुमार, राजेश कुमार, मनीष शुक्ला, अमित कुमार आदि को सम्मानित किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के रक्त अधिकोष केंद्र के डॉक्ट्ठ लालदेव , डॉक्ट्ठ अनिमेष, लैब टेक्नीशियन, शिव कुमार, विशाल कुमार, परामर्शी रवि प्रकाश, जय किशोर कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिला राजद द्वारा धुमधाम से मनाई गई स्थापना दिवस

गया। गया जिला राष्ट्रीय जनता दल के जिला कार्यालय में राष्ट्रीय जनता दल का 28 वां स्थापना दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया है। गया जिला के जिला अध्यक्ष मो. मुर्शीद आलम उर्फ नेजाम भाई ने केक काटकर सभी पदाधिकारिओ और कार्यकताओं को मुंह मीठा कराया है। इस कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष जितेन्द्र यादव, ज़िला उपाध्यक्ष बुलबुल अंसारी, जिला उपाध्यक्ष संजू यादव, मोनोरिटी अध्यक्ष इलियास अंसारी, जिला महासचिव रंजन यादव, नगर युवा अध्यक्ष समीर यादव, जिला मीडिया प्रभारी हामिद अंसारी, सदाब आलम, राजू श्रीवास्तव, बिशु यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

ओबरा थानाध्यक्ष को शोकोज

औरंगाबाद। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग औरंगाबाद ने एक वाद के आदेश के अनुपालन न होने पर कार्रवाई की है। जिला उपभोक्ता अदालत के सदस्य बद्रीनारायण सिंह ने परिवाद संख्या -113/23 में सुनवाई करते हुए कहा कि विपक्षी के अनुपस्थित पर वारंट के बाद 02/05/24 को गैर-जमानती वारंट जारी किया था परंतु इसके अनुपालन से सम्बन्धित कोई भी प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि थानाध्यक्ष ओबरा को आदेश दिया गया है कि 07 दिन के अंदर उपभोक्ता अदालत में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा आयोजन को लेकर किया गया बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। अम्बेडकर भवन के सभागार मे जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर एक बैठक आयोजन किया गया। इस अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भुषण कुमार ने किया।इस अवसर पर उपस्थित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा विजय कुमार, आई सी डी एस गुंजन मौली , बी एच एम बिश्वजीत कुमार, पी एस आई इण्डिया अमीत कुमार, प्रोग्राम लिडर रजनीश कुमार,रजनी कुमारी, गांधी फेलो प्रिति कुमारी, अंजली कुमारी साथ जिविका दीदी कृषि विभाग के तमाम कर्मियों उपस्थित रहे। इस अवसर पर 11जुलाई से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण करण पखवाड़े का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है जिनमे आप लोगों के सहभागिता अहम होनी सुनिश्चित किया गया है। प्रखंड स्वास्थ्य केन्द्रों के लिऐ 109 महिलाओं को बंध्याकरण के साथ पुरुष नसबंदी करण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस कार्यक्रम के लिये।11जुलाई को विश्व पोलेशन डेय के रुप मनाया जाएगा। इसके तहत हेल्प मेला का आयोजन सभी एच डब्लू एस एवं पीएचसी मे लगाया जायेगा।

नए कानून में सर चढ़कर बोलेगा पुलिसिया आतंक - सपा

- कृषि कानून के तरह ही नए कानून के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग - पप्पू

मुंगेर (बिहार)। अंग्रेजी कानून हटाने के नाम पर तानाशाह मोदी सरकार ने तीन नया अपराधी कानून भारतीय न्याय संहिता ,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू कर पुलिस को बड़ी शक्तियां प्रदान कर दी है ।जिसका विरोध अति आवश्यक है । ये बातें समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने 1 जुलाई से लागू तीन नए कानून के विरोध के लिए आम लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील करते हुए प्रेस से कहा है। श्री यादव ने कहा कि यह तीनों संहिताएं भारतीय दंड संहिता 1860 दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान लेगी जो मूलभूत नागरिक स्वतंत्रताएं जैसे बोलने की स्वतंत्रता एकत्रित होने की स्वतंत्रता प्रदर्शन करने के स्वतंत्रता एवं अन्य नागरिक अधिकारों को अपराध की श्रेणी में लाने के लिए कठोर प्रावधान किए गए है। श्री यादव ने कहा की नए कानून बनाने के नाम पर केन्द्र की तानाशाह सरकार ने भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 124 ए को कायम रखा है लेकिन भूख हड़ताल जैसे आन्दोलन को अपराध की श्रेणी में शामिल कर दिया है यही नही नए कानून के तहत पुलिस को कई अनियंत्रित शक्तियों से लैस किया गया। जिससे आने वाले समय मे पुलिस का जुल्म और आतंक सिर चढ कर बोलेगा और पुलिस के दम आम जन भावनाओं को आन्दोलनों को कुचल कर रख दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा की समय रहते अगर इन तीनों नए कानून का काली कृषि कानून के तरह आम जनों के द्वारा सड़क पर विरोध नहीं किया गया तो इसके दुष्परिणाम जनता को बुरी तरह भुगतना पड़ेगा।

सत्यचंडी धाम आद्रा मेला के तेरहवें दिन शक्ति उपासना के साधकों की जूटान

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद से 05 किमी की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम में आद्रा मेला के तेरहवें दिन श्रद्धालुओं की आस्था बारिश पर भारी पड़ी।तेज बारिश के बावजूद भी लोग दर्शन के लिए कतारबद्ध होकर माता के दरबार में हाजिरी लगाई। सत्यचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष आद्रा मेला में श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन बढ़ती ही गई। श्रद्धालुओं के सुविधा का पूरा ख्याल रखा गया इसके लिए सुरक्षा की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त की गई।वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मेला क्षेत्र का बराबर निगरानी करती रही।सत्यचंडी धाम न्यास समिति के कार्यकर्ता लगातार लगे रहे एवं भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसका पूरा ख्याल रखा गया। सत्यचंडी धाम औरंगाबाद जिले के प्रमुख शक्तिपीठ के रूप में वर्णित है।आद्रा के मौके पर बहुत से श्रद्धालु भक्त यहां विभिन्न प्रकार की साधनाओं को पूर्ण करने यहां आते हैं और साधना को पूर्ण कर जीवन क्षेत्र में सभी के लिए विशेषज्ञ बनकर सामाजिक समरसता को मूर्त रूप देते हैं। सत्यचंडी धाम की महिमा पुराणों में भी वर्णित है ।श्रुतियों में ऐसा कहा गया है कि यहां ऋषि मुनियों ने सौ से भी अधिक चंडी पाठ को समर्पित यज्ञ का आयोजन किया था इसलिए इसका नाम सत्यचंडी रखा गया। मेला के सफल संचालन में पिंटू सिंह, उपमुखिया राहुल सिंह, अमरेश सिंह,अरुण सिंह,सुरेंद्र सिंह,चंदन मिश्रा,पुजारी जय श्री बाबा आचार्य राम प्रवेश मिश्रा, जिला परिवहन संघ के अध्यक्ष राम सकल सिंह ने विशेष भूमिका निभाई।

अनुग्रह बाबू की आदमकद प्रतिमा लगाने की मांग

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में जम्होर विकास मंच के तत्वावधान में बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह के 67 वीं पुण्यतिथि पर सामयिक संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह के आह्वान पर सामयिक संवाद करते हुए संस्था के संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने कहा कि आजादी की लड़ाई में बिहार विभूति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1917 ईस्वी में चंपारण सत्याग्रह में जब महात्मा गांधी ने बिहार का दौरा किया था। तो उस आंदोलन के सूत्रधार बिहार विभूति ही थे। उस आंदोलन में अनुग्रह बाबू ने अपना सब वैभव को त्याग कर महात्मा गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का कार्य किया था।आजादी के पश्चात जब बिहार में सरकार बनी तो उस सरकार के वे पहले उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री के रूप में पूरे बिहार में विकास की गंगा बहाई थी। संस्था के सदस्यों ने मांग किया कि बिहार के पाठ्यक्रम में अनुग्रह बाबू के जीवनी को शामिल किया जाए एवं उनके जयंती एवं पुण्यतिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।साथ-ही-साथ अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन पर उनकी आदमकद प्रतिमा भी लगाई जाए। मौके पर सुजीत कुमार सिंह,राणा सुनील सिंह, रामपुकार ओझा, गायक अमित कुमार सिंह सोमप्रकाश रविकर, सौरभ राज सहित अन्य उपस्थित थे।

केक काट कर मनाया गया राजद का 28 वां स्थापना दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। राष्ट्रीय जनता दल के 28 वां स्थापना दिवस पर प्रखंड के जनकपुर गांव में तारापुर विधानसभा के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी सह राजद नेता संजय कुमार के नेतृत्व में केक काट कर मनाया। पुर्व निर्दलीय प्रत्याशी श्री कुमार ने कहा की राजद का स्थापना दिवस था और आगामी 2025 में विधानसभा चुनाव होना है। इसकी तैयारी भी जनकपुर गांव से किया जा रहा है। उन्होने कहा इस क्रम में प्रखंड के कई गांव का दौरा भी किया और लोगों से मिले भी क्यों कि 2025 दुर नहीं है इस बार राजद महागठबंधन इंडी 243 में 200 से ज्यादा सीट जीत कर विधान सभा में उपस्थित दर्ज कर सरकार बनाने का लक्ष्य है। उन्होने कहा राजद के युवा नेता सह पुर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का लक्ष्य है बिहार में राजद की सरकार बनी तो वो पढ़ाई-दवाई-सिंचाई- कमाई और कार्रवाई पर काम करेंगे और उप मुख्यमंत्री ने इस पर काम शुरू ही किया था 17 महिने में 05 लाख से ज्यादा नोकरी देने का काम किया।अगर बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार पलटी नही मारते तो अभी 10 लाख नौकरी का वादा पुरा हो गया रहता। इस मौके पर राजद के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

08 अभियुक्तों को हुई सजा

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के एडीजे तीन सुनील कुमार सिंह ने टंडवा थाना कांड संख्या -42/15 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए सभी 08 अभियुक्तों को सजा सुनाई है। एपीपी शिवपूजन प्रजापति ने बताया कि अभियुक्त गुप्तेश्वर पासवान, कन्हाई पासवान, उपेन्द्र पासवान, जयराम पासवान, राजकुमार पासवान, रंजीत पासवान, विक्रमा पासवान विशुनपुर टंडवा को भादंवि धारा -307/149 में तीन साल की सजा और दस हजार जुमार्ना सुनाई है तथा भादंवि धारा -504/149 में दो साल की सजा और पांच हजार जुमार्ना लगाया है दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक मनोज पासवान विशुनपुर टंडवा ने 21 सितंबर 15 को प्राथमिकी में बताया था कि अभियुक्तगण श्मशान घाट से बालू का अवैध कारोबार करते थे। 21 सितंबर 15 को ग्रामीणों के विरोध करने पर धारदार हथियार से अभियुक्तों ने बालेश्वर यादव,मधु यादव, दिलीप यादव को बुरी तरह से घायल कर दिया था, अभियोजन की ओर से इस वाद में डॉ आई. ओ. सहित नौ गवाही हुए थे।

एसडीओ ने कच्ची कामरिया पथ का किया निरीक्षण

संग्रामपुर (मुंगेर)। तारापुर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन ने मनियां एवं कुमरसार धर्मशाला सहित कच्ची कमरिया पथ का निरीक्षण किया अनुमंडल पदाधिकारी श्री रंजन ने संग्रामपुर प्रखंड के विभिन्न विभाग के पदाधिकारी को श्रावणी मिलना शुरू होने से पहले हर कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी कार्य में कोई कमी नहीं हो ताकि शिव भक्तों की सेवा मैं कोई कमी नहीं हो उन्होंने बिजली पेयजल स्वास्थ्य सुरक्षा एवं शौचालय पर चर्चा की मौके पर संग्रामपुर थानाध्यक्ष रूबिकांत कक्षप ,सीओ नीशीथ नंदन,बिजली विभाग अभियंता राकेश कुमार आदि मौजूद थे।

महारागिनी फिल्म से जुड़े आदित्य सील

तेलुगु फिल्मों के शानदार निर्देशक चरण तेज उप्पलापति अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म महारागिनी लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में मशहूर अभिनेत्री काजोल और प्रभुदेवा नजर आने वाले हैं। दोनों कलाकार करीब 27 साल बाद स्क्रीन पर एक साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले ये जोड़ी साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म सपने में नजर आई थी। हाल में ही फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसमें काजोल का दमदार एक्शन देखने को मिला। अभिनेत्री का ये अंदाज देख कर उनके फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

महारागिनी से जुड़े आदित्य सील

इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अभिनेता आदित्य सील भी शामिल हो गए हैं। उन्हें तुम बिन 2 और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। अभिनेता अपनी इस भूमिका को लेकर काफी रोमांचित हैं और उन्होंने इस अवसर को खुद के लिए काफी महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। एक अभिनेता के तौर पर वह काजोल और प्रभुदेवा का काम देखते हुए बड़े हुए हैं, ऐसे में इन दिग्गजों के साथ पर्दे पर नजर आना, उनके लिए काफी शानदार अनुभव है। वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

एक्शन अवतार में काजोल

बीते 28 मई को फिल्म महारागिनी- क्वीन ऑफ क्वींस का टीजर रिलीज हुआ था। इस फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है, जिसके बाद ही टीजर जारी किया गया था। इसमें प्रभुदेवा अपने साउथ स्टाइल में काफी जंच रहे थे, जबकि काजोल एक्शन अवतार में मारपीट करती नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने एक दमदार डायलॉग भी बोला, जिसमें वह कहती हैं, पावर मांगकर नहीं, छीन कर ली जाती है। फिल्म में काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, आदित्य सील , संयुक्ता मेनन, जीशु सेनगुप्ता जैसे कई शानदार कलाकार नजर आने वाले हैं।

चमकीला के बाद अच्छे रोल मिलने लगे हैं, इसकी सक्सेस फेक नहीं है

परिणीति चोपड़ा फिल्म चमकीला में नजर आई थीं। फिल्म का डायरेक्शन इम्तियाज अली ने किया है। परिणीति चोपड़ा ने फिल्म की सक्सेस पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि इस फिल्म की सक्सेस फेक नहीं है। उन्होंने इस सक्सेस को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड बताया।

परिणीति ने कहा- ये फिल्म उनके लिए टर्निंग पॉइंट रहा है। अमरजोत का किरदार निभाने के बाद उन्हें अच्छे रोल्स मिलने लगे हैं। उन्होंने शेयर किया कि आमतौर पर लाइफ टाइम अचीवमेंट 50 साल की सेवा के बाद मिलता है। लेकिन ये सक्सेस मुझे वही एहसास देता है। इसकी सक्सेस फेक नहीं है। एक्ट्रेस को लगता है कि फिल्म को लोगों ने वास्तव में पसंद किया है और आज के समय में इससे बेहतर कोई पैरामीटर नहीं हो सकता।

परिणीति ने बताया कि ये उनके लिए बहुत शॉकिंग है। चमकीला करने के बाद उन्हें पहले की तुलना में बहुत अलग किरदार मिल रहे हैं।

परिणीति ने कहा- अमरजोत के किरदार में डायरेक्टर्स ने मेरी परफॉर्मेंस में कुछ ऐसा देखा है, जो पहले किसी फिल्म में नहीं देखा। एक डायरेक्टर ने परिणीति को बुलाकर कहा कि पूरी फिल्म में तुम्हारी आंखों में कुछ था। जब मैं अपनी फिल्म लिख रहा था, तो मैंने तुम्हारे बारे में कभी नहीं सोचा था। लेकिन चमकीला देखने के बाद तुम्हारे अलावा किसी और एक्ट्रेस के बारे में सोच भी नहीं पा रहा। इसलिए परिणीति को लगता है कि अब डायरेक्टर्स उन्हें एक अलग नजरिए से देख पा रहे हैं, अगर मैंने अमरजोत का किरदार न निभाया होता तो ऐसा नहीं हो पाता। ये मेरे लिए बड़ा टर्निंग पॉइंट रहा है।

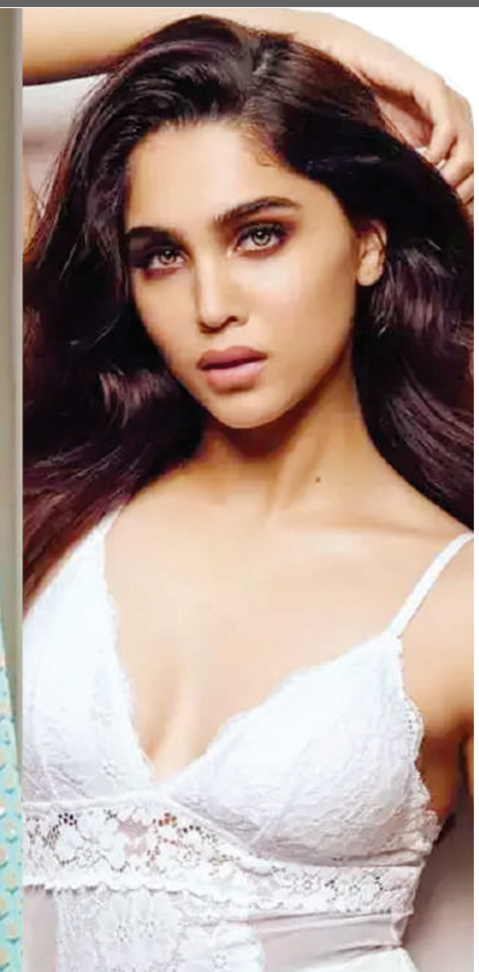

यशराज फिल्म्स ने आलिया भट्ट, शरवरी की जासूसी ब्रह्मांड फिल्म की घोषणा की

प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स ने आखिरकार पहली महिला प्रधान जासूसी फिल्म का नाम घोषित कर दिया है, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में होंगी। निर्माताओं ने मोशन पोस्टर के साथ फिल्म के शीर्षक यानी अल्फा की घोषणा सोशल मीडिया पर की। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म 'अल्फा' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। आदित्य चोपड़ा की इस फिल्म में दोनों स्पाईवर्स में सुपर-एजेंट की भूमिका में नजर आएंगी। निर्माताओं ने 5 जुलाई को शीर्षक की घोषणा की और बताया कि शूटिंग शुरू हो चुकी है। आलिया और शरवरी की जासूसी थ्रिलर का नाम 'अल्फा' है। शीर्षक के खुलासे के साथ, उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें दिखाया गया है कि दोनों सितारे बड़े पर्दे पर कैसे तहलका मचाएंगे। टाइटल रिवील वीडियो में आलिया भट्ट कहती सुनाई दे रही हैं, ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर और हमारे कार्यक्रम का आदर्श वाक्य सबसे पहले, सबसे तेज़, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है। और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा! (ग्रीक वर्णमाला का पहला अक्षर और हमारे कार्यक्रम का आदर्श वाक्य- सबसे पहले, सबसे तेज़, सबसे बहादुर। अगर आप ध्यान से देखें, तो हर शहर में एक जंगल है। और जंगल में हमेशा राज होगा... अल्फा)। निर्माता आदित्य चोपड़ा पहली महिला प्रधान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म को एक्शन तमाशा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शिव रवैल द्वारा निर्देशित अल्फा 5 जुलाई को फ्लोर पर आ गई। 'अल्फा' के अलावा वाईआरएफ की अगली फिल्म 'वॉर 2' है जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर मुख्य भूमिका में हैं। इस ब्लॉकबस्टर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'टाइगर बनाम पठान' है।

वरुण धवन की बेबी जॉन में होगा सलमान खान का कैमियो?

वरुण धवन और एटली की फिल्म बेबी जॉन इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज में से एक है। फिल्म को पहले इस साल मई में नाटकीय रिलीज के लिए निर्धारित किया गया था, हालांकि, रिलीज को 25 दिसंबर, 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कलीस के निर्देशन पर नवीनतम अपडेट यह है कि सलमान खान कथित तौर पर बेबी जॉन में एक कैमियो के लिए बोर्ड पर आए हैं। फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार नजर आएंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बेबी जॉन में सलमान खान की कैमियो उपस्थिति का विवरण गुप्त रखा गया है। हालांकि, यह उम्मीद की जाती है कि सुपरस्टार के लिए एक सामूहिक एक्शन सीक्वेंस विशेष रूप से लिखा और डिजाइन किया जाएगा। वरुण, सलमान के साथ इस एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा बनेंगे। बताया गया है कि यह सीक्वेंस मौसम की स्थिति के आधार पर जुलाई के अंत या अगस्त तक शूट किया जाएगा। अनजान लोगों के लिए बेबी जॉन की मुख्य फोटोग्राफी पूरी हो चुकी है। लेकिन एक गाना और वरुण के साथ सलमान का एक्शन सीक्वेंस शूट करना बाकी है। पिछले हफ्ते, धवन ने फिल्म की नई रिलीज डेट के बारे में आधिकारिक घोषणा की थी। अपनी फिल्म का एक नया पोस्टर साझा करते हुए, वरुण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, इस साल क्रिसमस और भी शानदार हो गया है। 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली बेबी जॉन के लिए तैयार हो जाइए।

इंडस्ट्री आंकड़ों के इर्द-गिर्द घूम रही, यह सही नहीं

आजकल फिल्मों के बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाने लगा है। 100 करोड़ रुपये की कमाई तो मानो पुराने जमाने की बात हो गई है। अब 500-1,000 करोड़ रुपये के कलेक्शन की बातें होती है। टिकट खिड़की पर होने वाली इस कमाई को लेकर निर्देशक कबीर खान ने अपनी बात रखी है, जो इन दिनों अपनी नई फिल्म चंदू चैंपियन के कारण चर्चा में बने हुए हैं। बॉक्स ऑफिस पर कमाई के आंकड़ों को बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट और बल्क में टिकट बुक करने का चलन बढ़ता जा रहा है। इससे फिल्म के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की जाती है, क्योंकि ज्यादा कमाई को बढ़िया फिल्म के पैमाने के तौर पर देखा जाने लगा है। इस मामले को लेकर कबीर खान का कहना है कि फिल्म निर्माताओं और वितरकों को लगता है कि इससे उनके व्यापार में मदद होगी। कबीर ने यह भी कहा कि ऐसा करके निर्माता या वितरक किसी को लूट भी नहीं रहे हैं, इसलिए इस मुद्दे पर उनकी खुद की कोई नैतिक स्थिति नहीं हैं। कबीर खान ने कमाई के आंकड़े बढ़ाने के लिए आजमाए जा रहे इन तरीकों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री आंकड़ों के इर्द-गिर्द घूमने लगी है, जिसे वो सही नहीं मानते हैं। कबीर ने पुराने समय को याद करते हुए कहा कि जब वो बड़े हो रहे थे तो उन्हें फिल्मों की पहले दिन की कमाई के बारे में कुछ भी पता नहीं होता था। कबीर ने कहा कि उन्हें नहीं मालूम कि दीवार या फिर शोले फिल्म ने कितने पैसे कमाए थे। कबीर ने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर होने वाली कमाई अब एक खेल सा बन गया है, जिसे खेलने के लिए लोग आएंगे ही।

ढिंढोरा का सीजन 2 लेकर आ रहे हैं भुवन बाम

भुवन बाम यूट्यूब की दुनिया में एक बड़ा नाम और शानदार अभिनेता हैं। उन्हों बीते कई वर्षो से अपने एक खास अंदाज में लोगों का मनोरंजन किया है। उनका यूट्यूब पर बीबी की वाइन्स के नाम से एक चैनल है, जिसपर वह कॉमेडी वाले वीडियोज अपलोड करते हैं। भुवन के करोड़ो सब्सक्राइबर हैं। उन्होंने साल 2021 में अपनी ढिंढोरा सीरीज रिलीज की थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब इस सीरीज के दूसरे के सीजन को लेकर उन्होंने एक बड़ी जानकारी दी है। भुवन के यूट्यूब चैनल को शुरू हुए आज नौ साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने 10 से भी ज्यादा अलग-अलग किरदार करके दर्शकों का लगातार मनोरंजन किया है। अब इस खास मौके पर उन्होंने अपनी ढिंढोरा सीरीज को लेकर एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर जानकारी दी है कि वह ढिंढोरा सीरीज के दूसरे सीजन पर काम कर रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट साझा कर भुवन ने अपनी इस नौ साल की यात्रा को याद किया और अपने फैंस के अटूट प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। साझा किए वीडियो में उन्होंने ढिंढोरा सीजन 2 की स्क्रिप्टिंग को लेकर एक छोटी सी झलक दिखाई, जिससे उनके फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। उन्होंने बताया है कि यह सीजन टीटू मामा पर आधारित होगा। भुवन बाम ने अपने वीडियो में जानकारी देते हुए कहा, हम अभी स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने रहे हैं और इसे बनाने पहले से बड़ा बनाने और एक ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए बड़े दर्शकों तक पहुंचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह टीटू मामा और उनके जीवन पर आधारित पूरी तरह से रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा होगी।

एकता कपूर पर बनेगी बायोपिक, एकता ने होल्ड कर रखे हैं राइट्स

एकता कपूर आज इंडस्ट्री की कामयाब फीमेल प्रोड्यूसर्स में से एक हैं। एक समय था जब उन्हें टीवी क्वीन का दर्जा भी दिया गया था। हालांकि, इस सफलता के लिए उन्होंने कई संघर्षों का सामना भी किया हैं। एकता की खास दोस्त और प्रोड्यूसर निवेदिता बासु की मानें तो एकता की जीवन पर फिल्म जरूर बनेंगी। हालांकि, इसका अधिकार उन्होंने सिर्फ अपने तक ही सीमित रखा है। निवेदिता कहती हैं, ये तय है कि एकता कपूर पर बायोग्राफी कभी-न-कभी जरूर बनेगी। हालांकि, इसके राइट्स को फिलहाल उन्होंने खुद ही होल्ड किया हुआ है। एकता अपने आप में एक ब्रांड है। उनकी कहानी पर फिल्म बनाने के लिए कई लोग तैयार बैठे हैं। अब वह यह राइट्स किसे देंगी, यह बहुत बड़ा सवाल है। अगर कभी मुझे मौका मिला तो मैं उनकी बायोपिक बनाना चाहूंगी। बता दें, निवेदिता बासु ने बतौर क्रिएटिव डायरेक्टर 15 सालों तक बालाजी टेलीफिल्म्स में काम किया था। माना जा रहा था कि एकता के साथ मनमुटाव होने के बाद, दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। हालांकि, निवेदिता ने इस बात को खारिज कर दिया। निवेदिता बोलीं, एकता को मैं अपना गुरु मानती हूं। मैंने उनके साथ 15 साल तक काम किया और इस दौरान, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लोगों ने कहा कि हम-दोनों के बीच झगड़ा हुआ है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

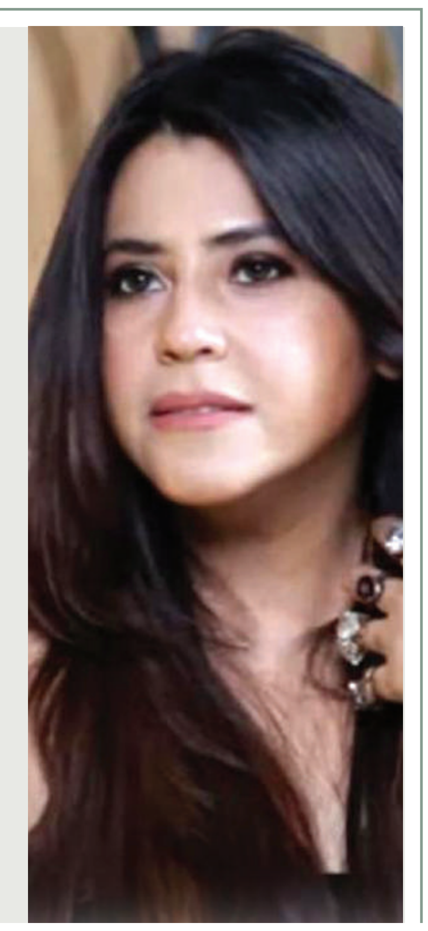

संक्षिप्त समाचार

एंबी लेबोरेटरीज लिमिटेड का आईपीओ खुला

मुंबई, एजेंसी। एग्रोकेमिकल प्रोडक्ट निर्माता, एंबी लेबोरेटरीज लिमिटेड ने 3 जुलाई, 2024 को (एंकर निवेशक के लिए) और 4 जुलाई, 2024 को (एंकर के अतिरिक्त अन्य निवेशकों

के लिए) इनिशियल पब्लिक आफरिंग के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर प्राइस बैंड पर 44.67 करोड़ एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. इश्यू साइज 10 प्रत्येक सम भाव के 65,70,000 इक्विटी शेयर्स तक है. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरत का वित्तपोषण करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा.

हम बीज से लेकर कटाई तक किसानों का साथ देना चाहते हैं: गोदरेज एग्रोवेट

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के बीज व्यवसाय ने हाल ही में अपने चैनल भागीदारों के लिए आयोजित एक बैठक में तीन नए उत्पादों के लॉन्च की घोषणा की। कंपनी ने मक्का और धान के लिए हाइब्रिड (संकर) बीजों के अपने मौजूदा पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए, मक्का में जीएमएच 6034 तथा जीएमएच 4110 और धान में नव्या के लॉन्च की घोषणा की। इस तरह कंपनी की अपनी शानदार अनुसंधान एवं विकास की क्षमताओं का लाभ उठाने और जलवायु के अनुकूल हाइब्रिड विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करने की नीति की पुष्टि होती है।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे: बादाम की खूबियों के साथ अपनी त्वचा को दें अंदर से पोषण

मुंबई, एजेंसी। अपनी त्वचा को सेहमतंद बनाये रखने के लिये सिर्फ बाहरी देखभाल ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें अंदर से पोषण देना भी जरूरी है। हम जो भी खाते हैं, उसका सीधा असर हमारी स्किन और सम्पूर्ण सेहत पर पड़ता है। इसलिये हर दिन स्वच्छ एवं संतुलित आहार लेना आवश्यक है, जिसमें बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ भी मौजूद होने चाहिये। 15 जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर बादाम हमारी त्वचा पर जादुई असर दिखाता है। रोजाना बादाम खाने से त्वचा की संरचना एवं टोन बेहतर होती जाती है। रोजाना सिर्फ मुट्ठी भर बादाम को अपनी डेली रूटीन में शामिल करने से कई फायदे मिल सकते हैं।

अप्लास्टिक एनीमिया तथा सिकल सेल बीमारी के बेहतर इलाज के लिए डॉ. एके द्विवेदी सम्मानित

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को होटल सयाजी में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी को सम्मानित किया गया। डॉ. द्विवेदी को यह सम्मान होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा अप्लास्टिक एनीमिया और सिकल सेल एनीमिया को लेकर मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण देश में किए जा रहे सबसे बेहतर कार्यों के लिए मध्यप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला द्वारा दिया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. द्विवेदी वैज्ञानिक सलाहाकर बोर्ड, सीसीआरएच, आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद के सदस्य हैं।

गांवों पर टिकी साबुन, तेल और बिस्कुट कंपनियों की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। साबुन, बिस्कुट और तेल जैसी चीजें बनाने वाली फास्ट मूविंग कंस्यूमर गुड्स कंपनियों की कमाई इस फाइनैंशल ईयर में बढ़ सकती है। हालांकि काफी कुछ इस बात पर निर्भर है कि शहरों में डिमांड न घटे और गांवों में इन चीजों की कमजोर बिक्री का हाल सुधर जाए। अगर ऐसा हो गया तो इस वित्त वर्ष में इन कंपनियों की कमाई 7 से 9 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जो वित्त वर्ष 2024 में बमुश्किल 7 प्रतिशत तक बढ़ सकी। यह बात रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कही है।

एफएमसीजी कंपनियों की कुल कमाई में करीब 40 प्रतिशत योगदान ग्रामीण इलाकों का है। क्रिसिल रेटिंग्स के डायरेक्टर आदित्य झावर ने कहा, 'फाइनैंशल ईयर 2025 में रूरल कंस्यूमर्स से वॉल्यूम ग्रोथ 6-7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। बेहतर मॉनसून की संभावना को देखते हुए उपज अच्छी होने की उम्मीद है। मिनिमम सपोर्ट प्राइसेज बढ़ाए जाने से खेती-बाड़ी से इनकम को सहारा मिलेगा। साथ ही, सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण पर जोर दे रही है। रूरल इंफ्रा पर सरकारी

खर्च बढ़ने से ग्रामीण इलाकों में सेविंग्स बढ़ाने में मदद मिलेगी और लोग ज्यादा खर्च कर सकेंगे।'

मास सेगमेंट में नरम बिक्री के बीच कंपनियां प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर फोकस बढ़ा रही हैं। 77 एफएमसीजी कंपनियों की स्टडी पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया कि प्रीमियमाइजेशन बढ़ने से ऑपरेटिंग मार्जिन 50 से 70 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 20-21 प्रतिशत हो जाएगा। इसके मुताबिक, मार्जिन इससे अधिक भी होता, लेकिन बाजार में होड़ बढ़ने से बिक्री और मार्केटिंग से जुड़े खर्च बढ़ने का असर पड़ रहा है। पिछले वित्त वर्ष में एफएमसीजी सेक्टर की आमदनी 5.6 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस वित्त वर्ष में शहरी इलाकों में वॉल्यूम ग्रोथ 7-8 प्रतिशत के करीब रह सकती है। लोगों के पास खर्च करने लायक रकम बढ़ने और कंपनियों की ओर से प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर फोकस रहने से यह ग्रोथ हासिल हो सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के असोसिएट डायरेक्टर रबींद्र वर्मा ने कहा, 'अलग-अलग प्रोडक्ट सेगमेंटस की रेवेन्यू ग्रोथ अलग होगी। फूड एंड बेवरेजेज सेगमेंट इस वित्त वर्ष में 8-9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसमें रूरल डिमांड से मदद मिलेगी। वहीं पर्सनल केयर सेगमेंट 6-7 प्रतिशत बढ़ेगा। पिछले साल इन दोनों सेगमेंट्स से बेहतर ग्रोथ हासिल करने वाले होम केयर सेगमेंट में इस साल 8-9 प्रतिशत रफ्तार दिख सकती है।'

पेश है डायसन एयरस्ट्रेट स्ट्रेट्नर, सूखे और गीले बालों को एयर से स्ट्रेटेन करने का नया तरीका

मुंबई, एजेंसी। दैनिक टेक्नोलॉजी में सुधार लाने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ आज डायसन ने डायसन एयरस्ट्रेट स्ट्रेट्नर पेश किया, जो हवा के साथ गीली से सूखी स्ट्रेट्निंग करता है। इसमें कोई हॉट प्लेट नहीं है, इसलिए हीट डैमेज नहीं होता1।विभिन्न हेयर टाईप्स के लिए बनाए गए ये स्टाईलर बॉडी और मूवमेंट में प्राकृतिक रूप से स्ट्रेट स्टाईल प्रदान करते हैं, और बालों की शक्ति और स्वस्थ लुक को बनाए रखते हैं। इसकी दोनों भुजाओं के बीच बालों पर नीचे की दिशा में उच्च दबाव की हवा पड़ती है, जो

एक साथ एक ही मशीन द्वारा उन्हें सुखा भी देती है, और स्ट्रेट भी कर देती है।

डायसन के संस्थापक और चीफ इंजीनियर, जेम्स डायसन ने कहा, ''डायसन एयरस्ट्रेट स्ट्रेटनर की परफॉर्मेंस शक्तिशाली एयरफ्लो की क्षमता और उसके उपयोग की गहरी समझ पर आधारित है। हम पिछले 25 सालों की मेहनत के बाद अपना पहला वेट टू ड्राई हेयर स्ट्रेट्नर पेश करने में समर्थ बने हैं, जिसमें कोई हॉट प्लेट नहीं है, इसलिए यह हीट डैमेज नहीं करता। लोगों को उच्च वेग के एयर ब्लेड के साथ आसानी से इस्तेमाल होने वाला स्ट्रेट्नर प्रदान करके हमने उन्हें समय बचाने, बालों की शक्ति बनाए रखने और प्रतिदिन प्राकृतिक स्ट्रेट स्टाईल प्राप्त करने में समर्थ बनाया है।''

एयरफ्लो. प्रेसिज़न एयर जेट - इस मशीन की भुजाओं में दो 1.5 मिमी एपर्चर लगी हैं। ये एपर्चर एयरफ्लो में तेजी लाती हैं, और दो उच्च वेग की नीचे की ओर तेज हवा की धाराएं उत्पन्न करती हैं। 45 डिग्री के एंगल पर वो एक केंद्रित हवा की धारा बनाती हैं, जिससे बालों को सूखने के साथ नियंत्रित रूप से स्ट्रेट करने के लिए नीचे की ओर एक बल का निर्माण होता है।

जीआरएम ओवरसीज को यमन की अल-नकीब ग्रुप से 60 करोड़ रुपये का बासमती चावल का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के प्रमुख बासमती चावल निर्यातकों और अग्रणी खाद्य एफएमसीजी कंपनियों में से एक, जीआरएम ओवरसीज को यमन की बिन अवाध अल-नकीब ग्रुप से 60 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिला है। समझौते के अनुसार, जीआरएम ओवरसीज बिन अवाध अल-नकीब ग्रुप को भारतीय बासमती चावल का निर्यात करेगी, जो भारत से बासमती चावल का सबसे बड़ा आयातक है। 60 करोड़ रुपये का यह ऑर्डर कंपनी को यमन स्थित आयातक-वितरक से अब तक मिला सबसे बड़ा ऑर्डर है।

नए ऑर्डर पर टिप्पणी करते हुए, जीआरएम ओवरसीज के चेयरमैन और एमडी अतुल गर्ग ने कहा, बिन अवाध अल-नकीब जनरल ट्रेडिंग कॉर्प से बढ़ते मूल्य के साथ ऑर्डर का निरंतर प्रवाह विदेशी बाजार में हमारे विश्वास को रेखांकित करता है। मध्य पूर्व हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है और यमन से मिला यह ऑर्डर इस क्षेत्र से हमारे राजस्व को और मजबूत करेगा।

इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर/प्रमोटर ग्रुप/गैर-प्रमोटर ग्रुप श्रेणी से संबंधित व्यक्तियों को परिवर्तनीय शेयर वारंट के अधिमान्य निर्गम के माध्यम से धन जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो नियामक/वैधानिक अनुमोदनों और कंपनी के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी 146 रुपये प्रति वारंट की दर से वारंट जारी करेगी, जिससे कुल 136.50 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाई जाएगी।

1974 में विनम्र शुरुआत से लेकर जीआरएम के रूप में खुद को पुनर्परिभाषित करने तक, कंपनी ने तब से एक लंबा सफर तय किया है।

वीडोल ने क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

कोलकाता एजेंसी। टाइड वाटर ऑयल कंपनी (इंडिया) लिमिटेड की ओर से भारत की अग्रणी लुब्रिकेंट ब्रांडों में से एक वीडोल ने क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह नयी साझेदारी वीडोल के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि कंपनी अपने ब्रांड की उपस्थिति को बढ़ाना और संपूर्ण भारत में अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करना चाहती है।

वीडोल ब्रांड के पास 70 से अधिक देशों के बाजारों के साथ जुड़ाव का एक समृद्ध और लगभग सौ साल पुरानी विरासत है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेशेवरों की पसंद के रूप में स्थापित वीडोल, दुनियाभर में वर्कशॉप बिरादरी के बीच एक प्रमुख स्थान रखता है। उद्योग में सम्मानित और विश्वसनीय वीडोल, ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट (रिटेल) और संस्थागत (बी2बी) दोनों क्षेत्रों के लिए लुब्रिकेंट की एक व्यापक रेंज प्रदान करता है। अखिल भारतीय उपस्थिति के साथ वीडोल, भारत के सबसे प्रमुख लुब्रिकेंट ब्रांडों में से एक है, जिसका 31 मार्च 2024 तक परिचालन से समेकित राजस्व 1931 करोड़ रुपये है।

वीडोल एक विश्वसनीय ब्रांड है, जो अपने सभी भागीदारों को विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले उत्पादों के भंडार को दूर-दूर तक वितरित करता है। इनमें से कई भागीदार कंपनी के साथ दो पीढ़ियों से जुड़े हुए हैं। ईमानदारी, पारदर्शिता और स्थायी संबंध, वीडोल की परिभाषित विशेषताएं हैं, जो इसके विज्ञापन टैगलाइन रखे साफ, दिल से में भी समाहित है।

कैंटाबिल रिटेल ने मध्यप्रदेश में अपने नए स्टोर के उद्घाटन के साथ अपनी रिटेल मौजूदगी का किया विस्तार

टीकमगढ़। भारत के अग्रणी परिधान निर्माता और रिटेल विक्रेताओं में से एक, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने टीकमगढ़ में अपना नया रिटेल स्टोर खोलने की घोषणा की है। 1250 वर्ग फीट में फैला ब्रांड का यह स्टोर 364 वार्ड नंबर-23 तहसील के पास, पुलिस कंट्रोल रूम सिविल लाइंस के सामने, टीकमगढ़ मध्य प्रदेश-472001 में स्थित है, जो ब्रांड की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्टोर के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक, श्री दीपक बंसल ने कहा, हम टीकमगढ़ में अपना नया स्टोर शुरू करके बेहद रोमांचित हैं। कैंटाबिल रिटेल ने मिड-

प्रीमियम सेगमेंट में अपने तमाम ग्राहकों के बीच काफी सराहना हासिल की है। हमारा यह नया स्टोर पुरुषों, के लिए फैशन-फ़ॉरवर्ड परिधानों के साथ-साथ एक्सेसरीज़ की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करता है।

टेस्ला के भारत आने की उम्मीद कम, कंपनी के अधिकारियों ने सरकार से संपर्क बंद किया

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भारत का दौरा रद्द कर एलन मस्क अप्रैल में चीन की यात्रा पर गए थे, तब यह कहा जा रहा था कि एलन मस्क लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारत दौरा प्लान कर सकते हैं। भारत में 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ भारतीय बाजार में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लॉन्च करने की उनकी योजना अब खटाई में पड़ती दिख रही है। बताया जा रहा है कि एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी के अधिकारियों ने भारत सरकार के अधिकारियों से संपर्क करना बंद कर दिया है। इसके बाद इस बात की उम्मीद कम नजर आ रही है कि टेस्ला इंक जल्द भारत में निवेश कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एलन मस्क के भारत की यात्रा स्थगित करने के बाद से उनकी टीम ने नई दिल्ली में अधिकारियों से कोई भी पूछताछ नहीं की है। एक अधिकारी ने नाम ना बताने के शर्त पर कहा कि सरकार को यह समझ में आ गया है कि टेस्ला के पास पैसों की कमी है और वह निकट भविष्य में भारत में नए निवेश की योजना नहीं बनाती दिख रही है।

ऐसा तब हुआ है, जब टेस्ला ने वैश्विक स्तर पर तिमाही डिलीवरी में लगातार दूसरी बार गिरावट दर्ज की है। उसे चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। टेस्ला ने अप्रैल में बड़े पैमाने पर कंपनी में छंटनी का ऐलान किया था। इस पर मई में अमल भी किया गया। कंपनी के नए प्रोडक्ट साइबरट्रक का प्रोजेक्ट भी अब धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इतना ही नहीं मैक्सिको में बनाए जाने वाले नए प्लांट की रफ्तार भी कम हो गई है।

इतने हजार करोड़ का निवेश

एलन मस्क ने अपनी भारत यात्रा तब रद्द की थी, जब सरकार ने कुछ हफ्ते पहले ही विदेशी कार निर्माताओं के ईवी इंपोर्ट पर टैक्स को कम करने का ऐलान किया था। टेस्ला को इस नियम का फायदा कम से कम 4,150 करोड़ रुपए (497 मिलियन डॉलर) का निवेश करने और तीन साल के भीतर एक स्थानीय कारखाने में ईवी उत्पादन शुरू करने पर मिलने वाला था। इसके बजाय भारत सरकार को देश में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टाटा मोटर्स लिमिटेड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड जैसी घरेलू वाहन निर्माताओं से भी नए प्लांट लगाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगर मस्क फिर से संपर्क करने का फैसला करते हैं, तो नई इंपोर्ट टैक्स नीति का लाभ उठाने के लिए टेस्ला का अभी भी स्वागत किया जाएगा। ब्लूमबर्ग एनईएफ के अनुसार, भारत का ईवी बाजार अपनी फर्स्ट स्टेज में है, जिसमें पिछले साल बैटरी से चलने वाली कारों की हिस्सेदारी कुल बिक्री का केवल 1.3 प्रतिशत थी। कई खरीदार इलेक्ट्रिक कारों की अधिक लागत और चार्जिंग स्टेशनों की कमी के कारण स्विच करने में संकोच कर रहे हैं।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी! रिलायंस की एजीएम में हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने हाल में मोबाइल टैरिफ में बढ़ोतरी की है। साथ ही कंपनी अपने 5त्र कारोबार को भुनाने की दिशा में आगे बढ़ी है। जानकारों का कहना है कि यह इस बात का संकेत हो सकती है कि रिलायंस जियो आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। कुछ एनालिस्ट्स का कहना है कि कंपनी का आईपीओ अगले साल की शुरुआत में आ सकता है। विश्लेषकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अगले महीने संभावित एजीएम में जियो की आईपीओ के बारे में तस्वीर स्पष्ट हो सकती है।

अमेरिकी कंपनी विलियम ओ% नील एंड कंपनी की भारतीय यूनिट के इक्विटी रिसर्च प्रमुख मयूरेश जोशी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी के निकट भविष्य में ब हु प ती क्षि त आईपीओ के लिए मंच तैयार हो चुका है। जोशी और अन्य विश्लेषकों का अनुमान है कि टैरिफ में बढ़ोतरी और 5जी बिजनस से आने वाली तिमाहियों में जियो की प्रति यूजर औसत आय में वृद्धि होगी। इससे शेयर बिक्री से पहले यह संभावित निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो जाएगा। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने कहा कि वह आरआईएल की आगामी एजीएम में जियो की लिस्टिंग के बारे में किसी भी घटनाक्रम पर नजर रखेगी। ब्रोकरेज ने कहा कि मॉनिटाइजेशन पर फोकस बढ़ना इस बात का संकेत है कि कंपनी जल्दी ही लिस्ट हो सकती है।

जियो ने ईटी के टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। जेफरीज के मुताबिक टैरिफ में हालिया बढ़ोतरी और मॉनिटाइजेशन के बाद जियो की वैल्यूएशन करीब 133 अरब डॉलर (11.11 लाख करोड़) है। इस वैल्यूएशन पर जियो का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा इश्यू हो सकता है। मौजूदा नियमों के अनुसार, 1 लाख करोड़ रुपये या उससे ज्यादा वैल्यूएशन वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी होगी। मतलब मौजूदा वैल्यूएशन के आधार पर जियो की शेयर बिक्री 55,500 करोड़ रुपये की हो सकती है। भारत में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ एलआईसी का रहा है। साल 2022 में कंपनी 21,000 करोड़ का इश्यू लेकर आई थी। हुंडई मोटर की भारतीय इकाई ने पिछले महीने 17.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 25,000 करोड़ जुटाने के लिए आईपीओ के लिए सेबी से मंजूरी मांगी थी।

जियो की पेरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर गुरुवार को बीएसई पर लगभग स्थिर 3,107.90 रुपए पर बंद हुआ। दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप गुरुवार को 1,423.35 के बंद भाव के आधार पर 8.1 लाख करोड़ है। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड में रिलायंस की 67.03 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आरबीआई के बंपर लाभांश से विनिवेश की कम होगी जरूरत, अंतरिम बजट में बना रह सकता है 50,000 करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की ओर से मिले 2.1 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश से सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की कम जरूरत हो सकती है। केयर रेटिंग्स ने कहा, नई सरकार विनिवेश से प्राप्तियों पर अंतरिम बजट में 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को बरकरार रख सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा, आरबीआई के बंपर लाभांश से केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति आरामदायक बनी हुई है। ऐसे में बड़े विनिवेश की जरूरत खत्म हो सकती है। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में सरकार चालू वित्त वर्ष में हिस्सा बेच सकती है। इससे 12,500 से 22,500 करोड़ मिल सकते हैं। अन्य संभावित बिक्री में

कॉनकॉर और पवन हंस शामिल हैं। पिछले दस वर्षों में सरकार ने विनिवेश से 5.2 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। सरकार अपनी कंपनियों में 51 फीसदी तक हिस्सेदारी रखती है तो भी उसे बिक्री से 11.5 लाख करोड़ मिल सकते हैं। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिस्सेदारी बेचने से सरकार को पांच लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बनारस मर्केंटाइल सहकारी बैंक, वाराणसी की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के मद्देनजर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने लाइसेंस रद्द करते हुए कहा, परिणामस्वरूप, बैंक चार जुलाई, 2024 को कारोबारी समय के बाद बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा। उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और एक लिक्विडेटप नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 99.98 प्रतिशत जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

आईसीसी ने किया बुमराह, रोहित, मंधाना को प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले जसप्रीत बुमराह और रोहित शर्मा तथा महिला वर्ग में स्मृति मंधाना, मैया बाउचिर और विशमी गुणरत्ने को प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित किया। आईसीसी की ओर से प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए जारी की गई नामांकित सूची में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और और अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज तथा महिला वर्ग में स्मृति मंधाना, इंग्लैंड की मैया बाउचिर, श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने भी शामिल है।
बुमराह ने जून में हुये टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब से नवाजा गया। वहीं रोहित शर्मा ने टी-20 विश्वकप के आठ मैच में 156.70 स्ट्राइक रेट से एक बार नाबाद रहते हुए 257 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 92 रन रहा था। आफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी-20 विश्वकप में 35.12 की औसत और 124.33 के स्ट्राइक रेट से कुल 281 रन बनाए। महिला वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ (210) दोहरा शतक बनाने भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना, श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने ने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में तथा इंग्लैंड की मैया बाउचिर को भी उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ की नामांकन सूची में शामिल किया गया है।

टीम इंडिया की विजय परेड देखने के लिए पेड़ पर चढ़ा फैन, रोहित ने नीचे उतरने को कहा

मुंबई (एजेंसी)। गुरुवार को मुंबई के मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक टीम इंडिया की विजय परेड के दौरान फैंस का क्रैज सिर्फ सड़कों तक ही सीमित नहीं था। इस दौरान एक व्यक्ति अपने पसंदीदा सुपरस्टार्स को नजदीक से देखने के लिए पेड़ पर चढ़ गया जिससे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी घबरा गए थे। टी20 विश्व कप जीतने के बाद विजयी भारतीय क्रिकेट टीम भारत पहुंची और मुंबई पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और दिल्ली में उनके साथ नाश्ता किया। शाम 5:00 बजे मुंबई में होने वाला ओपन-बस शो देर से शुरू हुआ, लेकिन एक बार जब यह शुरू हुई, तो विजय परेड देखने लायक थी क्योंकि लाखों लोग विश्व चैंपियन के घर लौटने का जश्न मनाने के लिए आए थे। जब खिलाड़ी खुशी, प्यार और प्रशंसा के हर पल का आनंद ले रहे थे, तो वे तब हैरान रह गए जब विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य लोगों ने एक व्यक्ति को पेड़ पर बैठे और तस्वीरें क्लिक करते हुए देखा। कोहली उस व्यक्ति को देखने वाले सबसे पहले लोगों में से एक थे और उन्होंने तुरंत रोहित को इस बारे में बताया। भारतीय कप्तान ने तुरंत उस व्यक्ति से नीचे उतरने को कहा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ जिससे कोहली हंसते हुए लोटपोट हो गए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और तुरंत हिट हो गया। ट्री मैन के अलावा रोड शो में शामिल एक अन्य व्यक्ति की आंखों में आंसू थे, उसने शिकायत की कि वह अपने पसंदीदा क्रिकेटर कोहली की एक झलक भी नहीं देख पाया। दर्शकों की भारी भीड़ ने कोहली और रोहित को पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया जो उनके बस में और बाद में स्टेडियम में होने के दौरान उनके हाव-भाव से स्पष्ट था।

नीरज चोपड़ा लीड करेंगे, पारुल चौधरी दो इवेंट में भाग लेने वाली इकलौती खिलाड़ी

पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से, 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरु होने जा रहे हैं। 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा हो गई है।

पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को जीत हार का दबाव नहीं लेते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की सलाह देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें ओलंपिक की चकाचौंध में खोये बगैर अपना फोकस बनाए रखना है। प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से शुक्रवार को व्यक्तिगत और आनलाइन बातचीत में कहा, 'मेरी कोशिश रहती है कि खेल जगत से जुड़े देश के सितारों से मिलता रहूं, नयी चीजें जानता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं। सरकार के नाते व्यवस्था में कुछ बदलाव लाने हैं तो काम करता रहूं। मेरी कोशिश सभी से सीधे बात करने की होती है।

उन्होंने कहा कि ओलंपिक की चकाचौंध में खोना नहीं है क्योंकि इससे फोकस हटता है और ना ही विरोधी को देखकर विचलित होना है। उन्होंने कहा ,''यह कद काठी का खेल नहीं है बल्कि कौशल का खेल है। विरोधी खिलाड़ी की कद काठी से विचलित हुए बिना अपनी प्रतिभा पर फोकस रखें और वही परिणाम दिलाएगा। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग सब कुछ जानते हुए भी परीक्षा में गड़बड़ कर देते हैं और उसका मूल कारण है कि परीक्षा पर ध्यान कम होता है और वह अच्छे अंक लाने के दबाव में रहते है। आप जीत हार की चिंता मत कीजिए, पदक आते हैं और नहीं भी आते। इसका दबाव मत लीजिए लेकिन अपना शत प्रतिशत दीजिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी पेरिस में पुराने तमाम रिकॉर्ड तोड़कर देश के लिए गौरव लेकर आएंगे। उन्होंने कहा, 'आप अपनी तपस्या से इस स्थान तक पहुंचे हैं। अब देश को खेल के मैदान पर कुछ देने का मौका है। खेल के मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाला देश के लिए गौरव लेकर आता है। मुझे विश्वास है कि इस बार पुराने सारे रिकॉर्ड तोडकर हमारे खिलाड़ी आएंगे।

उन्होंने कहा कि वह ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों के स्वागत का इंतजार करेंगे। मोदी ने कहा, 'मैं आपका फिर से इंतजार करूंगा जब आप 11 अगस्त को ओलंपिक खत्म होने के बाद लौटेंगे। मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को लालकिले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में आप मौजूद रहें ताकि देश आपको देख सके क्योंकि जीत हार तो अलग लेकिन ओलंपिक खेलने जाना ही बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी नींद का पूरा ध्यान रखने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, 'खेल जगत में अभ्यास और निरंतरता का जितना महत्व है उतना ही नींद का है। आप सोचोगे कि प्रधानमंत्री आपको सोने के लिए कह रहे हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अच्छी नींद बहुत जरूरी है। शरीर की मेहनत वाली नींद एक बात है और सभी चिंताओं से मुक्त होकर सोना अलग है।

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों से ओलंपिक के दौरान सीखने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी नाकाम होने पर भी कभी परिस्थिति को दोष नहीं देता। हम अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए जा रहे हैं लेकिन ओलंपिक सीखने का भी बहुत बड़ा मैदान होता है। अपने खेल के अलावा बाकी खेलों को भी देखने का मौका होता है ताकि नया सीख सकें।% उन्होंने कहा, 'सीखने की आदत से काम करने वाले के लिए सीखने के बहुत अवसर होते हैं। यूं तो दुनिया के समृद्ध और उत्तम सुविधाओं के साथ आए हुए देश के लोग भी शिकायत करते नजर आएंगे लेकिन हमारे खिलाड़ी कठिनाइयों को, असुविधाओं को हाशिये पर रखकर मिशन के लिये लग जाता है क्योंकि उसके मन में तिरंगा, अपना देश होता है।

उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों को पहले इसलिए भेजते हैं कि वहां के अनुकूल ढल सकें। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए इस बार भी कुछ नया करने का प्रयास किया है। वहां के भारतीय समुदाय को भी हम सक्रिय करते हैं जो वह रखते हैं। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गोलकीपर पी आर श्रीजेश, तीरंदाज दीपिका कुमारी, पहलवान अंतिम पंघाल, निशानेबाज मनु भाकर, रमिता जिंदल, चौदह वर्ष की तैराक धिनिधि देसिंघु के अलावा आनलाइन जुड़ने वालों में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु और मुक्केबाज निकहत जरीन समेत लगभग 90 खिलाड़ी शामिल थे।

पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जाएंगे। भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तोक्यो ओलंपिक में रहा है जिसमें भालाफेंक में नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण समेत सात पदक जीते। भारत के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

चकाचौंध में खोना नहीं, दबाव लिए बिना खेलना : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से की बात, पूछा लड्डू गोपाल का हाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे भारतीय खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और ऑनलाइन बातचीत की। इस दौरान उन्होंने एथलीट प्रियंका गोस्वामी और नीरज चोपड़ा समेत कई खिलाड़ियों से चर्चा की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

प्रियंका गोस्वामी और लड्डू गोपाल-प्रधानमंत्री ने स्विट्जरलैंड में अभ्यास कर रही पैदलचाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी से पूछा कि क्या वह इस बार भी अपने लड्डू गोपाल को साथ ले जा रही हैं। गोस्वामी ने जवाब दिया, जी हां, यह उनका भी दूसरा ओलंपिक है। पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदलचाल में रजत पदक जीतने के बाद उन्होंने अपने लड्डू गोपाल को समर्पित किया था।

नमस्ते भइया, चूरमा नहीं मिला... पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा से पूछा- प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज चोपड़ा से मजाकिया अंदाज में पूछा, चूरमा आया नहीं तेरा अभी तक। नीरज ने वादा किया कि वह इस बार प्रधानमंत्री को हरियाणा का देसी घी और गुड़ का चूरमा खिलाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे तो तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है। इस दौरान उन्होंने नीरज से शिकायत करते हुए कहा कि मेरा चूरमा अभी नहीं आया है। इस पर नीरज ने वादा किया कि जल्द ही वह पेरिस ओलिंपिक से लौटकर उन्हें खिलाएंगे। इस पर पीएम मोदी ने फिर चुटकी ली कि मां के हाथ का ही खाना है।इससे पहले जब नीरज चोपड़ा बोलने के लिए आए तो पीएम मोदी ने देसी अंदाज में नमस्ते का जवाब दिया। उन्होंने कहा- नमस्ते भइया। नीरज चोपड़ा ने कहा था कि उन्हें मां के हाथ का चूरमा बहुत पसंद है।

विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट 2024

नोवाक जोकोविच को बमुश्किल मिली जीत, जेसिका पेगुला हारी

लंदन (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड क्लब में सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को गुरुवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के लिए पसीना बहाना पड़ा जबकि महिला वर्ग में 5वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। जोकोविच ने सेंटर कोर्ट पर खेले गए मैच में स्कॉटलैंड के 22 वर्षीय खिलाड़ी जैकब फर्नले को 4 सेट में 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से हराया। फर्नले को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था।

पेगुला हारने वाली सर्वोच्च वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बन गईं। इस अमेरिकी खिलाड़ी को वांग जिन्यू ने 6-4, 6-7 (7), 6-1 से हराया। वांग की यह शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी पर पहली जीत है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दो बार की चैंपियन आर्यना सबालेंका को विंबलडन में तीसरी वरीयता दी गई थी लेकिन उन्होंने कंधे की चोट के कारण पहले दौर से पूर्व ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला कर दिया था।

ब्रिटेन को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली युरिको लिली मियाजाकी से काफी उम्मीद थी लेकिन डारिया कसाटकिना के सामने उनकी एक नहीं चली। कसाटकिना ने यह मैच आसानी से 6-0, 6-0 से जीता। कसाटकिना का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने ब्रेंडा फरूहविर्टोवा को 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज़ ने वांग याफ़ान पर 6-2, 6-2 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया।

विराट-रोहित के बिना जिम्बाब्वे के खिलाफ आज नई शुरूआत करेगी भारत की युवा टीम

हरारे (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना की युवा ब्रिगेड जिम्बाब्वे के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी तो इस प्रारूप में यह भारतीय क्रिकेट के नये दौर का सूत्रपात भी होगा। भारत में टी20 विश्व कप की जीत के सतत जारी जश्न के बीच शुभमन गिल की कप्तानी वाली आईपीएल सितारों से सजी यह युवा टीम जीत का अपना सिलसिला शुरू करना चाहेगी। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले पंजाब के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले असम के रियान पराग इस श्रृंखला के जरिये पदार्पण करेंगे।

पिछले कुछ साल में रोहित और कोहली टी20 क्रिकेट में कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं से बाहर रहे हैं। अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दोनों के संन्यास के बाद उनकी कमी जरूर खलेगी। इसकी भरपाई करना तो मुश्किल है लेकिन फिर परिवर्तन संसार का नियम है। जिम्बाब्वे मजबूत टीम नहीं है लेकिन टी20 प्रारूप में दोनों टीमों के बीच बहुत गहरा अंतर नहीं है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले सिकंदर रजा भारत के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं। शिवम दुबे, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल तीसरे मैच से ही उपलब्ध होंगे।

भारत के भावी टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव भी भविष्य में इस प्रारूप में लौटेंगे लिहाजा अंतिम एकादश में ज्यादा जगह खाली नहीं है। अब से 2026 टी20 विश्व कप तक भारतीय टीम इस प्रारूप में 34 मैच खेलेगी। कप्तान गिल पारी का आगाज करेंगे और देखना होगा कि उनके अजीज दोस्त अभिषेक शर्मा को पदार्पण का मौका मिलता है या चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ खेलते हैं। अभिषेक पारी की शुरूआत करते हैं तो गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं।

पराग चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं लिहाजा उनके चयन की संभावना अधिक है। टी20 क्रिकेट के आक्रामक फिनिशर रिंकू सिंह पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं जबकि छठे नंबर पर जितेश शर्मा या ध्रुव जुरेल को उतारा जा सकता है। गेंदबाजी में आवेश खान और खलील अहमद का खेलना तय है जबकि डैथ ओवरों के खतरनाक गेंदबाज मुकेश कुमार तीसरे तेज गेंदबाज होंगे। दुबे के आने तक वॉशिंगटन सुंदर को मौका मिल सकता है।

टीमें :

भारत (पहले दो मैचों के लिए) = शुभमन गिल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साइ सुदर्शन, जितेश शर्मा, हर्षित राणा।

जिम्बाब्वे = सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा।

समय - शाम 4.30 से।

मुंबई कभी निराश नहीं करती- विक्ट्री स्पीच से पहले चुप क्यों हो गए रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप चैंपियन के स्वागत के लिए मुंबई के मरीन ड्राइव और वानखेड़े स्टेडियम में नीले रंग की जर्सी पहने प्रशंसकों का सैलाब आ गया। यह देखकर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खुश दिखे। उन्होंने कहा कि मुंबई कभी निराश नहीं करती। वानखेड़े स्टेडियम पहुंचने के बाद रोहित को तब अदभुत अहसास हुआ जब उन्हें फैंस ने एक भी शब्द नहीं बोलने दिया। रोहित जब माइक पर आए तो दर्शकों ने इतना शोर मचाया कि भारतीय कप्तान चुप हो गए। करीब 30 सैकेंड के बाद रोहित को कुछ बोलने का मौका मिला।

फैन्स को संबोधित करते हुए रोहित ने कहा कि मुंबई कभी निराश नहीं करती। हमारा जोरदार स्वागत हुआ। टीम की ओर से हम प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहते हैं। मैं बहुत खुश और राहत महसूस कर रहा हूं। रोहित ने हार्दिक पंड्या की भी तारीफ की और कहा कि जाहिर है, हार्दिक हमारे लिए महत्वपूर्ण ओवरों में गेंदबाजी कर रहे थे। आखिरी ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए उन्हें सलाम।

आप जानते हैं, आपने कितने रन बनाए, गेंदबाजी करने का कितना दबाव है। उस ओवर को सलाम... इसके बाद वानखेड़े में भीड़ ने हार्दिक, हार्दिक के नारे लगाने शुरू कर दिए और खिलाड़ी ने पूरी विनम्रता के साथ प्रशंसकों को धन्यवाद दिया।इससे पहले रोहित ने कहा कि मैं ट्रॉफी जीतकर बहुत खुश हूं। मेरे लिए वर्ल्ड कप का हर मैच जीतना बहुत महत्त्वपूर्ण रहा। पहले वर्ल्ड कप में हमने दुनिया को बताया कि हम वर्ल्ड कप जीत सकते हैं। उसके बाद फिर से हमने वर्ल्ड कप जीता, जो बहुत अहम था। उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतना भी खास रहा। इससे पता चलता है कि खिलाड़ियों से ज्यादा जीत की चाहत फैंस को थी। यह स्पेशल टीम है और मैं भाग्यशाली हूं कि मैं इसे लीड कर रहा हूं और हर भारतीय का सपना पूरा कर सका।कार्यक्रम के दौरान भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम का प्यार मिस करूंगा, जब से हमने भारत में लैंड किया है। जिस तरीके का सपोर्ट आप सब ने दिया, ये सब मैं मिस करूंगा। पिछले साल रोहित का किया गया कॉल मेरे जीवन का बेस्ट कॉल था। उन्होंने ही मुझे कोचिंग जारी रखने के लिए कहा था।

मैंने 15 सालों में कभी रोहित को इतना भावुक होते हुए देखा : विराट कोहली

मुंबई (एजेंसी)। स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने गुरुवार को यहां टीम के सम्मान समारोह के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने खुलासा किया कि उन्होंने 15 साल में कभी भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को इतना भावुक होते नहीं देखा था जिन्होंने टी20 विश्व कप जीत के बाद डबडबायी आंखों से उन्हें गले लगा लिया था। कोहली ने खुली बस में यादगार 'विक्ट्री परेड' के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा कि 15 साल में यह पहली बार है जब मैंने रोहित को इतना भावुक होते देखा है। जब हम (केनसिंग्टन ओवल में) सीढ़ियां चढ़ रहे थे तो वह रो रहे थे और मैं भी रो रहा था। कोहली जब 21 साल के थे तो उन्होंने इसी मैदान पर कहा था कि 21 वर्षों तक भारतीय क्रिकेट का भार उठाने वाले महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को अपने कंधों पर उठाना बिलकुल उचित है। कोहली (34 वर्ष) ने पिछले हफ्ते ट्रॉफी जीतने के बाद क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने इस मैदान पर खड़े होकर उम्मीद जताई कि उन्होंने और उनके कप्तान ने 15 वर्षों तक जिम्मेदारी उठाने और ट्राफी देश में लाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है।कोहली ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने (रोहित और मैंने) जिम्मेदारी उठाई है और ट्रॉफी यहां (वानखेड़े) वापस लाने से बेहतर कुछ नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर में पहली ही बारिश में ढह गई स्कूल की दीवार, कई बच्चे घायल

जगदलपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है, जहां स्कूल भवन मानसून की पहली ही बारिश में ढह गया। इस दौरान स्कूल में मौजूद कई बच्चे घायल हो गए हैं। वहीं कई बच्चों को चोटें आई है। जिन्हें इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब तक घायल और चोटिल बच्चों की स्थिति को स्थिर बताया जा रहा है। पूरी घटना जगदलपुर के छोटे गुडरा का बताया जा है। पहली बरसात के पानी में स्कूल भवन ढह गया। इससे स्कूल में मौजूद बच्चों को चोटें आई है। कई बच्चे घायल भी हुए हैं। गांव का प्राथमिक शाला का भवन बरसात का पहला पानी ही झेल नहीं पाया और ढह गया। बताया जा रहा है कि प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा था, इस दौरान स्कूल ही ढह गया। इस घटना के दौरान स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। स्कूल प्रवेश उत्सव में ग्रामीण लोग भी शामिल हुए थे। ग्रामीणों की मदद से बच्चों को स्कूल से बाहर निकल गया उसके बाद अस्पताल पहुंचाया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट से कांग्रेस नेता को बड़ा झटका, सजा पर रोक लगाने से इनकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील केदार को राज्य विधानसभा चुनाव से पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने तगड़ा झटका दिया है। अदालत ने 150 करोड़ के घोटाला मामले में सजा पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। इससे पहले नागपुर के जिला सहकारी बैंक में करोड़ों के घोटाले के आरोप में जिला अदालत सुनील केदार को पांच साल कैद और 12.50 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुना चुकी है। हाई कोर्ट की नागपुर पीठ की न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फाल्के ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। सुनील केदार को इससे पहले नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एनडीसीसीबी) में करोड़ों रुपये के घोटाले के लिए दोषी ठहराया गया था। उस वक्त वह बैंक के अध्यक्ष थे। दोषी ठहराए जाने के बाद केदार को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिला सत्र अदालत के खिलाफ उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। बताते चलें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं। ऐसे में बॉम्बे हाई कोर्ट का गुरुवार को सुनील केदार को सजा पर राहत न देने का फैसला उनके चुनाव लड़ने की इच्छा पर पानी फेर सकता है। वह पिछले चार बार से लगातार नागपुर जिले के सावनेर सीट विधानसभा चुनाव जीतते रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील केदार ने इससे पहले ने सत्र अदालत में जमानत के लिए आवेदन किया था जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। तब उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच का दरवाजा खटखटाया था और उन्हें अदालत ने जमानत दे दी थी। करीब पांच महीने बाद केदार ने सजा पर रोक लगाने की अर्जी लगाई।

1.25 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किये

जम्मू, एजेंसी। कश्मीर में अमरनाथ मंदिर में पिछले छह दिनों में 1.25 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। वहीं 6 हजार 919 यात्रियों का एक और जत्था शुक्रवार को कश्मीर के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया, आज 6,919 यात्रियों का एक और जत्था भगवती नगर यात्रा निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ। इनमें से 2542 तीर्थयात्री सुबह 4 बजे 109 वाहनों के सुरक्षा काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। वहीं 4,377 यात्रियों को लेकर 150 वाहनों का एक और सुरक्षा काफिला सुबह 4.30 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और दिन में गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं।पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं।

यमुना के कितने पानी पर किसका हक, अगले साल 5 राज्य करेंगे बात

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में गर्मी बढ़ते ही पानी की किल्लत शुरू हो जाती है। कई इलाके पानी की बूंद-बूंद को तरस जाते हैं। इसके बाद दिल्ली और हरियाणा के बीच पानी को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होता है। इस साल भी पानी की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। माना जा रहा है कि अगले साल लड़ाई और बढ़ सकती है क्योंकि पांच राज्यों के बीच 30 साल पुराना समझौता खत्म होने वाला है। 1994 में पांच राज्यों ने यमुना के पानी के बंटवारे को लेकर समझौता किया था। जिसकी वजह से अपर यमुना नदी बोर्ड का गठन हुआ था। अब इस समझौते पर फिर से बातचीत होगी।

दिल्ली अपनी जल आपूर्ति के लिए मुख्य तौर पर पड़ोसी राज्य पर निर्भर है (असल में 86.5 फीसदी तक) और यमुना के पानी पर उसका हिस्सा 1994 में उत्तर भारत के पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच हस्ताक्षरित जल-बंटवारे समझौते के तहत है। तीन दशक बाद, जब पूरे उत्तर भारत में पानी की कमी साफतौर पर नजर आ रही है, विशेषज्ञों का कहना है कि नए सिरे से आम सहमति बनाना काफी मुश्किल होगा। अपर यमुना नदी बोर्ड में सुधार की भी मांग की जा रही है, जो नदी

के स्रोत से दिल्ली में ओखला बैराज तक नदी को नियंत्रित करता है।

जल संकट के पीक पर वजीराबाद बैराज पर सूखी यमुना नदी के किनारे खड़े होकर, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा था कि राजधानी में हर साल होने वाले जल संकट की समस्या का समाधान जल-बंटवारे के समझौते पर फिर से बातचीत करके अधिक जल आवंटन करके ही किया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया था कि दिल्ली की आबादी कई गुना बढ़ गई है और लोग बेहतर जीवन और रोजगार के अवसरों की तलाश में दिल्ली की ओर पलायन कर रहे हैं। 1994 में दिल्ली की आबादी जहां 10 मिलियन थी। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुमानों के अनुसार, अब यह 21 मिलियन से ज्यादा है। हालांकि परेशानी यह है कि जल बंटवारे पर साइन करने वाले दूसरे राज्यों में भी लगभग इसी अनुपात में जनसंख्या बढ़ी है। उदाहरण के लिए, हरियाणा का गुरुग्राम 1990 के दशक की शुरुआत में एक गांव था। अब यह 2 मिलियन से ज्यादा की आबादी वाला शहर है। 1994 के समझौते के अनुसार, यमुना के वार्षिक उपयोग योग्य प्रवाह का अंतरिम मौसमी आवंटन होगा। दिल्ली के लिए, जुलाई-अक्टूबर में आवंटन 0.580 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम), नवंबर-फरवरी में 0.068 बीसीएम और मार्च-जून की अवधि में 0.076 बीसीएम होना चाहिए। एक बीसीएम का मतलब लगभग 1,000 बिलियन लीटर पानी है। इस समझौते पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश (तब उत्तराखंड अलग राज्य नहीं था) के मुख्यमंत्रियों ने 12 मई, 1994 को हस्ताक्षर किए थे। समझौते के क्लॉज 7(3) में कहा गया है कि राज्यों के बीच उपलब्ध प्रवाह का आवंटन एक बोर्ड द्वारा रेगुलेट (विनियमित) किया जाएगा। ऐसे में केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 1995 को जल संसाधन मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के तौर पर अपर यमुना नदी बोर्ड का गठन किया, जिसका मुख्यालय दिल्ली के आरके पुरम सेक्टर- 4 में है।

डब्ल्यूडीसीडी ने लिया 181 का नियंत्रण, मालीवाल बोलीं- लड़कों की आवाज सुनकर ही लड़कियां फोन रख देंगी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिला हेल्पलाइन नंबर 181 का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। इससे पहले इसका नियंत्रण दिल्ली महिला आयोग के पास था। नई व्यवस्था के तहत हेल्पलाइन नंबर 181 पर बुधवार शाम 4.58 बजे से कंट्रोल रूम में कॉल आना शुरू हो गए। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक हेल्पलाइन पर कुल 1,024 कॉल आ चुकी थीं।

इस बारे में दिल्ली महिला एवं बाल विकास मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, दिल्ली में महिलाओं की सहायता के लिए स्थापित हेल्पलाइन नंबर 181 का संचालन डब्ल्यूडीसीडी की देखरेख में फिर से शुरू किया गया है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर सूचना को अत्यंत सावधानी से लिया जाए और संकट में फंसी महिलाओं को समय पर और प्रभावी सहायता दी जाए।

उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार हिंसा, दुर्व्यवहार और अन्य समस्याओं से जूझ रही महिलाओं की मदद के लिए प्रतिबद्ध है और महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण के प्रति समर्पित है। इससे पहले हेल्पलाइन का प्रबंधन दिल्ली महिला आयोग द्वारा किया जाता था। लेकिन, पिछले साल 4 मई को मुख्य सचिव को लिखे गए पत्र के अनुसार, केंद्र सरकार के निर्देश के बाद इसकी जिम्मेदारी दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंप दी गई है। महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर हर महीने लगभग 40,000 कॉल आती हैं। यह एक टोल-फ्री, 24 घंटे की टेलीकॉम सेवा है जो सहायता चाहने वाली महिलाओं को सहायता और जानकारी प्रदान करती है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली महिला आयोग की पूर्व प्रमुख और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली सरकार ने दिल्ली महिला आयोग की 181 हेल्पलाइन बंद करके खुद चलाने का जो निर्णय लिया है, इसकी सच्चाई मंत्री कैलाश गहलोत जी द्वारा ट्वीट की गई फोटो से खुद जाहिर होती है।

छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक वैष्णव मंदिर में अंग्रेज भी हार मानकर मत्था टेकने को हुए मजबूर

रायपुर, एजेंसी। वैसे तो भगवान नारायण को अपने तारीफ वा किसी चीज का अवस्कता नही होता क्योंकि भगवान सर्वत्र है,केवल अपने भक्तो की चिंता यानी भगवान जगन्नाथ भक्तो के वश में रहते है। भगवान जगन्नाथ शब्द संस्कृत शब्द है। जिनका अर्थ जगत के मालिक होता है। पूरे देश में 7 जुलाई को रथ यात्रा निकाली जाएगी जिनकी तैयारी जोरों पर है, वैसे तो पूरे देशभर में जगन्नाथ के मंदिर बने हुए है। लेकिन धमतरी में एक ऐसे ऐतिहासिक वैष्णव मंदिर है जो 135 वर्ष पुराना होने के साथ कई आलोकिक चमत्कारों से मंदिर ही नही बल्कि भक्तो को समेटे हुए है। यह ऐतिहासिक वैष्णव मंदिर भगवान विष्णु के 8 वां अवतार भगवान कृष्ण को समर्पित है, जहा से अंग्रेजो ने भी हार मानकर मत्था टेकने को विवश हो गए थे।

दरअसल धमतरी शहर के मध्य सदर रोड मठ मंदिर चौक के पास स्थित जगन्नाथ मंदिर है। जहा सुबह शाम भक्तो के लंबी कतारें लगी रहती है। मंदिर में जो मूर्ति स्थापित किया गया है वो विशेष रूप से नीम वृक्ष के लकड़ियों से पूरी के स्वर्गीय लक्ष्मण दाऊ ने बनाया गया था। जो 135 वर्षो से प्रतिमा आज भी सकुशल विराजमान है। इसमें अभी तक किसी भी प्रकार का खामी नहीं आई है। पुजारी ने बताया की नीम के लकड़ियां काफी मजबूत होने के साथ-साथ खासी लंबी समय तक ठीक ठाक रहता है। यही कारण है आज मूर्ति के चमक पर कोई असर नहीं पड़े। इसके अलावा रथ यात्रा में दूर दराज से लोग धमतरी आते है और भक्त अपने आराध्य जगन्नाथ का एक झलक पाने को बेकरार रहते है। वही रथ यात्रा के तैयारी में मंदिर ट्रस्ट लगी हुई है।

नौ महीने में एमसीडी स्कूलों के सवा लाख छात्र कैसे हो गए कम, दिल्ली हाईकोर्ट निगम से मांगा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। निगम की ओर से दाखिल हलफनामे के मुताबिक, एमसीडी स्कूलों में नौ महीने में करीब सवा लाख छात्रों की संख्या कम हुई है।

इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए दो सप्ताह में निगम को नए सिरे से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिससे कि इसके कारणों के बारे में पता चल सके।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष दिल्ली नगर निगम ने एक जुलाई 2024 को हलफनामा दाखिल किया था। इसमें बताया गया कि वर्तमान में निगम स्कूलों में 6,50,951 छात्र पढ़ रहे हैं, जबकि सितंबर 2023 में पीठ के सामने पेश हलफनामे में बताया गया था कि निगम

स्कूलों में 7,88,224 छात्र पढ़ रहे हैं। पीठ ने हलफनामे पर गौर करते हुए निगम अधिकारी से मौखिक तौर पर सवाल किया कि महज नौ माह में इतने छात्र कम कैसे हो गए। इस पर निगम के पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं था।

निगम अधिकारी ने पीठ को कहा कि नए सत्र में छात्रों की संख्या फिर बढ़ जाएगी। इस पर पीठ ने कहा कि नया सत्र तो अप्रैल 2024 से शुरू हो चुका है। वैसे भी यहां बात 17.41 प्रतिशत कम हुए छात्रों की हो रही है।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि उन्हें आशंका है कि अपनी खामी को छुपाने के लिए निगम ने उन छात्रों के नाम स्कूल से काट दिए हैं, जिनका बैंक खाता खुलने में मुश्किल आ रही थी। निगम ने अपने आप को बचाने के लिए शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन किया है। अग्रवाल ने हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि पहले भी निगम की तरफ से इस तरह के कृत्य को अंजाम दिया गया है, जिसको वह पीठ के समक्ष रख चुके हैं। यह मामला दिल्ली सरकार और निगम स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर दायर जनहित याचिका का है। जनहित याचिका सोशल ज्यूरिस्ट, ए सिविल राइट ग्रुप की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक अग्रवाल द्वारा हाईकोर्ट में दायर की गई है। याचिका में स्कूलों में खराब डेस्क, किताबों का समय से वितरण न होने, एक कक्षा में सैंकड़ों की संख्या में बच्चों को बैठने के लिए मजबूर होने सहित अन्य समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाए गए आरोपी, सरकारी तोहफे बेचने का आरोप

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी।
ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर सऊदी अरब मिले महंगे उपहारों के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोप लगे हैं। ब्राजीली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो को मनी लॉन्ड्रिंग, गबन और आपराधिक संगठन का आरोपी लगाया है। यह मामला 32 मिलियन डॉलर मूल्य के हीरे के आभूषणों से जुड़ा है जिसे अक्टूबर 2021 में सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किया था।

सऊदी अरब सरकार से मिले थे महंगे तोहफे

जेयर बोल्सोनारो साल 2019 से लेकर 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे। बोल्सोनारो पर आरोप है कि साल 2019 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की थी। इस दौरान उन्हें सऊदी अरब की सरकार से करीब 68 हजार डॉलर के महंगे आभूषण तोहफे में मिले थे। आरोप है कि बोल्सोनारो ने उन्हें बेचकर नकदी अपने पास रख ली थी, जो कानून का उल्लंघन है। हालांकि बोल्सोनारो ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। बोल्सोनारो के बेटे और ब्राज़ील के सीनेटर फ़्लेवियो बोल्सोनारो ने अपने पिता के खिलाफ़ लगे आरोपों को खारिज किया और इसे खुला और बेशर्म उत्पीड़न करार

दिया। संघीय पुलिस द्वारा आरोपी बनाए जाने के बावजूद ब्राजील के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने अभी तक देश के संघीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बोल्सोनारो के खिलाफ़ कोई औपचारिक आरोप जारी नहीं किया है। बोल्सोनारो के खिलाफ राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद उनके समर्थकों द्वारा दंगे करने के मामले में भी जांच चल रही है। साथ ही कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन कार्ड में कथित हेरा-फेरी के आरोप में भी जांच चल रही है।

बुजुर्ग होती आबादी का ग्रीस ने निकाला समाधान, अब 6 दिन काम करेंगे जवान

ग्रीस, एजेंसी।
एक ओर जहां दुनिया के बाकी देश सप्ताह में चार दिन काम करने के फैसले पर विचार कर रहे हैं, वहीं ग्रीस इसके बिलकुल उलट चल रहा है। ग्रीस में सोमवार को एक कानून लागू हुआ जो कुछ कंपनियों को छह दिनों के कार्य सप्ताह की प्रणाली को लागू करने की इजाजत देता है। इस बदलाव के जरिए देश के वृद्ध कर्मचारियों की मदद करना और तंगहाली से जूझ रहे कर्मचारियों की आर्थिक मदद करना है। कानून का उद्देश्य ग्रीक तौर तरीके को बनाए रखना है। इस मामले में ग्रीस दुनिया के अधिकांश हिस्सों से बिल्कुल अलग है। ब्रिटेन, आइसलैंड और न्यूजीलैंड जैसे देशों में सप्ताह में चार दिन काम करने से जुड़े ट्रायल किए जा चुके हैं।

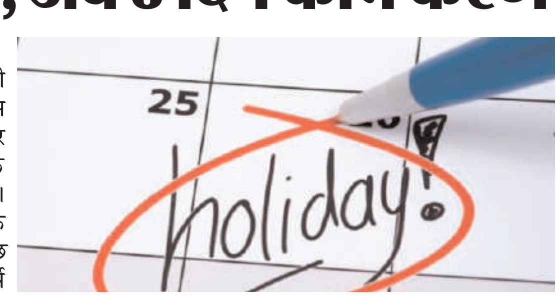

यह कानून कुछ औद्योगिक और निर्माण क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होता है। इसके अलावा यह उन लोगों पर भी लागू होता है जो ऐसी नौकरियां करते हैं जहां सप्ताह में सातों दिन और 24 घंटे शिफ्ट में काम करते हैं। हालांकि कानून में यह भी है कि कंपनियां सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में छह दिन की कार्य प्रणाली लागू कर सकती है। इसमें अप्रत्याशित रूप से कार्यभार में वृद्धि जैसी चीज़े शामिल है। कानून के मुताबिक श्रमिकों को उनके छठे दिन अतिरिक्त 40प्रतिशत मआवजा मिलेगा। सरकार ने जोर देकर कहा है कि कानून किसी भी तरह से मौजूदा पांच दिवसीय कार्य सप्ताह प्रणाली को प्रभावित नहीं करता है। गौरतलब है कि ग्रीस कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंजर्वेटिव लेबर मिनिस्टर निकी केरामेस ने कहा है कि एक ज्यादा दिन एंप्लॉयर्स को तत्काल मांगों को पूरा करने में मदद करेगा।

जयशंकर बोले- रूसी सेना में जबरन भारतीयों की भर्ती मंजूर नहीं

अस्ताना, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कजाखस्तान के अस्ताना में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों का मुद्दा उठाया। वहीं, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में भी बताया।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने लावरोव के समक्ष फंसे हुए भारतीयों का मुद्दा उठाया, इस पर जयशंकर ने कहा, मैंने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान इस मुद्दे को बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया। कई भारतीयों को रूसी सेना में काम में लगाया गया है। जब वे वापस आएंगे तभी हमें पूरी सच्चाई का पता चलेगा। मगर परिस्थितियां जो भी हों, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमारे लोग किसी किसी दूसरे देश की सेना की ओर से युद्ध क्षेत्र में हैं। मैंने उनसे कहा कि हम उनका सहयोग चाहते हैं और वे हमारे मित्र और भागीदार हैं। हमें कोई रास्ता निकालना होगा, जिससे हमारे लोग जल्द से जल्द और प्रभावी तरीके से भारत लौट सकें।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि लावरोव ने इस बात की भी सराहना की और भारतीय विदेश मंत्रालय इस संबंध में रूसी रक्षा मंत्रालय से बात कर रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उनसे आग्रह किया कि हमें और मजबूत फॉलोअप की जरूरत है। मैंने इसे उठाया है और मैं इसे मुद्दे पर तबतक बात जारी रखने का इरादा रखता हूं जब तक कि हमारे सभी लोग वापस नहीं आ जाते। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह दोनों नेताओं

के लिए दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर एक-दूसरे से सीधे बातचीत करने का एक शानदार अवसर है।

उन्होंने आगे कहा, हमारे वार्षिक शिखर सम्मेलन में थोड़ी देरी हुई है। यह एक अच्छी परंपरा है। हम दो देश हैं जिनका एक साथ काम करने का मजबूत इतिहास रहा है। हमने वार्षिक शिखर सम्मेलन की आवश्यकता को महत्व दिया। पिछले साल जब मैं मॉस्को गया था, तो मैं प्रधानमंत्री का संदेश लेकर आया था कि हम वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इसे जल्द करेंगे।

उन्होंने कहा, यह किसी भी रिश्ते का जायजा लेने का एक तरीका है। सबसे बड़े बदलावों में से एक यह है कि रूस के साथ हमारे आर्थिक संबंध जबरदस्त रूप से बढ़े हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एक-दूसरे से सीधे बात करने का एक शानदार अवसर होगा।

दो भारतीय नागरिकों की हुई थी मौत

आपको बता दें कि विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में दो भारतीय नागरिकों की मौत हुई। दोनों नागरिक रूस की सेना में नियुक्त किए गए थे। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी पर जोर दिया गया, जो रूसी सेना में कार्यरत हैं।

खुद को ब्लैक महिला बता गए जो बाइडेन, इंटरव्यू के दौरान फिसली जुबान; फिर हुई फजीहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडेन के उम्मीदवारी से हटने के कयास लगातार तेज हो रहे हैं। आए दिन उनसे होने वाली चूक से सवाल उठने लगे हैं कि वह अगला कार्यकाल संभालने में सक्षम भी हैं या नहीं? वहीं जो बाइडेन ने यह भी स्वीकार कर लिया है कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिबेट के समय मंच पर सो गए थे। उनका कहना है कि सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम के चलते वह काफी थक गए थे। अब एक रेडियो चैनल पर इंटरव्यू के दौरान उनकी जुबान ऐसी फिसली की एक बार फिर जमकर फजीहत हो गई।

बाइडेन खुद को ब्लैक महिला बताने लगे। उन्होंने कहा, मैं पहली ब्लैक महिला हूं जिसने ब्लैक राष्ट्रपति के साथ काम किया। हो सकता है कि वह कमला हैरिस के बारे में बताना चाह रहे हों और उनकी जुबान फिसल गई हो। वह फिलादेल्फिया के वुर्ड रेडियो स्टेशन के लिए इंटरव्यू दे रहे थे। बाइडेन ने कहा, वैसे मुझे इस बात का गर्व है कि मैं पहली ब्लैक महिला हूं जिसने एक ब्लैक राष्ट्रपति के साथ सेवा दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129